● वर्ष-3
● अंक-195
रायपुर, शनिवार
23 मार्च 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› प्रेग्नेंसी के दौरान एक्ने बना रहे ....

28 मार्च तक ईडी की हिरासत में केजरीवाल

कोर्ट ने सुनाया फैसला

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को 6 दिन की ईडी रिमांड पर भेजा गया है। गुरुवार को दिल्ली शराब घोटाला मामले में केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार किया था।केजरीवाल को आबकारी नीति से जुड़े धन शोधन मामले में 28 मार्च तक प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत में भेज दिया।इससे पहले प्रवर्तन निदेशालय ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को राउज एवेन्यू अदालत में पेश किया था। प्रवर्तन निदेशालय ने निचली अदालत में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की 10 दिन की रिमांड की मांग की थी। अरविंद केजरीवाल की तरफ से कोर्ट में वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी पेश हुए। दोनों पक्षों को सुनने के बाद राउथ एवेन्यू कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

ईडी ने उनकी हिरासत का अनुरोध करते हुए अदालत से कहा कि अरविंद केजरीवाल आम आदमी पार्टी के अन्य मंत्रियों और नेताओं के साथ शराब घोटाले में मुख्य साजिशकर्ता थे। अरविंद केजरीवाल ने 'साउथ ग्रुप' और शराब घोटाले के आरोपियों के बीच बिचौलिए की भूमिका निभाई। ईडी ने कोर्ट को बताया कि अरविंद केजरीवाल को दिल्ली आबकारी नीति तैयार करने, लागू करने के लिए 'साउथ ग्रुप' से रिश्वत के रूप में कई करोड़ रुपये मिले। अरविंद केजरीवाल ने पंजाब चुनाव के लिए 'साउथ ग्रुप' से कुछ आरोपियों से 100 करोड़ रुपये की मांग की थी। आम आदमी पार्टी एक व्यक्ति नहीं बल्कि एक 'कंपनी' है, इसलिए 'कंपनी' के संचालन के लिए जिम्मेदार प्रत्येक व्यक्ति को जवाबदेह ठहराया जाएगा।

मुख्यमंत्री केजरीवाल के वकील ने आबकारी नीति मामले में अदालत से कहा कि पैसे के लेन-देन की कड़ियां जोड़ने के वास्ते आगे की जांच किए जाने को गिरफ्तारी के लिए आधार नहीं बनाया जा सकता। वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने अदालत से कहा कि भारत के इतिहास में यह पहली बार है कि एक मौजूदा मुख्यमंत्री को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तारी की शक्ति, गिरफ्तारी की आवश्यकता के समतुल्य नहीं है, इस व्यक्ति (अरविंद केजरीवाल) को गिरफ्तार करने की कोई आवश्यकता नहीं है। सिंघवी ने अदालत ने कहा कि आम आदमी पार्टी के चार और वरिष्ठ नेताओं को गिरफ्तार किया गया है, (चुनाव के लिए) गैर बराबरी का माहौल पैदा करने का प्रयास किया जा रहा है।

मोदी जी ने सत्ता के अहंकार में 3 बार चुने मुख्यमंत्री को गिरफ़्तार करवाया: सुनीता

प्रवर्तन निदेशालय ने अरविंद केजरीवाल की 10 दिन की हिरासत की मांग करते हुए अदालत से कहा कि आप सुप्रीमो शराब नीति घोटाले के सरगना हैं। वहीं विपक्षी दलों ने केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर चुनाव आयोग से मुलाकात की है। पूरे मामले पर अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल का रिएक्शन सामने आया है। सीएम केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने एक्स पर लिखा कि आपके 3 बार चुने हुए मुख्यमंत्री को मोदीजी ने सत्ता के अहंकार में गिरफ़्तार करवाया।

भूपेश छत्तीसगढ़ के जनता ल ठगिस अउ लूटिस: साय

ओला इतना वोट ले हरावा कि दुबारा राजनांदगांव डाहर झांके ल मत आ सकय-मुख्यमंत्री

राजनांदगांव/डोंगरगांव। भूपेश बघेल पहिली छत्तीसगढ़ के जनता ल ठगिस अउ लूटिस, अब राजनांदगांव के जनता ल ठगे बर आए हे. ओला इतना वोट ले हरावा कि दुबारा राजनांदगांव डाहर झांके ल मत आ सकय. मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राजनांदगांव में आयोजित विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में कार्यकर्ताओं के बीच ये बात कही। इस मौके पर मुख्यमंत्री साय की उपस्थिति में बड़ी संख्या में लोगों ने भाजपा प्रवेश किया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज राजनांदगांव लोकसभा के अंतर्गत राजनांदगांव और डोंगरगांव में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन को सम्बोधित किया। सीएम साय ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव का शंखनाद हो चुका है। हमें नरेंद्र मोदी जी को तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनाना है। भाजपा प्रत्याशी संतोष पाण्डेय जी को सांसद बनाकर फिर से लोकसभा भेजना है। आपके सांसद आपकी हक की बात दम-खम से दिल्ली के सदन में रखते हैं। 5 साल कांग्रेस की सरकार ने छत्तीसगढ़ में केंद्र सरकार की गरीबों के लिए चलायी जा रही योजनाओं को रोक दिया था। 5 साल में जनता को गुमराह करने वाले कांग्रेस के मुखिया को इतने भारी वोट से हराना है कि वो दोबारा राजनांदगांव की ओर झांकने भी ना आ सके।

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने अपने ही भ्रष्टाचार का रिकार्ड तोड़ा है। कांग्रेस नेता आज जेल में हैं, उन्हें जमानत तक नहीं मिल रही है। कोयला, शराब, पीएससी जैसे कितने बड़े-बड़े घोटाले किये, विधानसभा चुनाव में जनता ने उन्हें उनकी असली जगह दिखा दी, अब लोकसभा की बारी है।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान करते हुए कहा कि हर घर में जाकर हमें मोदी जी के कामों का ब्यौरा जनता को सौंपना है। 15 साल के डॉ. रमन सिंह जी की सरकार और 100 दिनों में जो कार्य हमारी सरकार ने छत्तीसगढ़ की जनता के लिए किया है, उन्हें भी घर-घर पहुंचाना है। हमारी सरकार को सौ दिन पूरे हो रहे हैं, इन सौ दिनों में हमने मोदी की गारंटी के तहत बहुत काम किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने सरकार बनते ही 18 लाख से ज्यादा गरीब परिवारों को पीएम आवास की स्वीकृति दी। 12 लाख से ज्यादा किसानों को हमने 3716 करोड़ रुपए का दो साल का बकाया धान बोनस दिया, किसानों से किया वादा हमने पूरा किया। इस साल सबसे ज्यादा 145 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी हुई है। धान खरीदी की अंतर की राशि को कृषक उन्नति योजना के माध्यम से 12 मार्च को 24 लाख 72 हजार किसानों के खातों में भेज दिया गया है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के खाते में भी धान के अंतर की राशि भेजी गई है। महतारी वंदन योजना में हम विवाहित माताओं बहनों को अब प्रतिमाह एक हजार रुपए दे रहे हैं। 22 जनवरी को अयोध्या में हमारे प्रभु श्रीरामलला 5 सौ वर्षों के संघर्ष के बाद विराजमान हुए हैं, हमने छत्तीसगढ़ की जनता से श्रीरामलला दर्शन योजना का भी वादा किया था, जिसे हमने पूरा किया। सीएम साय ने जनता से कहा कि छत्तीसगढ़ में एक मजबूत इंजन की सरकार बन गई है और दिल्ली में तीसरी बार मोदी जी को प्रधानमंत्री बनाकर भेजेंगे, जिससे डबल इंजन सरकार से देश-प्रदेश का द्रुत गति से विकास होगा।

महिलाओं में दिखा गजब का उत्साह

आज के कार्यकर्ता सम्मेलन में भारी संख्या में उपस्थित महिलाओं में गजब का उत्साह देखा गया। सबने एक स्वर में कहा - अब की बार 400 पार, फिर बनाएंगे मोदी सरकार। महतारी वंदन योजना की पहली किश्त जारी होने के बाद प्रदेश की महिलाएं बहुत ही खुश और उत्साहित हैं और लोकसभा चुनाव में भाजपा को जिताने के लिए लालायित हैं।

मुख्यमंत्री द्वारा बघेल पर किए गए ताबड़तोड़ हमले से पूरा सभास्थल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा

आज के कार्यकर्ता सम्मेलन में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पूर्व मुख्यमंत्री को जमकर लताड़ा। 5 साल में उनके द्वारा की गई लूट और ठगी पर तीखा हमला बोला, जिससे वहां उपस्थित कार्यकर्ताओं ने जमकर तालियां बजाई और फिर एक बार मोदी सरकार का नारा बुलंद किया।

कांग्रेसियों ने किया भाजपा प्रवेश

प्रदेश की विष्णुदेव सरकार द्वारा मात्र 100 दिनों में वादे के मुताबिक पूरी की गई प्रमुख गारंटियों और भाजपा की रीति-नीति से प्रभावित होकर भारी संख्या में कांग्रेसियों ने मुख्यमंत्री के समक्ष भाजपा प्रवेश किया और डबल इंजन की सरकार बनाने का संकल्प लिया।

देश में भागीदारी सबसे बड़ा मुद्दा, जातिगत जनगणना और आर्थिक सर्वे होगा क्रांतिकारी कदम: राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बड़ा बयान देते हुए कहा कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान हमने सामाजिक न्याय के बारे में बात की और इसका अगला क्रांतिकारी कदम जाति जनगणना, आर्थिक सर्वेक्षण, संस्थानों का सर्वेक्षण और देश की प्रणालियों और संस्थानों में भारत की 90% आबादी की भागीदारी के स्तर का पता लगाना है। उन्होंने कहा कि हमने तय किया है कि हम ये क्रांतिकारी काम करने जा रहे हैं और ये बात हमने अपने घोषणापत्र में कही है। उन्होंने कहा कि देश में भागीदारी सबसे बड़ा मुद्दा है। राहुल ने कहा कि यात्रा में हमने सामाजिक न्याय की बात की थी और उसका अगला क्रांतिकारी कदम जातिगत जनगणना और आर्थिक सर्वे है। इससे ये पता चल जाएगा कि देश की 90% आबादी की देश में क्या भागीदारी है। मैं सभी का स्वागत करता हूं और आप सभी को दिल से धन्यवाद देता हूं। मैं खुश हूं कि हम सब एकसाथ ये लड़ाई लड़ने जा रहे हैं।

इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि राहुल गांधी जी की भारत जोड़ो यात्रा और भारत जोड़ो न्याय यात्रा को देखकर और उनके विचारों से प्रेरित होकर राजकुमार सैनी जी ने तय किया कि वह कांग्रेस पार्टी का साथ देंगे। इसलिए उन्होंने बिना किसी शर्त इंडिया गठबंधन को समर्थन देने का भरोसा दिया है। देश के लोकतंत्र को बचाने के लिए राजकुमार सैनी जी एक हुए हैं।

रायपुर। मुख्यमंत्री निवास में भाभी जी घर पर हैं के सक्सेना जी उर्फ़ अभिनेता सानंद वर्मा ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान सीएम साय ने छत्तीसगढ़ के राजकीय पशु वनभैंसा की सुन्दर कलाकृति भेंट कर सानंद वर्मा का स्वागत किया और छत्तीसगढ़ की आदिवासी संस्कृति, रहन-सहन, खान-पान के बारे में परिचित कराया।

प्रमुख समाचार

महतारी वंदन की राशि हर महीनें खाते में आती रहेगी

रायपुर। लोकसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान हो चुका है। इस के साथ भी छत्तीसगढ़ समेत देशभर में आने वाले दो महीने के लिए आदर्श आचार संहिता भी प्रभावी हो चुका है। आचार संहिता लगने के साथ ही सरकारी कामकाज ठप्प हो गए हैं। यानि ट्रांसफर, पोस्टिंग जैसे शासकीय कार्यों का फैसला सीधे निर्वाचन आयोग की ओर से लिए जाएंगे। वहीं, आचार संहिता लगने के बाद लोगों के मन में महतारी वंदन योजना की राशि को लेकर आशंका है। महिलाएं पूछ रही है कि राशि खाते में चुनाव तक आएगी नही। इस बात का जवाब खुद मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दिया है। उन्होने शुक्रवार को मीडिया से बात करते हुए कहा कि महतारी वंदन का पैसा महिलाओं के खाते हर महीने की 7 तारीख के पहले आ जाएगा। इस संबंध में मैंने अधिकारियों को निर्देश दे दिया है। उन्होंने आगे कहा कि हम मोदी एक एक गारंटी को पूरा करेंगे हमारी नीति और नीयत ठीक है। वहीं, उन्होंने धान के अंतर की राशि कांग्रेसियों और भूपेश बघेल को भी मिला है, मैंने रिकार्ड देखा है। चूंकि योजना की शुरुआत आदर्श अचार संहिता के ठीक पहली ही हो चुकी थी लिहाजा इस पर चुनावी बंदिश का असर नहीं होगा।

गाइडलाइन का पालन नहीं स्कूलों की मान्यता रद्द

रायपुर. गाइडलाइन का पालन नहीं करने वाले 10 राज्यों के 20 स्कूलों के खिलाफ केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने बड़ी कार्रवाई की है. इन स्कूलों की मान्यता रद्द कर दी गई है. इनमें छत्तीसगढ़ के भी दो स्कूल शामिल हैं. वहीं जिन स्कूलों को डाउनग्रेड किया गया है उनमें दिल्ली के विवेकानंद स्कूल नरेला दिल्ली और पंजाब श्री दसमेश सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल शामिल हैं.

इन स्कूलों का एफिलिएशन कैंसिल- छत्तीसगढ़ में द्रोणाचार्य पब्लिक स्कूल, विकोन स्कूल विधानसभा रोड। दिल्ली में सिद्धार्थ पब्लिक स्कूल, भारत माता सरस्वती मंदिर, नेशनल पब्लिक स्कूल,चंदराम पब्लिक स्कूल, मेरीगोल्ड पब्लिक स्कूल। जम्मूकश्मीर में करतार पब्लिक स्कूल। राजस्थान में प्रिंस यूसीएच माध्यमिक विद्यालय, ग्लोबल इंडियन इंटरनेशनल स्कूल जोधपुर। महाराष्ट्र में राहुल इंटरनेशनल स्कूल ठाणे, पायोनिर पब्लिक स्कूल। असम में साई आरएनएस स्कूल गुहावटी। मध्यप्रदेश में सरदार पटेल पब्लिक स्कूल भोपाल। उत्तरप्रदेश में लॉयल पब्लिक स्कूल बुलंदशहर, ट्रिनिटी वर्ल्ड स्कूल गौतम बुद्ध नगर, क्रीसेंट कान्वेंट स्कूल गाजीपुर। केरल में पीवीसी पब्लिक स्कूल, मदर टेरेसा स्कूल। उत्तराखंड में ज्ञान ईस्टन इंटरनेशनल स्कूल, देहरादून शामिल है।

लालू ने बेटी से किडनी ली, फिर उसे टिकट दे दिया- चौधरी

नई दिल्ली। बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव पर तीखा हमला बोलते हुए गंभीर और विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा, लालू प्रसाद (यादव) ऐसे नेता हैं जो टिकट बेचने में माहिर हैं। उन्होंने अपनी बेटी को भी नहीं बख्शा। पहले तो उससे किडनी ली और फिर उसे टिकट दे दिया। बिहार के डिप्टी सीएम की अरुचिकर टिप्पणी ने बड़े पैमाने पर विवाद खड़ा कर दिया और राजद ने कहा, सम्राट चौधरी अनर्गल बयान देकर कुशवाहा समुदाय का अपमान कर रहे हैं। हमारा समाज कभी भी इस तरह के घटिया बयानों के पक्ष में नहीं रहा है और न ही ऐसी भाषा का समर्थन करता है। दिल्ली के आप विधायक नरेश बाल्यान ने भी ऐसी घृणित टिप्पणी करने और उपमुख्यमंत्री की कुर्सी का सम्मान नहीं करने के लिए चौधरी की आलोचना की। राजद ने कहा कि अगर कोई पुत्र-पुत्री बीमारी में अपने माँ-बाप की सेवा करता है तो क्या वो गलत है? सम्राट चौधरी ने अनर्गल बयानबाज़ी कर समस्त मातृ शक्ति को गाली दी है। बिहार की महिलाएँ दूषित सोच की बीमारी से ग्रस्त उपमुख्यमंत्री और महिला विरोधी पार्टी भाजपा का बहिष्कार करती है।

केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर ननद-भाभी में भिड़ंत

मुंबई। लोकसभा चुनाव की पृष्ठभूमि में हम महाराष्ट्र में ननद और भाभी के बीच टकराव देख रहे हैं। यह लगभग तय है कि बारामती में सुप्रिया सुले का मुकाबला अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार से होगा। जहां एक तरफ ननद भाभी के बीच ये मुकाबला चल रहा है वहीं खडसे परिवार के ननंद भावजय भी सोशल मीडिया पर एक दूसरे के खिलाफ खड़े नजर आ रहे हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर रक्षा खडसे और रोहिणी खडसे के बीच सोशल मीडिया पर जंग देखने को मिल रही है। रोहिणी खडसे ने ट्वीट कर अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी का विरोध किया। एक तरफ देश की मुख्य विपक्षी पार्टी का बैंक खाता सील कर दिया जाता है, दूसरी तरफ आचार संहिता के बावजूद एक मुख्यमंत्री को गिरफ्तार कर लिया जाता है। इसे देखकर साफ है कि बीजेपी के पैरों तले जमीन खिसक रही है। लोग सत्ता के इस दुरुपयोग को देख रहे हैं। आने वाले चुनाव में उन्हें हिसाब दिए बिना नहीं छोड़ा जाएगा।

ओडिसा में अकेले दम पर चुनाव लड़ेगी भाजपा

नई दिल्ली। पार्टी की राज्य इकाई के प्रमुख ने शुक्रवार को कहा कि भाजपा ओडिशा में आगामी लोकसभा और विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेगी। यह घोषणा चुनाव के लिए भाजपा और मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के नेतृत्व वाले बीजू जनता दल (बीजद) के बीच संभावित गठबंधन की अटकलों के बीच आई है। उन्होंने सोशल मीडिया एप एक्स पर पोस्ट किया कि विगत 10 वर्षों से नवीन पटनायक जी के नेतृत्व में ओडिशा की बीजू जनता दल (बीजेडी) पार्टी केंद्र की माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार के अनेक राष्ट्रीय महत्व के प्रसंगों में समर्थन देती आई है, इसके लिए हम उनका आभार व्यक्त करते हैं। अनुभव में आया है कि देशभर में जहाँ भी डबल इंजन की सरकार रही है, वहां विकास व गरीब कल्याण के कार्यों में तेजी आई है और राज्य हर क्षेत्र में आगे बढे हैं। मनमोहन सामल ने कहा कि आज ओडिशा में मोदी सरकार की अनेक कल्याणकारी योजनाएं जमीन पर नहीं पहुँच पा रही हैं, जिससे ओडिशा के गरीब बहनों-भाइयों को उनका लाभ नहीं मिल पा रहा है।

जम्मू कश्मीर में गुलाम नबी आजाद बिगाड़ेंगे इंडिया ब्लॉक का गेम?

अभिनय आकाश ।

आगामी लोकसभा चुनावों में जम्मू-कश्मीर में सत्तारूढ़ भाजपा के साथ-साथ विपक्षी दल इंडिया ब्लॉक से मुकाबला करने के लिए, तीन स्थानीय दल गुलाम नबी आज़ाद की डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आज़ाद पार्टी (डीपीएपी), अल्ताफ बुखारी की जम्मू-कश्मीर अपनी पार्टी और सज्जाद लोन के नेतृत्व वाली पार्टी जम्मू-कश्मीर पीपुल्स कॉन्फ्रेंस - गठबंधन बनाने और केंद्र शासित प्रदेश में तीसरा मोर्चा बनाने के लिए तैयार है। उच्च पदस्थ सूत्रों ने द इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि तीनों दलों के शीर्ष नेता यूटी की सभी पांच लोकसभा सीटों पर सर्वसम्मति से उम्मीदवार उतारने की संभावना पर चर्चा कर रहे हैं, जिसमें कश्मीर घाटी की तीन और जम्मू की दो सीटें शामिल हैं। . क्षेत्र। हालाँकि उन्हें अभी भी किसी समझौते पर पहुँचना बाकी है।

अपनी पार्टी के महासचिव रफी मीर ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने विभिन्न समान विचारधारा वाले दलों से बात करने का प्रस्ताव रखा है जो जम्मू-कश्मीर के लोगों की समृद्धि के लिए काम करना चाहते हैं। डीपीएपी के मुख्य प्रवक्ता सलमान निज़ामी ने कहा कि समान विचारधारा वाले दलों के साथ बातचीत प्रारंभिक चरण में थी। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में डीपीएपी अध्यक्ष गुलाम नबी आज़ाद द्वारा अंतिम निर्णय लिया जाएगा। पहला संकेत सोमवार को श्रीनगर में अपनी पार्टी की एक असाधारण बैठक के दौरान आया, जहां पार्टी ने अपने अध्यक्ष सैयद मोहम्मद अल्ताफ बुखारी को समान विचारधारा वाले दलों के साथ गठबंधन की संभावना तलाशने के लिए अधिकृत किया। सूत्रों ने कहा कि तीन-दलीय गठबंधन का नेतृत्व डीपीएपी प्रमुख गुलाम नबी आज़ाद, पूर्व कांग्रेस दिग्गज

और पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा किए जाने की संभावना है, उन्होंने दावा किया कि फारूक अब्दुल्ला के नेतृत्व वाले नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) सहित अन्य दलों के कई पूर्व विधायक और मंत्री भी इसमें शामिल होंगे। और महबूबा मुफ्ती के नेतृत्व वाली पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) इसमें शामिल होगी।

एक बार बनने के बाद, गठबंधन के जम्मू-कश्मीर में भारतीय गुट के लिए एक बड़ी चुनौती पेश करने की संभावना है। एनसी, पीडीपी और कांग्रेस के कई नेता, जो जम्मू-कश्मीर में भारत के प्रमुख घटक हैं, अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने और अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा दिए जाने के बाद भाजपा, अपनी पार्टी या डीपीएपी में शामिल हो गए। अपनी ओर से विपक्षी गुट अब तक जम्मू-कश्मीर में सीट-बंटवारा समझौता करने में विफल रहा है। एनसी ने घोषणा की है कि वह घाटी की सभी तीन सीटों - अनंतनाग, श्रीनगर और बारामूला - पर अपने उम्मीदवार उतारेगी, हालांकि पीडीपी चाहती है कि वह अनंतनाग को महबूबा के लिए छोड़ दे। 2019 के चुनावों में एनसी के मोहम्मद अकबर लोन ने जम्मू-कश्मीर पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के उम्मीदवार को 30,233 वोटों से हराकर बारामूला सीट जीती थी। लोन को 1,33,426 वोट मिले, जबकि निर्दलीय इंजीनियर रशीद को 1,02,168 और पीडीपी के अब्दुल कयूम वानी को 53,530 वोट मिले। अनंतनाग में तब नेकां के हसनैन मसूदी को 40,180 वोट मिले थे और उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के जी ए मीर को 6,676 वोटों से हराया था। महबूबा और भाजपा उम्मीदवार सोफी यूसुफ क्रमश- 30,524 वोट और 10,225 वोट पाकर तीसरे और चौथे स्थान पर रहे थे।

इस बीच, एनसी नेता और पूर्व सीएम उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को आरोप लगाया कि केंद्र लोकसभा चुनाव में एनसी को हराने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा रहा है, उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी चुनाव की तैयारी कर रही है। जम्मू-कश्मीर में तीसरे मोर्चे के गठन के बारे में पूछे जाने पर उमर ने कथित तौर पर मीडियाकर्मियों से कहा कि इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा क्योंकि इस तरह के प्रयास पहले भी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि हमने ऐसे गठबंधन पहले भी देखे हैं जब 1977 में शेख मुहम्मद अब्दुल्ला के खिलाफ सभी पार्टियां एक साथ आईं थीं। परिणाम सभी को पता है। इसलिए, चाहे वह %बी% टीम हो या सी टीम, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। वे इस बारे में जितनी जल्दी घोषणा करें उतना बेहतर होगा।% उमर ने कहा, हम इस परीक्षण के लिए तैयार हैं।

जवानों पर फिर लगा ग्रामीणों के साथ मारपीट का आरोप

जगदलपुर। नारायणपुर जिले के कोंगे पांगुर इलाके में सर्चिंग पर निकले डीआरजी जवानों के ऊपर एक बार फिर से ग्रामीणों के साथ मारपीट करने का आरोप लगा, जिसके बाद इसका एक वीडियो भी वायरल हो रहा।

मामले के बारे में बताया गया कि डीआरजी जवानों को सूचना मिली कि जंगल में नक्सलियों का टॉप लीडर आकर यहां पर बैठक ले रहा है, सूचना पर निकली टीम जैसे ही 20 मार्च को कोंगे पांगुर इलाके में पहुँची, वहां मौजूद ग्रामीणों ने जवानों को घेर लिया और बताया कि आदिवासी युवक सनकेर मेट्टामी छिंद का पत्ता तोड़ने के लिए जंगल जा रहा था, वहां पहले से ही डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड यानी डीआरजी के जवान मौजूद थे, उन्होंने सनकेर मेट्टामी को पकड़ लिया और उसका हाथ बांध दिया, इस बीच सनकेर मेट्टामी के मुंह में पत्ते ठूंसने की कोशिश भी की गई, जिससे कि वह जंगल में शोर ना मचा सके।

ग्रामीणों ने आरोप लगाते हुए बताया कि सनकेर मेट्टामी की पत्नी मिंगरी बाई जब अपने पति को छोड़ने की गुहार लगाने पहुंची तो डीआरजी जवानों ने उसकी भी पिटाई कर दी, जंगल में मारपीट के बीच पांगुर गांव की महिलाएं भी वहां पहुंच गई, उन्होंने भी आदिवासी युवक को पकड़ने का विरोध किया और जवानों से कारण पूछा तब उनकी भी पिटाई की गई, इस मारपीट का शिकार हुई जिम्मी बाई, बुली बाई नुरोटी और मर्रे बाई मेट्टामी ने कहा कि डीआरजी जवानों ने बिना कारण उनके साथ मारपीट की है। हालांकि ग्रामीणों के विरोध के चलते पुलिस ने सनकेर मेट्टामी को जंगल में ही

छोड़ दिया। इस मामले में नारायणपुर एसपी ने बताया कि जिस युवक के साथ मारपीट की बात कही जा रही है उसके पास से भरमार बंदूक बरामद की गई है जब आरोपी पुलिस अपने साथ ले जा रही तभी तभी ग्रामीणों ने इसका विरोध किया। जिसके दबाव के चलते पुलिस जवानों ने मिलिशिया सदस्य को वहीं छोड़ दिया था।

पुलिस चुन-चुनकर नक्सलियों का कर रही खात्मा

जगदलपुर। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले छत्तीसगढ़ सहित नक्सल प्रभावित राज्य संयुक्त रूप से नक्सल प्रभावित क्षेत्रों पर मॉनिटरिंग कर रहे हैं और इसका असर भी दिखाई देने लगा है। महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ की सीमा पर 36 लाख रुपए के 4 इनामी नक्सली मारे जा चुके हैं।

बता दें कि ये सभी तेलंगाना स्टेट कमेटी के नक्सली थे और छत्तीसगढ़ एवं महाराष्ट्र के अलग-अलग क्षेत्रों पर लोकसभा चुनाव के दौरान उत्पाद मचाने रणनीति बना रहे थे। दंतेवाड़ा में मुठभेड़ में 1 महिला और 1 पुरुष नक्सली मारा गए हैं। दंतेवाड़ा और बीजापुर जिले के सीमावर्ती क्षेत्र पुरंगेल में पुलिस का सर्च अभियान लगातार नक्सली प्रभावित क्षेत्रों में जारी है।

पहले चरण में छत्तीसगढ़ में बस्तर में मतदान होगा और यह मतदान पूरी तरह शांतिपूर्ण हो इसके लिए रणनीति के तहत पुलिस अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सीमाओं पर नजर बनाए हुए हैं और इंटेलिजेंस सजक हो रही है। इसके आधार पर माओवादी उन्मूलन के लिए अलग-अलग राज्यों में तैयार किए गए स्पेशल फोर्स एवं पैरामिलिट्री फोर्स के संयुक्त ऑपरेशन लगातार जारी हैं। साथ ही चुनावी प्रचार में जाने वाले नेताओं के लिए एरिया डोमिनेशन की तैयारी भी बस्तर पुलिस कर रही है। लोकतंत्र के विरोधी नक्सली अमूमन चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश करते हैं। यही वजह है कि इन दिनों नक्सलियों का उत्पात चरम पर चल रहा है। हालांकि, फ़ोर्स की मूवमेंट अधिक होने की वजह से नक्सलियों को भारी नुकसान उठानी पड़ रही है।

नक्सली संगठन में सक्रिय 5 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा। जिले में चलाये जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान पूना नर्कोम- नई सुबह, नई शुरूआत के तहत नक्सली संगठन में सक्रिय 5 नक्सलियों पोडियाम मासा पिता गंगा (बुर्कलंका आरपीसी मिलिशिया सदस्य) निवासी पामलूर थाना किस्टाराम, मड़कम हुंगा पिता मड़कम भीमा (बुर्कलंका आरपीसी मिलिशिया सदस्य) निवासी पामलूर थाना किस्टाराम, करतम मंगा पिता स्व. मुका (अरलमपल्ली आरपीसी मिलिशिया सदस्य) निवासी बुंगरूपारा थाना पोलमपल्ली, माड़वी भीमा पिता स्व. माड़वी देवा (अरलपमल्ली आरपीसी डीएकेएमएस सदस्य) निवासी अरलमपल्ली थाना किस्टाराम एवं वंजाम पाण्डू पिता स्व. कोसा (मिलिशिया सदस्य) निवासी आतुलपारा पोलमपल्ली थाना पोलमपल्ली के द्वारा शुक्रवार को नक्सल ऑपरेशन कार्यालय सुकमा में सुरेश सिंह, द्वितीय कमान अधिकारी सीआरपीएफ डीआईजी ऑफिस एवं परमेश्वर तिलकवार पुलिस अनुविभागीय अधिकारी के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है।

नक्सली पोडियाम मासा, मड़कम हुंगा, वंजाम पाण्डू को आत्मसमर्पण हेतु प्रोत्साहित कराने में जिला बल एवं करतम मंगा, माड़वी भीमा को आत्मसमर्पण हेतु प्रोत्साहित कराने में आरएफटी सीआरपीएफ सुकमा आसूचना शाखा का विशेष प्रयास रहा है। आत्मसमर्पित नक्सली वंजाम पाण्डू के विरूद्ध थाना दोरपापाल में अपराध क्रमांक 04/2004 धारा 346, 342, 34 भादवि. के तहत प्रकरण पंजीबद्ध है। सभी आत्मसमर्पित नक्सलियों को शासन की छत्तीसगढ़ नक्सलवाद उन्मूलन नीति के तहत सहायता राशि व अन्य सुविधायें प्रदाय कराये जायेंगे।

भाजपा-कांग्रेस के अपने-अपने दावे, लेकिन सच्चाई बिलकुल अलग

गरियाबंद। महासमुंद लोकसभा के चुनाव के महारण के लिए बिंद्रा नवागढ़ में भाजपा व कांग्रेस ने कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन कर जीत के लिए रणनीति बनाई। 15 साल बाद विधानसभा चुनाव में भाजपा के गढ़ में कांग्रेस की जीत से बड़े नेता मंच पर उत्साहित दिखे, तो इधर भाजपा में भी महिला वंदन और मोदी की गारंटी को लेकर जीत के प्रति प्रत्याशी से लेकर बड़े नेता आश्वस्त नजर आए। लेकिन दोनों पार्टियों के कार्यक्रम में दिखा नजारा आला कमान को सोचने में मजबूर कर देगी।

कुर्मीबासा में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में भाग लेने दोपहर 12 बजे ओडिसा के रास्ते लोकसभा प्रत्याशी ताम्रध्वज साहू देवभोग पहुंचे, तो कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। सम्मेलन में कांग्रेस नेताओं ने विधानसभा की तरह लोकसभा में भी जीत दिलाने के लक्ष्य के साथ काम करने की अपील की।

कांग्रेस नेता द्वारिकाधीश ने बिंद्रा नवागढ़ से 40 हजार मतों से बढ़त का दावा कर खल्लारी में भी ऐसी बढ़त बनाने का दावा किया। लेकिन सम्मेलन में सत्ता के समय दिखने वाले कई चेहरे नदारद रहे। यहां तक हजार लोगों की मौजूदगी का दावे के बीच 250-300 कार्यकर्ता ही जुटे थे।

वहीं दूसरी ओर भाजपा का विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में गोहरापदर में था, देवभोग दौरे के बाद भाजपा प्रत्याशी रूपकुमारी चौधरी गोहरापदर में आयोजित सम्मेलन में पहुंची, यहां राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, पूर्व विधायक डमरूधर पुजारी के साथ जिले-मंडल के कई बड़े पदाधिकारी मौजूद रहे। लेकिन इस सम्मेलन में सांसद चुन्नी लाल साहू, पूर्व सांसद चंदूलाल साहू, रामकुमार साहू, रामुराम जैसे कई बड़े नेता नहीं दिखे जो चर्चा का विषय बना रहा। इसके अलावा व्यापक प्रचार व पर्याप्त संसाधन के बावजूदबीड़ अपेक्षा से कम रही। सम्मेलन में सिहारलिटी, धारनीधोडा, गुरजीभांठा, डुमरपीटा के कांग्रेसी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भाजपा प्रवेश किया।

बस्तर में 4 उम्मीदवारों ने खरीदा नामांकन फॉर्म

27 मार्च को नॉमिनेशन अंतिम तिथि

जगदलपुर। सभी सियासी दल आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुटा हुआ हैं। पहले चरण का मतदान 19 अप्रैल को है। बस्तर लोकसभा क्षेत्र में पहले चरण में मतदान होना है। इस सीट पर कांग्रेस के अलावा सभी सियासी दलों ने अपने-अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। इस बीच शुक्रवार को 4 अलग-अलग पार्टी के उम्मीदवारों ने नामांकन फॉर्म खरीदा। इनमें बीजेपी, बसपा, सीपीआई सहित निर्दलीय प्रत्याशी शामिल हैं।

बस्तर सीट पर जीत कांग्रेस के लिए बड़ी चुनौती- दरअसल, बस्तर लोकसभा सीट अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए आरक्षित है। इस सीट पर पिछले लोकसभा चुनाव में पीसीसी चीफ दीपक बैज ने जीत हासिल की थी। दीपक बैज को विधानसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ा था। यही कारण है कि इस सीट पर अब कांग्रेस के लिए जीत हासिल आसान नहीं है। शायद इसलिए अब तक कांग्रेस इस सीट पर प्रत्याशी घोषित नहीं कर पाई है। वहीं, बीजेपी ने इस सीट से महेश कश्यप को उम्मीदवार बनाया है। बसपा ने आयतु राम मंडावी को टिकट दिया है। सीपीआई ने फुलसिंग कचलाम को अपना उम्मीदवार बनाया है। वहीं, सुंदर बघेल निर्दलीय उम्मीदवार हैं। इन चारों ने शुक्रवार को नामांकन फॉर्म खरीदा है।

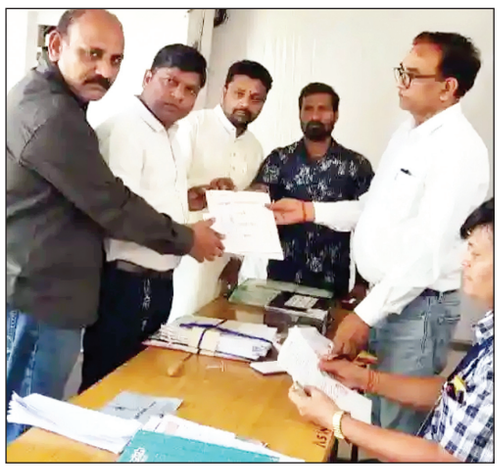

बता दें कि बस्तर लोकसभा सीट के लिए 20 मार्च को अधिसूचना जारी हुई। 27 मार्च को नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि है। 28 मार्च को नामांकन पत्रों की समीक्षा होगी। 30 मार्च को नाम वापसी की तिथि है। 19 अप्रैल को बस्तर लोकसभा सीट पर पहले चरण में मतदान होगा। 4 जून को मतगणना होगी। नक्सल प्रभावित क्षेत्र होने के कारण इस सीट पर पहले ही चुनाव संपन्न कराया जा रहा है। इस सीट पर सुरक्षा के भी सख्त इंतजाम किए गए हैं।

मतदान की तैयारियों में जुटा छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग

दुर्ग में पुलिस को दी गई स्ट्रांग रुम की सुरक्षा की ट्रेनिंग

भिलाई। लोकसभा चुनाव को बेहतर तरीके से संपन्न कराने के लिए राज्य निर्वाचन आयोग अपनी तैयारियों में जुट गया है। इसी कड़ी में दुर्ग के कला मंदिर में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के जरिए पुलिस के अधिकारियों और जवानों को ये बताना था कि चुनाव के दौरान कैसे काम करना है। निर्वाचन आयोग के निर्देशों का कैसे पालन करना है। ट्रेनिंग सेशन में दुर्ग आईजी राम गोपाल गर्ग और दुर्ग एसपी जितेंद्र शुक्ला भी मौजूद रहे।

निर्वाचन आयोग की कार्यशाला

चुनावों को निष्पक्ष तरीके से कराने के लिए दुर्ग पुलिस रेंज के अफसरों और जवानों को ट्रेनिंग में बताया गया कि कैसे स्ट्रांग रुम की सुरक्षा करनी है। चुनाव की तारीखों के दौरान कैसे फोर्स का डिप्लॉयमेंट किया जाना है। फोर्स की रोटेशन प्लानिंग क्या होगी और कैसे इसे किया जाएगा ये भी ट्रेनिंग के दौरान बताया गया। चुनाव की तारीखों से पहले जो केंद्रीय बल आएगा उसे कहां ठहराना है। इन तमाम बातों का कार्यशाला के जरिए बताया गया। अर्धसैनिक बलों के जो जवान आएंगे उनकी मूलभूत सुविधाओं का ख्याल भी कैसे रखा जाएगा ये भी ट्रेनिंग के दौरान बताया गयाय

आदर्श आचार संहिता लागू

आदर्श आचार संहिता लगने के बाद पुलिस का काम बढ़ गया है। पुलिस के जवान जहां चेकिंग अभियान में जुटे हैं वहीं बाहर से आने जाने वाली गाड़ियों पर भी नजर रखी जा रही है। चुनाव आयोग के सख्त निर्देश हैं कि चुनाव के दौरान किसी भी तरह की गड़बड़ी नहीं हो। पुलिस की टीमें दूसरे जिलों से लगने वाली सीमाओं पर भी चौकसी बरत रही है।

नवीन चिकित्सालय कक्ष का मुख्य न्यायाधीश ने किया उदघाटन

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के विस्तार भवन में नवीन चिकित्सालय कक्ष एवं बच्चों के झूलाघर का उदघाटन आज मुख्य न्यायाधीश श्री रमेश सिन्हा द्वारा किया गया। इस अवसर पर समस्त न्यायमूर्तिगण उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि मुख्य न्यायाधीश श्री रमेश सिन्हा नियमित रूप से उच्च न्यायालय और जिला न्यायालयों के भौतिक निरीक्षण करते रहे हैं तथा न्यायिक कार्य-व्यवस्था में सुधार एवं अधिकारियों, कर्मचारियों हेतु कार्य के बेहतर माहौल हेतु निरंतर प्रयासरत् रहे हैं। इसी कड़ी में आज उनके द्वारा नवीन चिकित्सालय कक्ष एवं बच्चों के झूलाघर का उदघाटन किया गया।नवीन चिकित्सालय कक्ष में चिकित्सकों की पदस्थापना के साथ ही प्राथमिक उपचार एवं दवाओं की सम्पूर्ण सुविधा उपलब्ध रहेगी।

मुख्य न्यायाधीश द्वारा नवीन साज-सज्जा एवं सुविधाओं के साथ बच्चों के वातानुकूलित झूलाघर का उद्घाटन किया गया, जिसमें अलग-अलग आयुवर्ग के बच्चों के खेलने

हेतु विभिन्न प्रकार के खिलौने रखे गये हैं। इसके साथ ही दीवारों पर बच्चों के लिए आकर्षक साज-सज्जा की गई है। पृथक से एक फीडिंग रूम तथा किचन स्थापित करते हुए बच्चों के लिए विभिन्न खाद्य सामग्री भी उपलब्ध करायी गयी है।

विदित हो कि बहुत से अभिभावक पति-पत्नि दोनो ही उच्च न्यायालय में अधिकारी-कर्मचारी या अधिवक्ता के रूप में कार्यरत् हैं, ऐसी स्थिति में सर्व-सुविधायुक्त झूलाघर होने से वे अपने बच्चों के संबंध में बिना किसी चिंता के अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर सकते हैं। इस अवसर पर रजिस्ट्रार जनरल और अन्य न्यायिक अधिकारीगण, ज्यूडिशियल एकेडमी के न्यायिक अधिकारीगण, रजिस्ट्री के अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

बिंदु तेलम का इंडियन वुमेंस लीग में चयन

बीजापुर। 24 से 30 मार्च तक कोलकाता में होने वाले इंडियन वुमेंस लीग फुटबॉल चैंपियनशिप के लिये भिलाई (छत्तीसगढ़) की एमजीएम अम्बुश क्लब टीम ने इंडियन वुमेंस लीग के लिए छत्तीसगढ़ से क्वालीफाई किया है। इस अकादमी की कोच कुमारी ज्योति यादव ने बताया कि विगत दिनों भिलाई में आयोजित छत्तीसगढ़ वुमेंस लीग में बीजापुर की बिंदु तेलम, ज्योति कुड़ियम, पिंकी कुड़ियम और जानकी कोरसा ने गर्ल्स फुटबॉल क्लब डौंडी की टीम से खेला था, टीम की ओर से बिंदु के शानदार प्रदर्शन की वजह से एमजीएम अम्बुश क्लब ने बिंदु का चयन अपनी टीम में किया है। पिछले वर्ष भी जिले के फुटबॉल खिलाड़ीयो ने नेशनल और खेलो इंडिया में अपना अच्छा प्रदर्शन कर जिले का मान बढ़ाया था। बिंदु तेलम का चयन इंडियन वुमेंस लीग में होने पर बीजापुर कलेक्टर अनुराग पाण्डे, सीईओ जिला पंचायत रमेश हेमंत नंदनवार बीजापुर स्पोर्ट्स अकादमी प्रभारी दिलीप उईके, कोच कुमारी ज्योति यादव एवं अन्य अधिकारियों व फुटबॉल प्रेमियों ने हर्ष व्यक्त किया।

होली के दिन हुडदंग करने वालों पर पुलिस की रहेगी पैनी नजर

जगदलपुर। होली के त्यौहार के पास आते ही पुलिस विभाग के द्वारा हुड़दंगियों पर पैनी नजर रखना शुरू कर दिया गया है। पुलिस जवानों की तैनाती के साथ ही शहर में लगे सीसीटीवी से भी शहर पर पूरी तरह से नजर रखी जा रही है। जिससे कि शांति व्यवस्था के साथ ही किसी भी प्रकार से कोई अप्रिय घटना ना हो सके। वही आचार संहिता को ध्यान में रखते हुए अगर तेज ध्वनि में भी डीजे बजाया जाता है तो उसे भी जब्त कर लिया जाएगा। अगर कोई होली पर हुड़दंग करता दिखता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा के मार्गदर्शन में आगामी लोकसभा चुनाव एवं होली त्यौहार के मद्देनजर शहर के समस्त पार्षद एवं गणमान्य नागरिक की उपस्थिति में मुख्य बिन्दु को ध्यान में रखते हुए शांति समिति की बैठक रखी गई। जिसमें अति पुलिस अधीक्षक माहेश्वर नाग, डीएसपी यातायात, थाना प्रभारी कोतवाली सुरेश कुमार जागड़े एवं थाना प्रभारी बोधघाट लीलाधर राठौर, शहर के एसडीएम, समस्त पार्षद, सभी धर्म प्रमुख उपस्थिति रहे।

हाईटेंशन लाइन के नीचे धड़ल्ले से चल रहा अवैध निर्माण

धरसींवा। रायपुर से लगे धरसींवा इलाके में हाईटेंशन विद्युत लाइन के नीचे सरकारी जमीन पर अवैध निर्माण का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। दर्जनों घटनाओं के बावजूद शासन प्रशासन की ओर से ठोस कदम न उठाएं जाने से गुरुवार को फिर एक हादसा हो गया। जिसमें एक मजदूर हाईटेंशन की चपेट में आने से बुरी तरह झुलस गया। सांकरा में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क और स्कूल की बाउंड्री के बीच की लगभग दस बारह फीट की सरकारी जमीन में हाईटेंशन तार के नीचे दो मंजिला पक्की दुकान का निर्माण चल रहा था। वहीं छत ढलाई की तैयारी के दौरान ही एक ठेका श्रमिक छत से लगभग एक फीट ऊपर मौजूद हाईटेंशन की चपेट में आ गया और बुरी तरह झुलस गया। गनीमत रही कि हाईटेंशन में लोहा टकराते ही तारों में विद्युत प्रवाह बंद हो गया। ठेकेदार गुपचुप तरीके से गंभीर रूप से झुलसे श्रमिक को उपचार के लिए अस्पताल में ले गया। इधर विद्युत विभाग सिलतरा डिवीजन के जेई का कहना है कि नोटिस देने के बाबजूद लोग हाईटेंशन के नीचे सरकारी जमीन पर निर्माण करते रहते हैं।

सीबीआई अफसर बनकर सत्यनारायण करता था ठगी

कोरबा। कोरबा में पुलिस न खुद को सीबीआई का अधिकारी बताकर लोगों के साथ ठगी करने वाले सत्यनारायण को गिरफ्तार किया है।

आरोपी कुलीपोटा थाना कोतवाली जांजगीर चांपा का रहने वाला है। सत्यनारायण रात्रे जांजगीर चापा का रहने वाला है जो कोरबा में किराए का मकान पर रहता है और दर्री थाना इलाके में लोगों को खुद को सीबीआई का अधिकारी बताकर धमकाता है। पूछताछ करने पर आई कार्ड में सेन्ट्रल ब्यूरो ऑफ इनवेस्टीगेश (भारत सरकार सत्यमेव जयते) नाम सत्या रात्रे एजेंट कोड नबर एच. क्यू 21228/6459 लिखा था। जिसे तस्दीक करने पर फर्जी आई कार्ड होना पाया गया। दर्री थाना पुलिस की माने तो युवक से पूछताछ की जा रही है, बताया जा रहा है कि पड़ोसी जिले में जांजगीर चांपा भी लोगों को ठगी का शिकार बनाया है, इस संबंध में पूछताछ की जा रही है। फिलहाल आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

कलेक्टर, एसपी ने मंदिरहसौद शाला का किया निरीक्षण

मंदिर हसौद। लोकसभा चुनाव के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियों तेज कर दी है। वहीं रायपुर जिला निर्वाचन अधिकारी और कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह और एसपी संतोष सिंह लगातार मतदान केंद्र के निरीक्षण कर रहे हैं। साथ ही स्कूल-आंगनबाड़ी और शासकीय जगहों का निरक्षण भी कर रहे हैं। इस दौरान उन्होंने मंदिरहसौद में स्थित स्वामी आत्मानंद मातृसदन उच्चतर माध्यमिक शाला पहुंचे। मौजूद स्कूली बच्चों से बातचीत की और कुछ प्रश्नोत्तरी भी किया। उन्होंने उपस्थित शिक्षिका और बच्चों से विषय के बारे में पूछा। बच्चे सोशल स्टडी में ज्योतिबा फूले का पाठ पढ़ रहे थे। इस दौरान कलेक्टर, एसएसपी ने बच्चों से ज्योतिबा फूले के बारे में प्रश्न पूछा और कुछ अतिरिक्त जानकारी भी साझा की। इसके बाद कलेक्टर डॉ. सिंह को बच्चों ने जीडीपी के बारे में बताया। उन्होंने शिक्षिका से कहा बच्चों को रोचक ढ़ंग से अध्ययन कराएं ताकि वे पाठ्यक्रम की अवधारणा समझते हुए पढ़ाई करें। इससे वे अधिक क्षमता से ग्राहय कर सकेंगे।

चरचा के स्वामी आत्मानंद स्कूल में छात्रों की पिटाई का आरोप

- 24 घंटे के अंदर कार्रवाई करने का मिला आश्वासन

कोरिया। स्वामी आत्मानंद विद्यालय चरचा में बच्चों की पिटाई का मामला सामने आया है। स्कूल के दो शिक्षकों पर आरोप है कि दोनों ने क्लासरूम में बच्चों को बुरी तरह से पीटा है।इस मामले की खास बात ये है कि शिक्षकों ने भी अपनी गलती कबूली है। शिक्षकों का कहना है कि कॉपी कंप्लीट ना होने और शोर मचाने पर छात्रों को दंडित किया गया था।लेकिन किसी भी छात्र को चोट नहीं पहुंचाई गई है। वहीं इस मामले में स्कूल की प्राचार्य के मुताबिक बच्चों को पीटने का एक मामला पिछले हफ्ते सामने आया था।जिस पर शिक्षक को हिदायत दी गई थी।लेकिन अब जो मामला सामने आया

है उसकी जानकारी उन्हें नहीं हैं।वहीं जिलाशिक्षाधिकारी ने कार्रवाई करने की बात कही है।

स्कूल में पिटाई होने के बाद आठवीं के छात्रों ने घर जाकर अपने परिजनों को इसकी जानकारी दी। बच्चों के हाथ पर चोट के निशान देखकर परिजन स्कूल पहुंचे। वहीं जब पालकों ने स्कूल की प्रिंसिपल से मामले की शिकायत की तो शिक्षकों ने अपनी गलती मानी। शिक्षकों का कहना है कि बच्चे की कॉपी कंप्लीट नहीं थी और क्लासरूम में शोर मचाया जा रहा था।इसलिए बच्चों को समझाने के लिए छड़ी से मारा गया है।लेकिन बलपूर्वक किसी भी बच्चे को नहीं पीटा गया है।वहीं जिलाशिक्षाधिकारी ने कड़ी कार्रवाई की बात कही है।

जिलाशिक्षाधिकारी जितेंद्र गुप्ता ने कहा छात्रों की पिटाई का मामला उनके संज्ञान में आया है।ऐसे में जांच की जाएगी। वहीं बच्चों की पिटाई और शारीरिक रूप से दंडित करने का अधिकार किसी को नहीं है। इस संबंध में 24 घंटे के अंदर जांच कर दोषी पाए जाने पर संलिप्त लोगों पर कठोर कार्रवाई होगी।

आपको बता दें कि इसी स्कूल में दो हफ्ते पहले बच्चों को पीटने का मामला सामने आया था। घटना की जानकारी होने पर प्रिंसिपल ने आरोपी शिक्षक को ऐसा कृत्य दोबारा नहीं करने की हिदायत दी थी।लेकिन एक बार फिर ऐसा मामला सामने आया है।इस बार पालकों ने प्रिंसिपल से शिकायत की। प्रिंसिपल ने इस मामले में जानकारी नहीं होने की बात कही है।

शेयर मार्केट से मालामाल बनने का टूटा सपना बिलासपुर में फर्जी कंपनी खोलकर करोड़ों की ठगी

बिलासपुर। शेयर मार्केट के जरिए अमीर बनाने का सपना दिखाकर ठगी करने वाले शख्स को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।आरोपी के पास से बड़ी संख्या में बैंकों के पासबुक, एटीएम और जरूरी दस्तावेज पुलिस ने बरामद किए हैं।आरोपी में न्यायधानी में लोगों के साथ अन्याय किया। शेयर मार्केट में पैसा लगाकर रकम दोगुनी करने का झांसा आरोपी ने अपने ही ग्राहकों को दिया। लेकिन लोगों की गाढ़ी कमाई को लूट लिया। लोगों का भरोसा जीतने के लिए आरोपी कुछ लोगों को लाभांश भी दे रहा था।

सिविल लाइन थाना क्षेत्र में साईं कृष्णा इन्वेस्टमेंट के नाम से विनायक कृष्णा रात्रे ने एक ऑफिस खोला था। इस ऑफिस के जरिए शेयर मार्केट में पैसा लगाने का काम विनायक रात्रे करता था।इस दौरान विनायक ने अपने ग्राहकों से कहा कि यदि वो उसके जरिए पैसा इन्वेस्ट करे तो 10 गुना मुनाफे के साथ हर महीने पैसे रिटर्न होंगे। लालच में आकर कई लोगों ने विनायक को पैसा देना शुरु किया।इस दौरान विनायक ने हर महीने लोगों को पैसे भी लौटाएं। आरोपी विनायक ने लोगों से पैसे लेकर उनके मोबाइल नंबर पर फर्जी हैंडल मैसेज किया करता था।जिसमें लोगों को पैसे बढ़े हुए दिखते थे।यही नहीं पैसा रोटेट करने के लिए लोगों को बैंकॉक,थाईलैंट और गोवा की ट्रिप भी आरोपी ने लोगों को ऑफर की थी।ताकि किसी को भी ये ना लगे कि पैसे गलत जगह इनवेस्ट किए हैं।लोगों की गाढ़ी कमाई से युवक लक्जरी लाइफ जी रहा था।उधर पैसा बढ़ने का झूठा सपना देख रहे लोगों को चूना लग रहा था।

एसपी रजनेश सिंह ने कहा आरोपी शेयर मार्केट में ब्रोकर का काम करता है।इसने गुमास्ता लाइसेंस से एक फर्जी कंपनी खोली।इसके बाद लोगों को अपने जाल में फंसाया।इसने करीब 15 करोड़ रुपए की ठगी की है।सभी के पैसों को प्रॉपर्टी और बिटकाइन में इनवेस्ट किया है। शिकायत मिलने के बाद एफआईआर की गई और आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

संक्षिप्त समाचार

नवोदित कवयित्री सुप्रिया शर्मा की पुस्तक कुछ हुआ इस तरह एकल काव्य संग्रह का हुआ विमोचन

रायपुर। जय जोहार साहित्यिक साँस्कृतिक संस्थान एवं वैभव प्रकाशन द्वारा आयोजित पुस्तक विमोचन समारोह में सुप्रिया शर्मा द्वारा लिखित कुछ हुआ इस तरह एकल काव्य संग्रह का विमोचन समारोह के मुख्य अतिथि साहित्यकार एवं संभागायुक्त डॉ संजय कुमार अलंग, कार्यक्रम अध्यक्ष वरिष्ठ साहित्यकार डॉ चितरंजन कर तथा विशिष्ट अतिथि प्रसिद्ध व्यंग्यकार डॉ गिरीश पंकज द्वार किया गया। साथ ही विमोचन समारोह में वरिष्ठ लेखिका रश्मिलता मिश्र ,शिक्षाविद डॉ जी. वी. राजशेखर राव, डॉ सुधीर शर्मा तथा डॉ सीमा निगम सभी की गरिमामयी उपस्थिति रही। कुछ हुआ इस तरह पुस्तक का प्रकाशन आदरणीय डॉ सुधीर शर्मा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस पुस्तक में देश-प्रेम,पर्यावरण, चंद्रयान-3 विश्व पटल पर भारत की अमिट छाप, नशा मुक्ति, शैक्षणिक एवं मानवीय संवेदनाओं का समागम है। कविताओं के माध्यम से जीवन की नकारात्मकता को छोड़कर सकारात्मकता की डगर पकड़ अपने लक्ष्य को ओर अग्रसर रहे यही प्रयास है। साथ ही समारोह में चार साँझा संकलन एवं 11 एकल पुस्तकों का विमोचन संपन्न हुआ।

छत्तीसगढ़ लोकसभा चुनाव में बसपा की एंट्री, दो सीटों पर जारी की पहली सूची

रायपुर। छत्तीसगढ़ लोकसभा चुनाव में अब बसपा की भी एंट्री हो चुकी है। बसपा ने छत्तीसगढ़ के लिए अपनी पहली सूची जारी कर दी है। चुनावी रण में बहुजन समाज पार्टी बीजेपी और कांग्रेस को टक्कर देगी। बसपा ने प्रदेश की दो लोकसभा सीटों पर अपने प्रत्याशियों को चुनावी समर में उतारा है। इसमें जांजगीर-चांपा लोकसभा सीट से रोहित कुमार डहरिया और बस्तर लोकसभा सीट से आयतु राम मांडवी चुनाव लड़ेंगे। ऐसे में अब इन दोनों सीटों पर रोमांचक लड़ाई देखने को मिलेगी। पहले चरण में 19 अप्रैल को बस्तर लोकसभा सीट पर मतदान होगा। इसके बाद तीसरे चरण में 7 मई को जांजगीर-चांपा लोकसभा सीट पर वोटिंग होगी।

आशुतोष बने बस्तर लोकसभा क्षेत्र के व्यय प्रेक्षक, ली मॉनिटरिंग दलों की बैठक

रायपुर। भारत निर्वाचन आयोग लोकसभा चुनाव को लेकर पूरी तैयारी में लगा हुआ है। इसी क्रम में आयोग ने बस्तर लोकसभा क्षेत्र के लिए भारतीय राजस्व सेवा के वर्ष 2009 बैच के अधिकारी आशुतोष प्रधान को व्यय प्रेक्षक नियुक्त है। इस कड़ी में व्यय प्रेक्षक आशुतोष प्रधान ने बस्तर लोकसभा क्षेत्र पहुंचकर जगदलपुर में निर्वाचन व्यय लेखा मॉनिटरिंग दलों की बैठक ली। जरूरी दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने अंतरराज्यीय सीमाओं में विशेष चौकसी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बस्तर जिला पंचायत कार्यालय में स्थापित निर्वाचन व्यय लेखा सेल, विभिन्न निगरानी टीमों और मीडिया प्रमाणन एवं अनुवीक्षण समिति के मीडिया सेंटर का अवलोकन कर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

कलेक्टर ने किया कार्यालयों का औचक निरीक्षण, कई को कारण बताओ नोटिस

रायपुर। रायपुर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कलेक्ट्रेट कार्यालय और संबंधित कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया। कार्यालयीन समय पर अनुपस्थित मिले अधिकारियों और कर्मचारियों का एक दिन का असाधारण अवकाश घोषित करते हुए वेतन काटने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी-कर्मचारी समय पर कार्यालय आएं और जनहित के कामों को प्राथमिकता से करें। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि इस तरह से दोबारा हरकत करने वाले अधिकारी-कर्मचारी फिर से कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर गौरव सिंह लगभग 10 बजे जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय और जिला मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय पहुंचे। वहां कर्मचारियों की उपस्थिति देखी। वहां कर्मचारी अनुपस्थित पाए जाने पर वहां की पंजी अपने साथ ले आएं। साथ ही कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने जिला शिक्षा अधिकारी और जिला मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी किया। उन्होंने कृषि कार्यालय और कलेक्ट्रेट के विभिन्न कार्यालयों का भी निरीक्षण किया।

सीजीपीएससी प्रीलिम्स के परिणाम घोषित, 3597 अभ्यर्थियों का चयन

रायपुर। सीजीपीएससी प्रारंभिक परीक्षा के परिणाम घोषित कर दिए हैं।इस बार खास बात ये है कि यूपीएससी की तर्ज पर परिणामों की घोषणा की गई है।छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग ने राज्य सेवा परीक्षा 2023 के अंतर्गत पहले चरण में 11 फरवरी 2024 को परीक्षा ली थी।जो उम्मीदवार प्रारंभिक परीक्षा में शामिल हुए थे वो अपना नाम, रोल नंबर सफल घोषित उम्मीदवारों की सूची में देखने के लिए आयोग की आधिकारिक वेबसाइट psc.cg.gov.in पर विजिट कर सकते हैं।परीक्षा में प्रदर्शन के आधार पर अगले चरण यानी मुख्य परीक्षा में शामिल होने के लिए 3597 उम्मीदवारों की सूची भी विभाग ने जारी की है। आपको बता दें कि सीजीपीएससी ने राज्य सेवा परीक्षा 2023 के 17 सेवाओं के लिए आवेदन मंगवाए थे।17 सेवाओं में कुल 242 पदों के लिए भर्ती ली गई।

कांग्रेस ने दोनों हाथों से छत्तीसगढ़ को लूटा : अरुण साव

■ **कांग्रेस की दूसरी सूची जारी नहीं होने पर डिप्टी सीएम अरुण साव का तंज, कहा- नहीं मिल रहे हैं प्रत्याशी**

रायपुर। कांग्रेस की दूसरी सूची जारी नहीं होने पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि कांग्रेस दिशाहीन और अनिर्णय की स्थिति में है। जनता कांग्रेस से दूर जा चुकी है, उनके नेतृत्व पर भरोसा नहीं है। कांग्रेस की धोखा देने की और भ्रष्टाचार करने की नियत रही है। कांग्रेस ने 5 सालों में छत्तीसगढ़ में जनता की दुर्दशा की, इसलिए कांग्रेस को प्रत्याशी नहीं मिल रहे हैं। कांग्रेस की टिकट पर कोई लड़ने को तैयार नहीं है।

वहीं कांग्रेस प्रत्याशी के बीजेपी को रावण कहे जाने पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस का चरित्र हमेशा से उजागर हुआ है। भगवान राम के मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह का निमंत्रण ठुकराया। इनसे बड़े राम विरोधी हो नहीं सकते। राम के ननिहाल के लोग इन्हें सबक सिखाएंगे। 5 साल ये खुद अहंकार में डूबे थे, उनका चरित्र वैसा ही है, जैसा वह बोल रहे हैं।

वहीं राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी भूपेश बघेल का उनके ही पार्टी में हो रहे विरोध पर अरुण साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ की जनता ने यह साबित किया कि भूपेश है तो एक छलावा है। कांग्रेस सरकार ने 5 साल में छत्तीसगढ़ की जो दुर्दशा की। छत्तीसगढ़ को दोनों हाथों से लूटा। छत्तीसगढ़ को अपराध का गढ़ बनाया, छत्तीसगढ की जनता से कोई सरोकार नहीं रखा। 5 साल बाद आज वही बातें निकालकर बाहर आ रही हैं। कांग्रेस के लोग भी यह कह रहे हैं कि भरोसा नहीं, वो छलावा था।

बस्तर और राजनांदगांव कोई चुनौती नहीं

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के बस्तर और राजनांदगांव दौरे पर डिप्टी सीएम कहा कि बीजेपी हर चुनाव को गंभीरता से लेती है। हमारी जो ताकत और क्षमता है, उसका उपयोग हम करते हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री सभी 90 विधानसभा में जाएंगे, सभी 11 लोकसभा में जाएंगे, प्रदेश के हमारे बाकी नेतागण लगातार प्रवास कर रहे हैं, बस्तर और राजनांदगांव कोई चुनौती नहीं है। बस्तर के जो सांसद हैं, कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हैं। हमारे मंडल अध्यक्ष ने विधानसभा चुनाव में उन्हें हराया। राजनांदगांव से भूपेश बघेल की उम्मीदवारी का जनता भी विरोध कर रही है, कांग्रेसी भी विरोध कर रहे हैं। राजनांदगांव में फिर कमल खिलेगा, हमारे प्रत्याशी संतोष पांडे भारी बहुमत से जीतेंगे।

डरी हुई घबराई हुई है कांग्रेस

कांग्रेस द्वारा बीजेपी पर आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायत निर्वाचन आयोग से करने पर डिप्टी सीएम अरुण साव ने कहा कि निर्वाचन आयोग नियमानुसार अपनी कार्यवाही कर रही है। आज कांग्रेस पार्टी डरी हुई है, घबराई हुई है। शिकायत करने के आरोप लगाने के अलावा उनके पास कोई काम नहीं है।

जो जैसा करेगा, वैसा भरेगा

दिल्ली मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी डिप्टी सीएम अरुण साव ने कहा कि इंडिया गठबंधन बना तब से पूरा देश मानता था कि भ्रष्टाचारियों का एकत्रीकरण हुआ है। परिवारवादी पार्टियों और भ्रष्टाचार में लिप्त लोग इकट्ठे हुए हैं। आम आदमी पार्टी के मुख्यमंत्री और सांसद जेल में है। भ्रष्टाचार में आम आदमी पार्टी के लोग लिप्त रहे हैं। जेल में है। उनकी जमानत नहीं हो रही है। ईमानदारी के ठेकेदार बनते थे। एजेंसियां साक्ष्य के आधार पर काम कर रही है। जो जैसा करेगा, वैसा भरेगा। यह दिख रहा है।

कांग्रेस में अंतर्कलह और लेटर बम का सिलसिला जारी, अरुण सिसोदिया ने लगाया भूपेश पर आरोप

राजनांदगांव। कांग्रेस में अंतर्कलह और लेटर बम का सिलसिला लगातार जारी है। कई कांग्रेस नेता सुरेंद्र दास वैष्णव के साथ उनके समर्थन में खड़े होते नजर आ रहे हैं। इसी कड़ी में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व महामंत्री व अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य अरुण सिसोदिया ने भी लेटर लिखकर पूर्व मुख्यमंत्री पर 5 करोड़ 89 लाख रुपये षडयंत्र पूर्वक गबन करने का आरोप लगाया है। शुक्रवार को अरुण सिसोदिया सुरेंद्र दास वैष्णव से मिलने राजनांदगांव भी पहुंचे। अरुण सिसोदिया ने सुरेंद्र से उनके घर पर जाकर मुलाकात की और चर्चा की। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व महामंत्री व अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य अरुण सिसोदिया ने प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज को पत्र लिखा है कि छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी में कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल द्वारा अपने मित्र और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के राजनितिक सलाहकार विनोद वर्मा के बेटे की कंपनी टेसू मीडिया लैब गाजियाबाद को 5 करोड़ 89 लाख रुपये बिना प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम व प्रभारी महामंत्री की जानकारी व अनुमति के भुगतान किए गए। जबकि कोषाध्यक्ष को कार्यादेश जारी करने अनुमति नहीं और पार्टी बायलोज के अनुसार प्रदेश कार्यकारणी में प्रस्ताव लाकर पास करना आवश्यक है और प्रदेश अध्यक्ष के नोट शीट एप्रूवल लिया जाना जरूरी है। अरुण सिसोदिया ने कहा कि सुरेंद्र दास कार्यकर्ता हैं उनके साथ जो बढ़ता हुआ एक सभा के दौरान वह बिल्कुल अस्वीकार्य है, यदि कोई सभा में कोई नेता अपनी बात रखता है तो उसका समाधान करना चाहिए न कि उसमें व्यवधान उत्पन्न करना चाहिए। सुरेंद्र दास ने जो आरोप लगाया वह आप नहीं एक प्रकार से प्रमाण है। ब्लॉक अध्यक्ष व जिला अध्यक्ष को 5-10 हजार मासिक सगठन के कार्य करने नहीं दिया गया पर अपने परिवार के लोगों को एक कमरे में बैटकर कार्यादेश व गवाह निजी लोगों को बनाकर भुगतान कर दिया गया। साथ ही जो रकम 10 लाख 6 लाख व 3 लाख यानि 19 लाख प्रति माह मुगतान किया गया वो वर्तमान में 10 गुना है, यानि प्रतिमाह 20 लोगों की टीम तीन लाख में कार्य कर रही है।

भूपेश बघेल के खिलाफ मोर्चा खोलने वाले सुरेंद्र दास को मिली सुरक्षा

राजनांदगांव। राजनांदगांव के कांग्रेस प्रत्याशी व पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के खिलाफ मोर्चा खोलने वाले पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष सुरेन्द्र दास वैष्णव अब पुलिस के पहरे में रहेंगे। राजनीतिक खतरा बताकर सुरेन्द्र ने खुद एसपी मोहित गर्ग को आवेदन देकर सुरक्षा मुहैया कराने की मांग की थी।

बताया जा रहा है कि दो जवानों को सुरेन्द्र वैष्णव की सुरक्षा की जिम्मेदारी दी गई है। पॉलिटिकिल थ्रेड की आशंका के चलते पुलिस ने आवेदन के बाद सुरेन्द्र को सुरक्षा प्रदान कर दी है। शहर के एक रिहायशी कालोनी में रहने वाले कांग्रेस नेता के घर और उनके बाहर जाने के दौरान सुरक्षा दी जाएगी।

राजनांदगांव सीएसपी पुष्पेन्द्र नायक ने बताया कि आलाधिकारियों के निर्देश पर दो सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है। कांग्रेस नेता ने सुरक्षा प्रदान करने की मांग की थी। एक जानकारी के मुताबिक वैष्णव ने अपने परिचितों और पारिवारिक सदस्यों की सलाह पर पुलिस से सुरक्षा मुहैया कराने के लिए आवेदन किया था। कांग्रेस उम्मीदवार भूपेश बघेल के खिलाफ सुरेन्द्र वैष्णव आरपार की लड़ाई लड़ रहे हैं। विरोध के कारण वह सुर्खियों में है। वैष्णव ने सुरक्षा के संबंध में बताया कि करीबियों और परिवार के सदस्यों ने मौजूदा राजनीतिक माहौल के मद्देनजर पुलिस से सुरक्षा मांगने की सलाह दी थी। पुलिस ने सुरक्षा प्रदान कर दिया है।

सोशल मीडिया में है परिणाम बदलने की क्षमता : बृजमोहन

रायपुर। बीजेपी आईटी सेल ने रायपुर के एक कॉलेज में सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर्स मीट 2024 का आयोजन किया गया। इसमें रायपुर लोकसभा में रहने वाले सभी सोशल मीडिया इनफ्लूएंसर्स शामिल हुए। इस मीट में छत्तीसगढ़ के मंत्री और रायपुर लोकसभा से बीजेपी प्रत्याशी बृजमोहन अग्रवाल ने भी शिरकत की। उन्होंने उपस्थित सोशल मीडिया के प्रभावी चेहरों से सीधा संवाद किया। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ लोग सोशल मीडिया को आभासी दुनिया मानते थे, लेकिन वास्तव में ये एक दमदार प्रभावी दुनिया है। आज सोशल मीडिया में परिणाम बदलने और समकालीन विषयों पर एजेंडा सेट करने की ताकत है।

उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी को भारत के सबसे बड़े सोशल मीडिया इंफ्लूएसर्स की रूप में देखना कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। वे लगातार सोशल मीडिया के माध्यम से तात्कालिक विषयों पर प्रतिक्रिया देते हैं। संदेश प्रचारित करते हैं। उनकी ओर से कुछ नया करना सोशल मीडिया में ट्रेंड बन जाता है। युवाओं से सीधे जुड़ने के लिए वे सोशल मीडिया में लगातार सक्रिय रहते हैं। आज हैज टैग का जमाना है। प्रधानमंत्री की ओर से किसी हैज टैग को पर कुछ लिखना ट्रेंड बन जाता है। भारत को विकसित भारत बनाने में सोशल मीडिया का बड़ा योगदान साबित होगा। डिजिटल माध्यम भारत को नए भारत में बदलने में सहयोग प्रदान करेगा। मै रायपुर लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी होने के नाते आप सभी से ना सिर्फ रूबरू होने आया था लेकिन आप सभी से अपील भी करता हूं की समृद्ध भारत , विकसित भारत और सुदृण भारत के निर्माण में आप सभी अपना योगदान दें और अपनी पोस्ट , ब्लॉग और सोशल मीडिया कंटेंट के माध्यम से अधिक से अधिक मतदान करने के लिए जागृत करें।

रायपुर लोकसभा से सांसद सुनील सोनी ने कहा की सोशल मीडिया की ताकत कमतर नहीं आंकी जा सकती। इसका प्रमाण 2014 लोकसभा के नतीजे हैं। सोशल मीडिया की ताकत से देश में एक स्थाई सरकार का निर्माण हुआ। साल 2014 के चुनाव में सोशल मीडिया के माध्यम से परिवर्तन की लहर चली , लोगों के भीतर राष्ट्रवाद की अलख जगाने में सोशल मीडिया की अहम भूमिका रही जिसके नतीजे यह हुए की भारत में एक राष्ट्रवादी भाजपा सरकार का निर्माण हुआ।

धरसीवां विधायक अनुज शर्मा ने कहा कि एक जमाना था जब बुजुर्ग कहा करते थे की नाचन, गाने से पेट नहीं भरता को आधुनिक युग में बदल कर रख दिया है। आज सोशल मीडिया इस मिथक को तोड़ दिया है और देशभर के लाखों युवा आज सोशल मीडिया के माध्यम से अपना और अपने परिवार का भरण पोषण कर रहे हैं। इसका जीवंत उदाहरण मैं भी मेरी निजी आय का बड़ा स्त्रोत सोशल मीडिया है। किसी आईटी कंपनी से मिलने वाले पैकेज से भी ज्यादा की आय मुझे सोशल मीडिया के माध्यम से मिलती है। आप सभी से मैं कहना चाहता हूं की मस्ती मजाक मनोरंजन के अलावा सोशल मीडिया आज इतना ताकतवर हो चुका है की समाज की दशा दिशा निर्धारित करने की ताकत रखता है।

चुनाव में कांग्रेस का बैंक खाता जब्त करना अलोकतांत्रिक : दीपक बैज

■ **बोले- सत्ता बचाने का कुत्सित प्रयास कर रही भाजपा**

रायपुर। छत्तीसगढ़ कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज बीजेपी और केंद्र सरकार पर जमकर बरसे। भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि अधिनायकवादी मोदी सरकार ने पहले कांग्रेस की चुनी हुई सरकारों को गिराया फिर डर और लालच से नेताओं की खरीद फरोख्त की। जब नेता नहीं झुके तो उनके ऊपर ईडी, आईटी और सीबीआई जैसे जांच एजेंसियों का अंकुश लगाया। आचार संहिता लगने के बाद कांग्रेस को आर्थिक रूप से चोट पहुंचाने के लिए आयकर विभाग का दुरुपयोग कर रही है। 30 साल पुराने आधारहीन मामले का पार्टी के बैंक खातों को जब्त करना अलोकतांत्रिक है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि तानाशाही मोदी सरकार धनबल और केंद्रीय एजेंसी के दुरुपयोग से विपक्ष को डराने और लोकतंत्र को खत्म करने पर आमादा है। मोदी सरकार लोकतंत्र विरोधी षड्यंत्र करके विपक्षी दलों के सीमित संसाधनों को भी छीनने का काम कर रही है। कांग्रेस की पिछली सरकारों ने 70 सालों से निष्पक्ष चुनाव और स्वस्थ लोकतंत्र की जो छवि बनाई थी, लेकिन केंद्र की मोदी सरकार और वर्तमान भारतीय जनता पार्टी का नेतृत्व उसके खिलाफ काम कर रही है। भाजपा ने विपक्षी दलों से साधन, संसाधन छीनकर एकाधिकार स्थापित करने का षड्यंत्र रचा है।

बैज ने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट ने जिस चुनावी बॉन्ड स्कैम को गैरकानूनी और असंवैधानिक करार दिया है। उसमें मोदी सरकार और भारतीय जनता पार्टी की बदनीयती उजागर हुई है, जो तथ्य सामने आए हैं जो बेहद चिंताजनक है। शर्मनाक है देश के जांच एजेंसियों ईडी, आईटी को हफ्ता वसूली गैंग के रूप में संचालित किया जाना।

ब्लैकमेलिंग और रिश्वतखोरी के स्पष्ट प्रमाण के बावजूद बड़ी बेशर्मी से साजिश करके मुख्य विपक्षी दल का बैंक खाता फ्रीज कर देना निंदनीय है। डरी हुई मोदी सरकार कांग्रेस के बैंक खातों को जब्त करके यह चाहती है की पैसों के अभाव में बराबरी से चुनाव ना लड़ पाए और इसके लिए आयकर विभाग के माध्यम से बाधा डाला जा रहा है।

भाजपा को अपने नेताओं पर भरोसा नहीं, दूसरे दलों के लोगों को पार्टी में करा रहे शामिल : कांग्रेस

रायपुर। कांग्रेस के दो बार के पूर्व विधायक के बेटे समेत बड़ी संख्या में लोगों ने पिछले दिनों बीजेपी में प्रवेश किया। इस मामले में प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने बीजेपी पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि भाजपा को अपने नेताओं और कार्यकर्ताओं के ऊपर भरोसा नहीं है, इसीलिए उसे दूसरे दलों के लोगों को पार्टी में शामिल कराना पड़ रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा कार्यकर्ता भी मोदी सरकार से खुश नहीं हैं। मोदी सरकार की वादाखिलाफी, जुमालाबाजी, ड्रामेबाजी और मन की बात से हताश और परेशान हैं। भाजपा खुद को विश्व की सबसे बड़ी पार्टी होने का ढिंढोरा पीटती थी, आज उनकी हालत खस्ता है। भाजपा के नेता और कार्यकर्ता देख रहे हैं कि कैसे दूसरे दल के लोग भाजपा में आते हैं और राज्यसभा के सदस्य बन जाते हैं। लोकसभा विधानसभा की टिकट ले लेते हैं। केंद्र सरकार में मंत्री, मुख्यमंत्री और राज्यपाल बन जाते हैं। वहीं बीजेपी के विचारधारा से वर्षों से जुड़े नेता और कार्यकर्ता मुंह ताकते रहते हैं।

प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता ठाकुर ने कहा कि भाजपा के बड़े नेता सोशल मीडिया में भाषणों में लाख मोदी सरकार के पक्ष में कसीदे पढ़े, लेकिन सच्चाई भाजपा के कार्यकर्ता महसूस कर रहे हैं और देख भी रहे है कि मोदी सरकार बनने के बाद देश में महंगाई, बेरोजगारी बढ़ गई है। अच्छे दिन का वादा पूरा नहीं हुआ है। 15-15 लाख कब खाता में आएंगे, 2 करोड़ रोजगार कब मिलेगा, किसानो की आमदनी दोगुनी कब होगी? भ्रष्टाचार कब खत्म होगा? जैसे वादे पूरे नहीं हुए। खाद्य सामग्री, पुस्तक, कॉपी और दवाइयों के रेट आसमान छू रहे हैं।

सचिन पायलट का दावा केंद्र में बनेगी कांग्रेस की सरकार

■ **पीएम मोदी पर देश में अराजकता फैलाने का आरोप**

जांजगीर चांपा। छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रभारी सचिन पायलट ने लोकसभा चुनाव के मद्देनजर जांजगीर चांपा लोकसभा का दौरा किया।इस दौरान सचिन पायलट ने कार्यकर्ताओं में जोश भरा। सचिन पायलट के साथ इस दौरान नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत, पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज, लोकसभा के प्रत्याशी शिव डहरिया समेत आठ विधायक मौजूद थे।

केंद्र सरकार ने देश में फैलाई अराजकता = छत्तीसगढ़ कांग्रेस कमेटी के प्रभारी सचिन पायलट ने कार्यकर्ता सम्मेलन में छत्तीसगढ़ की कई सीटों पर जीत का दावा किया।साथ ही साथ देश में बहुमत के साथ सरकार बनाने की बात कही। सचिन पायलट ने आरोप लगाए कि बीजेपी ने पूरे देश में अराजकता फैलाने का काम किया है। केंद्र सरकार केंद्रीय जांच एजेंसियों का दुरुपयोग करके कांग्रेस के नेताओं को परेशान कर रही है।कई नेताओं के बैंक अकाउंट सीज कर दिए गए हैं। इन सभी मामलों पर निर्वाचन आयोग ने चुप्पी साध रखी है। यदि निर्वाचन आयोग निष्पक्ष चुनाव कराना चाहती है तो मामलों को संज्ञान में लेकर दखल देना चाहिए।

किसी भी प्रत्याशी को नहीं बदला जाएगा = सचिन पायलेट ने कहा कि छत्तीसगढ़ के सीटों पर पार्टी का विशेष ध्यान है। इसलिए 6 प्रत्याशियों की घोषणा के बाद अब 5 सीटों के भी प्रत्याशियों की घोषणा की जाएगी। जितने भी प्रत्याशियों की घोषणा हुई है सभी चुनाव जीतने वाले प्रत्याशी हैं।किसी भी प्रत्याशी को बदला नहीं जाएगा।इस दौरान सचिन पायलट ने कहा कि बीजेपी को अब लोकसभा चुनाव में हार का डर सता रहा है।

सचिन पायलट ने कहा नरेंद्र मोदी की 10 साल की सरकार ने भारत की अर्थव्यवस्था बिगाड़ी है। हार के डर के कारण कांग्रेस के साथ छोटे राजनीतिक दलों को तोड़ने की कोशिश जारी है। इंडिया गठबंधन से बीजेपी डरी हुई है।

इस दौरान सचिन पायलट ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को चुनाव जीतने का गुरुमंत्र दिया।साथ ही साथ अति उत्साहित होकर सक्रियता कम नहीं करने की बात कही।सचिन पायलट ने छत्तीसगढ़ में हुए विधानसभा चुनाव और परिणाम का आत्मचिंतन करने की बात कही। इस दौरान सचिन पायलट ने जांजगीर चांपा लोकसभा क्षेत्र में 8 विधायकों की जीत का असर आने वाले चुनाव में दिखने की बात कही।

झारखंड में जो हुआ, वही फिर दिल्ली में किया जा रहा है

बिलासपुर। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी की निंदा करते हुए छत्तीसगढ़ के कांग्रेस प्रभारी और राष्ट्रीय महासचिव राजेश पायलट ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि चुने हुए मुख्यमंत्री को रात के अंधेरे में गिरफ्तार कर लिया गया। झारखंड में जो हुआ, वही फिर दिल्ली में किया जा रहा है आगे न जाने कहां-कहां ऐसा होगा। कांग्रेस के बैंक खाता फ्रीज कर दिए गए हैं। कांग्रेस को आयकर की नोटिस देकर प्रतिशोध की भावना से कार्रवाई की गई है। सबसे बड़े विपक्षी दल पर अंकुश लगाकर लोकतंत्र को कमजोर किया जा रहा है।

उन्होंने सवाल किया कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को भाजपा सही तरह से चलने का इरादा रखती भी है या नहीं? पायलट ने कहा कि चुनाव आयोग को इन सब घटनाओं पर तत्काल संज्ञान लेना चाहिए। पायलट ने कहा कि प्रदेश की सभी 11 सीटों पर अप्रत्याशित नतीजे आएंगे। कांग्रेस को अब तक जितनी सीट नहीं मिल पाई उससे अधिक इस बार मिलेगी। भाजपा 400 पार का नारा दे रही है, लेकिन उसकी सीटें इस बार घटने वाली है। पत्रकारों से बातचीत के बाद वे रायपुर रवाना हो गए। पत्रकार वार्ता में नेता प्रतिपक्ष डॉ चरण दास महंत, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज और सह प्रभारी विजय जांगिड़ भी मौजूद थे।

लोकसभा चुनाव पर एआई का असर?

31 मार्च 2023 को अमेरिकी की गैंड ज्यूरी ने डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ आरोप तय कर दिए थे। इसके बाद ही एक वीडियो वायरल हो गया जिसमें राष्ट्रपति जो बाइडेन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस व्हाइट हाउस में इस घटना का जश्न मनाते दिखाए गए थे। इस वीडियो को अगर गौर से देखने पर कमला हैरिस के हाथों में छह ऊंगलियां नजर आई। हाथ का ऊपरी हिस्सा भी गायब नजर आया। दरअसल, उस दिन राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति दोनों ही व्हाइट हाउस में मौजूद नहीं थे। ये फेक तस्वीरें लाखों लोगों को भेजी गई। आप कह रहे होंगे विदेशी बात है हमें इससे क्या। लेकिन दुनिया के सबसे बड़े चुनावी उत्सव का बिगुल बजते ही राजनीति पार्टियों की ओर से बड़े स्तर पर सोशल मीडिया का प्रयोग तो हो ही रहा है। इसके साथ ही इस बार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस भी बड़ा फैक्टर साबित होने जा रहा है। लेकिन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर चुनौतियां भी कम नहीं है। फेक न्यूज और गलत जानकारी भी इस तकनीक के जरिए तेजी से फैल सकती है। डीपफेक भी एक तरह से एआई का ही रूप है। इंटरनेट पर कई ऐसे टूल्स मौजूद हैं जिनकी मदद से किसी की भी आवाज और हाव भाव का क्लोन तैयार किया जा सकता है। फर्जी ऑडियो या वीडियो बनाया जा सकता है। अपनी सहूलियत के हिसाब से किसी की भी इमेज बनाने या बिगाड़ने में इस्तेमाल किया जा सकता है। अगर राजनीति में किसी खास उम्मीदवार या पार्टी के पक्ष में माहौल बनाने के लिए एआई को लगाया जाए तो एआई विरोधी पक्ष को कमजोर करने के लिए टारगेटेड ग्रुप के बीच उसी तरह के संदेश भेजना शुरू कर देगा। इसके साथ ही ऐसे तरीके भी अपनाए जा सकते हैं जिसके बारे में इंसानी दिमाग सोच भी नहीं सकता। जैसे-जैसे लोकसभा चुनावों के लिए युद्ध का मैदान गर्म होता जा रहा है, राजनीतिक दलों को अपने शस्त्रागार में एक नया हथियार मिल गया है- फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब और एक्स जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर सामग्री साझा करना जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के माध्यम से उत्पन्न होते हैं या तो अपने स्वयं के प्रचार के लिए। उम्मीदवार या विरोधियों का उपहास करते हैं और मतदाताओं को लक्षित वैयक्तिकृत संदेश भेजते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इस चुनाव में एआई का उपयोग अभूतपूर्व पैमाने पर किया जाएगा -और संभवत: 2014 के चुनावों में सोशल मीडिया की तरह एक निर्णायक कारक होगा - हालांकि मतदाताओं की राय बनाने में विघटनकारी तकनीक का प्रभाव देखा जाना बाकी है। अमेरिका में सीनेट की खुफिया और नियम समिति के सदस्य सीनेटर वेनेट ने व्हाट्सअप और फेसबुक के मालिकाना हक वाली कंपनी मेटा से पूछा है कि भारत के चुनावों में डीपफेक के इस्तेमाल से सोशल मीडिया में फर्जी और झूठी सामग्री के प्रसार को रोकने के लिए उनकी क्या तैयारी है? इससे साफ है कि एआई के सप्लीमेंट्स से सोशल मीडिया में ऑडियो-विडियो और डिजिटल कंटेंट का प्रसार करने के साथ पार्टियां इसका ध्रुवीकरण के लिए इस्तेमाल कर सकती है। वहीं, मेटा ने भारत में आम चुनावों के दौरान किसी भी गलत सूचना और एआई कंटेंट के दुरुपयोग पर रोक लगाने का संकल्प लिया है। चुनाव में वट्सऐप जैसे मेसेजिंग मंच और सोशल मीडिया एन्फ्लूएंसर्स का सहारा तो लिया ही जाएगा, एआई से ज्यादा लोगों तक पहुंचने का प्रयास भी होगा। चुनाव में प्रमुख पार्टियों को पूरे देश में प्रचार करना पड़ता है। दक्षिण भारत जैसे राज्यों में जव उत्तर भारत के नेता प्रचार करते हैं तो उनके भाषणों को अलग-अलग भाषाओं में बदलने के लिए एआई का इस्तेमाल किया जाएगा। पाकिस्तान में हाल ही में आम चुनाव संपन्न हुए है और पड़ोसी देश में भी आम चुनाव में एआई का इस्तेमाल देखने को भी मिला था। विशेषज्ञों ने मतदाताओं की धारणा को प्रभावित करने के लिए एआई-जनित सामग्री के संभावित उपयोग के प्रति सावधानी बरती है और चुनाव आयोग से इस तकनीक के उपयोग से निपटने के लिए अपने प्रयासों को तेज करने का आह्वान किया है। ऐसी चीज़ों को वायरल होने के लिए कुछ घंटे काफी हैं और जब तक आप इसका पता लगाएंगे, तब तक नुकसान हो चुका होगा।

शराब ने कर दी आप की सेहत खराब!

अभिनय आकाश

दिल्ली के लोगों की सेवा करनी है, मैं अकेला कुछ नहीं कर सकता....मैं बहुत छोटा आदमी हूं...साधारण सी चप्पल, नीले रंग की ढीली ढाली कमीज और हल्के सीलेटी रंग की पैंट पहने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने खुद को परिभाषित करने के लिए न जाने कितनी बार इन शब्दों का इस्तेमाल किया होगा। ईमानदारी वैसे तो एक शब्द है। लेकिन इस शब्द की ताकत के सहारे ही केजरीवाल की आम आदमी पार्टी एक समय दिल्ली के दिलों को जीत कर सत्ता पर काबिज हुई थी। लेकिन आंदोलन वाले केजरीवाल से सत्ता वाले केजरीवाल क्या बने कि आज खुद को कट्टर इमानदार बताने वाली आप सरकार की निरस्त हो चुकी नई शराब नीति ने सेहत खराब कर दी है। कथित दिल्ली शराब नीति घोटाले को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) मुश्किल में हैं। इस मामले में अब तक कुल 16 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है, ईडी ने छह आरोपपत्र दाखिल किए हैं। यह मामला दिल्ली सरकार द्वारा 2021-2022 के लिए उत्पाद शुल्क नीति के निर्माण और कार्यान्वयन के दौरान संदिग्ध मनी लॉन्ड्रिंग और भ्रष्टाचार से संबंधित है। ताजा डेवलपमेंट में जांच एजेंसी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार कर लिया है, जिससे मामले में गिरफ्तार किए गए शीर्ष नेताओं की कुल संख्या छह हो गई है। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल को संघीय जांच एजेंसी ने 21 मार्च को राष्ट्रीय राजधानी के सिविल लाइंस इलाके में फ्लैगस्टाफ रोड स्थित उनके आधिकारिक आवास पर तलाशी के बाद गिरफ्तार कर लिया। ये गिरफ्तारी दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा किसी भी एजेंसी के दबाव से छूट के लिए केजरीवाल के अनुरोध को खारिज करने के तुरंत बाद हुई।

सबसे पहले समझते हैं कि घोटाला क्या है और किस बात को लेकर आम आदमी पार्टी की सरकार पर आरोप लग रहे हैं। घोटाले के मुख्य तीन किरदार हैं। पहला दिल्ली सरकार, दूसरा- शराब विक्रेता और तीसरा- शराब खरीदार। घोटाले को समझने के लिए मान लीजिए रोहन दिल्ली में रहता है, हर महीने बीयर की दुकान से 4 बीयर पीता है। मान लीजिए 1 बीयर की कीमत 150 रुपये है तो वह हर महीने 600 रुपये पीने पर खर्च करता है। तो यह 600 रुपये कहां जाता है? ये पैसा सीधा शराब की दुकान में जाता है। शराब विक्रेता कुछ पैसे अपने पास रखता है, कुछ पैसे दिल्ली सरकार को उत्पाद शुल्क के रूप में देता है। मान लीजिए 150 रुपये 4 बियर का थोक मूल्य है। रोहन ने 600 रुपये में खरीदा। विक्रेता को 450 रुपये का लाभ हुआ। तो उस 450 रुपये के मुनाफे में से 400 रुपये दिल्ली सरकार के पास गए और शराब विक्रेता के पास गए 50 रुपये। पुरानी नीति में ऐसा हो रहा था। (कीमतें वास्तविक नहीं हैं, केवल समझाने के लिए ली गई हैं)।

फिर दिल्ली की आप सरकार नई शराब नीति लेकर आए। जब भी मंत्री के रूप में आप नई नीति लेकर आते हैं तो आपका कर्तव्य ऐसी नीति बनाना है कि जिससे शराब की खपत कम हो जाए। शराब का सेवन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है ये तो हम सभी जानते हैं। ये और बात है कि इससे राज्य का राजस्व बढ़ता है। लेकिन आप सरकार ने ऐसी नीति बनाई कि शराब की खपत आसमान छूने लगी (हमारा रोहन जो एक महीने में 4 बीयर पीता था 6 बीयर पीने लगा)। राज्य के राजस्व में भारी गिरावट आई वहीं शराब बेचने वालों के राजस्व में भारी वृद्धि हो गई। तो हमारे काल्पनिक उदाहरण में पहले रोहन बीयर पर 600 रुपये खर्च कर रहा था। 400 रुपये सरकार को जा रहे थे और शराब विक्रेता के पास जा रहे थे 50 रुपये। लेकिन नई नीति के बाद रोहन ने 800 रुपये खर्च करना शुरू किया। लेकिन केवल 50 रुपये सरकार के पास गए और विक्रेता की जेब में गए 550 रुपये जाने लगे। सीधी सी बात है कि कोई ऐसी नीति क्यों बनाएगा जो लोगों को अधिक पीने के लिए प्रोत्साहित करती हो। इससे सरकारी लाभ कम होता है (दिल्ली सरकार को 10,000 करोड़ रुपये की उम्मीद थी लेकिन नई नीति के बाद उन्हें केवल 2000 करोड़ रुपये मिले)। जो विक्रेताओं के राजस्व और लाभ में वृद्धि करता हो। राजस्व 6500 करोड़ रुपये से 9500 करोड़ रुपये) ऐसे में सबसे बड़ा सवाल कि कोई ऐसी नीति क्यों बनाएगा जब तक कि उसमें उनका कोई निजी हित न हो?

अब आपको बताते हैं कि दिल्ली आप सरकार ने नई शराब नीति में क्या किया कि सरकार का राजस्व कम हो गया, विक्रेताओं का लाभ बढ़ा और शराब की खपत बढ़ गई। नई नीति लागू करने से पहले कुल लगभग 875 स्टोर थे- 60त्न सरकारी शराब स्टोर (देसी थेके) और 40त्न निजी स्टोर थे। आप सरकार ने नई नीति में सभी सरकारी स्टोर बंद कर दिए और निजी खिलाड़ियों को पूरी दिल्ली का बाजार दे दिया। नई नीति में सरकारी स्टोर की संख्या शून्य रही जबकि निजी स्टोर पूरे 100 प्रतिशत। दावा किया जाता है कि ऐसे नियम बनाए कि छोटे निजी खिलाड़ी भी बाहर चले गए और पूरा बाजार केवल बड़े खिलाड़ियों में चला गया। थोक विक्रेताओं के लिए 12त्न का निश्चित लाभ मार्जिन रखा, चाहे खुदरा विक्रेताओं की बिक्री और वास्तविक लाभ कुछ भी हो। पिछली नीति में ये 2 त्न (अनुमानित) था। लेकिन 12त्न का निश्चित लाभ मार्जिन ने थोक विक्रेताओं को अप्रत्याशित लाभ दिया। 12त्न का निश्चित लाभ मार्जिन को इस तरह से समझ सकते हैं कि मैं तुम्हें 12 रुपए की छूट दूंगा और उसमें से तुम मुझे 6 रुपए दे देना। ये मोटा-मोटा इल्जाम था।

आम आदमी पार्टी की सरकार दिल्ली को पीने का नया अनुभव देना चाहती थी और उन्हें लगा कि यह अच्छी नीति रहेगी? या उनकी निजी खिलाड़ियों के साथ सेटिंग थी और इस आकर्षक नीति के लिए कुछ मुनाफा शेयर मिला था? जांच एजेंसी इसकी जांच करेगी।

12 सदस्यों की प्रवर्तन निदेशालय की टीम 21 मार्च को शाम के सात बजे के करीब अरविंद केजरीवाल के निवास पर पहुंची थी। तभी से इस बात की आशंका जताई जाने लगी थी कि अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी हो सकती है। दरअसल, दिल्ली में नई शराब नीति नवंबर 2021 में आई थी उसे जुलाई 2022 में समाप्त कर दिया गया था। पूरे मामले को संक्षेप में समझें तो इल्जाम ये है कि इस तरह ठेके दिए गए और लाभ दिया गया कि उससे पैसे रिकवरी हो और चुनाव प्रभावित किए जाए। इसमें अनेक एजेंसियां इनवॉल्व है। इल्जाम है कि 580 करोड़ का खजाने को नुकसान हुआ और इससे 292 करोड़ रुपए उठाया गया। उसे जेब में रखा गया या चुनाव में लगाया गया। उस दौर में बहुत सस्ती शराब बेची जा रही थी और एक पर एक फ्री या दो पर दो मुफ्त जैसे ऑफर दिए जा रहे थे। अब ये ऑफर कहां से आ रहे थे। दिल्ली के चीफ सेक्रेटरी नरेश कुमार ने एक रिपोर्ट कंपाइल करके लेफ्टिनेंट गवर्नर विनय सक्सेना को जुलाई 2022 में सौंपी थी। उसमें उन्होंने कहा था कि जिस तरह से नई शराब नीति आई है उसक अंदर विधिक प्रक्रिया का पालन नहीं हुआ है। उसके अंदर उन्होंने कई सारे तथ्यों को उजागर किया। कहा गया कि जो फैसला दिल्ली सरकार ने लिया उसमें एक तरफा फैसले की झलक नजर आई। जिस तरह फैसले लिए गए उससे सरकारी खजाने को नुकसान पहुंचा। अनुचित लाभ की वजह से 580 करोड़ रुपए का राजस्व का नुकसान हुआ। शराब के व्यापारियों को अनुचित लाभ दिए जाने की एवज में क्या मिला? उनसे धन मिला और उसका इस्तेमाल आपने गोवा और पंजाब के 2022 चुनाव में किया। इस रिपोर्ट में ये सारे इल्जाम लगाए गए। इस रिपोर्ट को एलजी ने सीबीआई को रेफर कर दिया। सीबीआई ने अपनी कार्रवाई शुरू की और एक के बाद एक आम आदमी पार्टी के नेता जेल जा रहे हैं। मनीष सिसोदिया, संजय सिंह के साथ ही के कविता की भी गिरफ्तारी हुई।

अभी तक अरविंद केजरीवाल का नाम सीधे-सीधे आरोपी के रूप में सामने नहीं आया। लेकिन उन्हें समन लगातार भेजे जा रहे थे। इसे अरविंद केजरीवाल की तरफ से सवाल भी उठाए जा रहे थे कि मुझे एक गवाह या आरोपी के रूप में बुलाया जा रहा है। फिर केजरीवाल की तरफ से समन को ही गैरकानूनी बताया गया। कहा जाता है कि अरविंद केजरीवाल ने अपने पास कोई मंत्रालय नहीं रखे हैं और वो साइन नहीं करते हैं। फिर उनका नाम कैसे आया? लेकिन वो ये भूल जाते हैं कि अगर किसी चुनी हुई सरकार ने कोई फैसला लिया है तो हिंदुस्तान में कलेक्टिव रिस्पॉस्बिलिटी का सिद्धांत चलता है। जो भी सरकार का निर्णय है वो पूरे कैबिनेट का निर्णय है। उसमें कोई व्यक्ति ये नहीं कह सकता कि मैं इस निर्णय का हिस्सा नहीं था। कैबिनेट का हेड प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री होता है।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

महोपनिषद् (भाग-39)

गतांक से आगे...

मैं भ्रमितमति क्यों हूँ? शास्त्र तथा श्रेष्ठ जनों से मैं इस सम्बन्ध में चर्चा करूँगा-इस प्रकार से वैराग्य धारण करने से पूर्व जो अभिलाषा जागती है, उसे ज्ञानियों ने शुभेच्छा नाम दिया है। इसके बाद शास्त्र तथा श्रेष्ठ जनों के सान्निध्य लाभ से अध्ययन आदि के द्वारा अभ्यास एवं वैराग्य भावना से सदाचार की प्रवृत्तियों का प्राकट्य होता है, उसे ही विचारणा नाम दिया है।

शुभेच्छा और विचारणा द्वारा इन्द्रिय विषयों के प्रति आसक्ति जब क्षीण हो जाती है, ऐसी अवस्था को तनुमानसी कहा गया है। इन तीन भूमिकाओं के अभ्यास द्वारा वैराग्य भाव के प्राबल्य से जब चित्त निर्मल सत्त्वरूप में स्थित होता है, इसी अवस्था को सत्त्वापत्ति कहते हैं। इन सभी भूमिकाओं का अभ्यास हो जाने पर चमकने वाली संसर्गहीन कला सत्त्वारूढ़ होती है, वही असंसक्ति कहलाती है। इन पाँचों भूमिकाओं के अभ्यास के फलस्वरूप अपनी चेतना में ही रमते रहने तथा बाह्याभ्यन्तर पदार्थों की भावना के नष्ट होने पर पदार्थ भावना नामक छठी भूमिका में पदार्पण होता है।

इन छ: भूमियों के परिपक्व हो जाने पर भेद-बुद्धि का क्षय हो जाता है और आत्म-भाव में ही साधक की दृढ़निष्ठा हो जाती है, यही तुर्यगा अवस्था कही गयी है। इस तुर्यावस्था को जीवन्मुक्त पुरुष ही उपलब्ध कर पाते हैं। इसके बाद तुर्यातीत अवस्था है, जो विदेह मुक्ति का विषय है। हे निष्पाप ! जो अति भाग्यवान् पुरुष सप्तमी तुर्यगावस्था को प्राप्त कर लेते हैं, वे आत्मा में रमणशील महात्मा महत्पद (परमपद) को ग्रहण कर चुके हैं। ऐसी जीवन्मुक्त आत्मायें सुख-दु:ख के अनुभवों से सर्वथा निर्लिप्त रहती हैं। वे कर्तव्य कर्मों में संलग्न रहकर भी उनसे लिप्त नहीं होती।

क्रमश: ...

शहीद दिवस : भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव

अभिनय आकाश

23 मार्च को शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है। आज ही के दिन यानी 23 मार्च को देश के तीन महान देशभक्तों भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को फांसी दी गई थी। इन तीनों देशभक्तों को श्रद्धांजलि देने के लिए शहीद दिवस मनाया जाता है।

कोर्ट ने तीनों को फांसी दिए जाने की तारीख 24 मार्च तय की थी, लेकिन ब्रिटिश सरकार को माहौल बिगड़ने का डर था, इसलिए नियमों को दरकिनार कर एक रात पहले ही तीनों क्रांतिकारियों को चुपचाप लाहौर सेंट्रल जेल में फांसी दे दी गई। इन तीनों पर अंग्रेज अफसर सांडर्स की हत्या का आरोप था।

28 सितंबर, 1907 को पंजाब के लायलपुर में बंगा गांव (जो अभी पाकिस्तान में है) में जन्मे भगत सिंह महज 12 साल के थे, जब जलियांवाला बाग कांड हुआ। इस हत्याकांड ने उनके मन में अंग्रेजों के खिलाफ गुस्सा भर दिया।

काकोरी कांड के बाद क्रांतिकारियों को हुई फांसी से उनका गुस्सा और बढ़ गया। इसके बाद वो चंद्रशेखर आजाद के हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन से जुड़ गए। 1928 में साइमन कमीशन के खिलाफ हुए प्रदर्शन के दौरान अंग्रेजों ने लाठीचार्ज कर दिया। इस लाठीचार्ज में लाला लाजपत राय को गंभीर चोटें आईं। ये चोटें उनकी मौत का कारण बनीं।

इसका बदला लेने के लिए क्रांतिकारियों ने पुलिस सुपरिटेंडेंट स्कॉट की हत्या की योजना तैयार की। 17 दिसंबर 1928 को स्कॉट की जगह अंग्रेज अधिकारी जेपी सांडर्स पर हमला हुआ, जिसमें उसकी मौत हो गई। 8 अप्रैल 1929 को भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त ने ब्रिटिश भारत की सेंट्रल असेंबली में बम फेंके। ये बम जानबूझकर सभागार के बीच में फेंके गए, जहां कोई नहीं था।

बम फेंकने के बाद भागने की जगह वो वहीं खड़े रहे और अपनी गिरफ्तारी दी। करीब दो साल जेल में रहने के बाद 23 मार्च 1931 को भगत सिंह को राजगुरु और सुखदेव के साथ फांसी पर चढ़ा दिया गया। वहीं, बकुटेश्वर दत्त को आजीवन कारावास की सजा मिली।

वायसराय लार्ड इरविन ने भगतसिंह की फांसी के कई दशक बाद अपनी आत्मकथा लिखी। उसमें सिलसिलेवार इस घटनाक्रम की जानकारी और लोगों के नाम लिखे गए हैं। तत्कालीन वायसराय ने अपनी जीवनी में लिखा है कि उनके पास तीन विकल्प थे पहला यह कि कुछ नहीं किया जाए और फांसी होने दी जाए। दूसरा यह कि आज्ञा बदल दी जाए और भगतसिंह की सजा घटा दी जाए। तीसरा यह कि कराची में होने वाले कांग्रेस अधिवेशन तक इस मामले को टाल दिया जाए। दिल्ली के राष्ट्रीय संग्रहालय में रखे कागजात इस बात की पुष्टि करते हैं। पुस्तक में सान्याल ने लिखा है कि दो दिन यानी 18 फरवरी और 19 मार्च को गांधी जी ने भगतसिंह के संबंध में बात की। लार्ड इर्विन ने अपने रोजनामचे में लिखा है- दिल्ली में जो समझौता हुआ उससे अलग और अंत में मिस्टर गांधी ने भगतसिंह का उल्लेख किया।

कमजोर कांग्रेस ने अब लोकतंत्र पर निकाली भड़ास

अजय सेतिया

कांग्रेस अपने सबसे मुश्किल दौर से गुजर रही है। कांग्रेस को झटके पर झटके लग रहे हैं। उसके अपने सांसद और बड़े बड़े नेता चुनाव लड़ने से कन्नी काट रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा है कि कांग्रेस के पास इतने पैसे भी नहीं बचे कि वह अपने कार्यकर्ताओं को ट्रेन का टिकट बुक करवा कर प्रचार के लिए कहीं भेज सके।

कांग्रेस जनता से भी उम्मीद छोड़ चुकी है, इसलिए वह अदालतों और चुनाव आयोग के माध्यम से सत्ता में बैकडोर एंट्री करना चाहती है। लेकिन अदालतें और चुनाव आयोग उसकी मदद करने को तैयार नहीं। कांग्रेस ने साठ साल तक इन दोनों संवैधानिक संस्थाओं को अपनी मुठ्ठी में रखा था इसलिए उसकी हताशा स्वाभाविक है।

नरसिंह राव के जमाने तक सुप्रीमकोर्ट और हाईकोर्टों के जजों की नियुक्ति सरकार ही किया करती थी। चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति तो नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने तक सरकार ही किया करती थी। दो बार लोकसभा चुनाव हारने के बाद कांग्रेस को हर संस्था में खोट नजर आने लगा है।

कांग्रेस को सुप्रीमकोर्ट, चुनाव आयोग, ईडी, सीबीआई, एनआईए, वोटिंग मशीन किसी पर भरोसा नहीं रहा। उसे हर स्तर पर वैसी ही मशीनरी चाहिए, जो पहले उसे चुनाव जीता दिया करती थी। उसे वोटिंग की पुरानी मतपत्र प्रणाली चाहिए, जिसमें प्रशासन के सहयोग से बैलट बॉक्स लूट कर लगातार कई चुनाव कांग्रेस ने जीते थे।

अदालतें कांग्रेस के राजनीतिक मंसूबे पूरे नहीं होने दे रही। भारत का लोकतंत्र पाकिस्तान की तरह कमजोर नहीं है कि न्यायपालिका किसी राजनीतिक दल को चुनाव जीतने में मदद करे। न्यायपालिका न्यायसंगत फैसला करती है, इसलिए कांग्रेस को न्यायपालिका से भी उसी तरह झटके लग रहे हैं, जैसे चुनावों में लग रहे हैं।

लगातार दो चुनाव हारने के बाद कांग्रेस को लगा कि वोटिंग मशीनें और चुनाव आयुक्त भाजपा की मदद कर रहे होंगे। इसलिए कांग्रेस ने पिछले साल इन दोनों मुद्दों पर याचिका दाखिल की, लेकिन सुप्रीमकोर्ट कांग्रेस की मदद को तैयार नहीं हुई। ताजा घटना चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की है।

कांग्रेस ने पिछले साल अपनी नेता जया ठाकुर से चुनाव आयोगों की नियुक्ति को लेकर सुप्रीमकोर्ट में एक याचिका दाखिल करवाई थी। सुप्रीमकोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि सरकार को चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए संसद से क़ानून पास करवा कर एक प्रणाली बनानी चाहिए। जब तक क़ानून न बने तब तक अदालत ने खुद एक कमेटी बना दी थी, जिसमें प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता के अलावा सुप्रीमकोर्ट के चीफ जस्टिस को रखा गया था। सरकार ने संसद के शीत सत्र में नियुक्ति के लिए बिल पास करवाया, तो उसमें चीफ जस्टिस की जगह एक मंत्री को रखा गया।

कांग्रेस ने इसे भी चुनौती दी कि सरकार ने कमेटी में चीफ जस्टिस को नहीं रखा। जबकि 60 साल तक अपनी सरकारों के समय कांग्रेस के प्रधानमंत्री खुद चुनाव आयुक्तों को नियुक्त करते थे। जबकि कांग्रेस ने संसद से बने क़ानून को भी कोर्ट में चुनौती दे दी। कांग्रेस चाहती थी कि सरकार चुनावों से पहले चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति न कर सके, लेकिन सरकार ने 14 मार्च को कमेटी की बैठक बुला कर दो चुनाव आयुक्तों का चयन कर लिया, उन्होंने चार्ज भी ले लिया।

कांग्रेस ने अपनी याचिका के माध्यम से सुप्रीमकोर्ट के चीफ जस्टिस को उत्तेजित करने की कोशिश की भी कि संसद ने उन्हें कमेटी से बाहर कर दिया। सुप्रीमकोर्ट ने पहले कमेटी की बैठक में हस्तक्षेप से मना कर दिया था और अब संसद से पारित क़ानून पर स्टे देने से इनकार कर दिया है। यह भी पहली बार हो रहा है कि प्रमुख विपक्षी दल संसद से पारित हर कानून को सुप्रीमकोर्ट में चुनौती देकर संसद की गरिमा घटाने की कोशिश कर रहा है। उसने 370 को चुनौती के बाद नागरिकता संशोधन क़ानून को भी चुनौती दी हुई है।

सुप्रीमकोर्ट के इस फैसले से कांग्रेस का गांधी परिवार इतना निराश है कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी को मल्लिकार्जुन खड़गे की प्रेस कांफ्रेंस में आकर लोकतंत्र की दुहाई देनी पड़ी। राहुल गांधी ने कहा कि यह कहना पूरी तरह से झूठ है कि भारत दुनिया की सबसे बड़ी डेमोक्रेसी है, यहाँ कोई डेमोक्रेसी नहीं है।

हताशा में कांग्रेस ने भारत के लोकतंत्र पर ही सवाल उठाना शुरू कर दिया है। राहुल गांधी ने जो दूसरी बात कही वह यह कि जब कांग्रेस के खाते फ्रीज किए गए तो किसी अदालत या चुनाव आयोग ने आवाज नहीं उठाई। असल में कांग्रेस की यह प्रेस कांफ्रेंस उसके खाते सील कर देने के मुद्दे पर थी, जिसमें कांग्रेस ने सरकार के साथ साथ सुप्रीमकोर्ट और चुनाव आयोग को भी कटघरे में खड़ा करने में कोई हिचकिचाहट महसूस नहीं की, जबकि इस मुद्दे पर कांग्रेस पहले भी दो बार प्रेस कांफ्रेंस कर चुकी थी, उसे ही दोहराया गया।

सोनिया गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे ने अब अवैध ठहरा दिए गए इलेक्टोरल बॉन्ड के मुद्दे को भी तीसरी या चौथी बार उठाया। सोनिया गांधी ने कहा कि भाजपा ने इलेक्टोरल बॉन्ड के माध्यम से करोड़ों रूपए इकठ्ठे किए, लेकिन विपक्ष के पास इस बात का कोई जवाब नहीं कि उसे भी तो इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिए चंदा मिला। कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, बीआरएस और डीएमके को भी तो इलेक्टोरल बॉन्ड से सैकड़ों करोड़ रुपए मिले।

सोनिया गांधी ने कहा है कि भाजपा को सबसे ज्यादा पैसा मिला, लेकिन अगर इलेक्टोरल बॉन्ड प्रणाली न होती, तो भी क्या भाजपा को ज्यादा चंदा नहीं मिलता। कांग्रेस जब सत्ता में थी, क्या तब भाजपा या अन्य विपक्षी दलों को उतना चंदा मिलता था, जितना कांग्रेस को मिलता था। यह स्वाभाविक है कि सत्ताधारी दल को ज्यादा चंदा मिलता ही है।

वैसे भी अगर तुलनात्मक अध्ययन करें तो सत्रहवीं लोकसभा में कांग्रेस के 55 सांसद चुने गए थे, जबकि भाजपा के 303 सांसद चुने गए थे। अगर उस हिसाब से देखें तो भाजपा को कांग्रेस से छह गुणा के करीब चंदा मिलना चाहिए था, जबकि भाजपा को कांग्रेस का पांच गुणा चंदा भी नहीं मिला। अगर हम भाजपा को मिले चंदे की सारे दलों को मिले चंदे से तुलना करें तो भाजपा और उसके सहयोगी दलों को 47 प्रतिशत चंदा मिला है, और विपक्ष को 53 प्रतिशत चंदा मिला है। पिछले चुनावों में सत्ता पक्ष और विरोधी पक्ष को लगभग इसी अनुपात में वोट भी मिले थे।

आज का इतिहास

1919 बेनिटो मुसोलिनी ने इटली के मिलान में फासिस्ट आंदोलन की शुरुआत की।
1922 वाशिंगटन के डी.सी. में यूएस कैपिटल की पहली हवाई जहाज भूमि को मंजूरी।
1934 अमेरिकी कांग्रेस ने 1945 में फिलीपींस की स्वतंत्रता को मान्यता दी।
1950 22 वां अकादमी पुरस्कार समारोह आयोजित किया गया।
1950 संयुक्त राष्ट्र ने विश्व मौसम विज्ञान विभाग की स्थापना की।
1956 पाकिस्तान दुनिया का पहला इस्लामिक गणतंत्र देश बना।
1959 टेनेसी के ब्रमस्टोन शहर में विस्फोट में नौ कोयला खनिक मारे गए।
1965 नासा ने पहली बार जैमिनी 3 अंतरिक्ष यान से दो व्यक्तियों को अंतरिक्ष में भेजा।
1978 लेबनान में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल को नौ दिन पहले अपने आक्रमण के बाद इजरायल की वापसी के लिए भेजा गया था।
1983 स्ट्रैटेजिक डिफेंस इनिशिएटिव, ग्राउंड-बेस्ड और स्पेस-आधारित प्रणाली को विकसित करने का प्रारंभिक प्रस्ताव यूनाइटेडस्टेट्स को सामरिक परमाणु बैलिस्टिक मिसाइलों के हमले से बचाने के लिए, विकसित किया गया था।
1986 केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में महिलाओं की पहली कंपनी को प्रशिक्षित किया गया।
1989 दो शोधकर्ताओं ने ठंडे संलयन की खोज की घोषणा की, एक दावा किया गया था जिसे बाद में बदनाम किया गया था।
1991 सिएरा लियोन गृहयुद्ध तब शुरू हुआ जब क्रांतिकारी युनाइटेडफ्रंट ने चार्ल्स टेलर के नेशनलपोरेट्रीक फ्रंट ऑफ लाइबेरिया के विशेष बलों के समर्थन के साथ, जोसेफ सैयद मोमो के प्रयास में सिएरा लियोन पर आक्रमण किया।
1995 अमेरिकी मुद्रा डॉलर 88.41 जापान की मुद्रा के बराबर है, येन जो एक रिकॉर्ड है।
1996 ताइवान में पहले प्रत्यक्ष राष्ट्रपति चुनाव में ली टेंग हुई को बतौर राष्ट्रपति चुना गया।
1997 मैंडी पेटिंकिन इन कोर्ट न्यूयॉर्क शहर के लाइकर्न थिएटर में बंद कर दिया गया है।
2001 रूस का मीर अंतरिक्ष स्टेशन एक नियंत्रित पुन: प्रवेश के दौरान प्रशांत में दुर्घटनाग्रस्त हो गया।
2005 टेक्सास सिटी के रिफाइनरी में एक विस्फोट से 15 श्रमिकों मारे गए।

कम्युनल पॉलिटिक्स का मुखौटा बनते राहुल गांधी

संजय तिवारी

आज जब देश एक और आमचुनाव के लिए तैयार हो रहा है तब भारत की सबसे पुरानी पार्टी के रूप में कम्युनिस्ट पार्टियों की कुछ खास मौजूदगी दिखाई नहीं देती। लेकिन कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी कम्युनिस्टों की कम्युनल पॉलीटिक्स का मुखौटा बने घूम रहे हैं। भारत जोड़ो यात्रा के समापन के मौके पर बिला वजह उन्होंने हिन्दू धर्म में एक होती है शक्ति का उल्लेख करके उसे खत्म करने की बात कह दी। विवाद बढा तो उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ङ्ग पर सफाई दे दी कि वो नरेन्द्र मोदी द्वारा इकट्ठी की जा रही शक्ति की बात कर रहे थे। अगर ऐसा ही था तो उन्होंने उसे हिन्दू धर्म से क्यों जोड़ा, यह समझना कठिन है।

असल में राहुल और प्रियंका के आसपास उनके कम्युनिस्ट सलाहकारों का घेरा है जिसके खिलाफ प्रमोद कृष्णम जैसे उनकी पार्टी के नेता ही सवाल उठा चुके हैं। ये कम्युनिस्ट सलाहकार ही इस समय राहुल गांधी और प्रियंका को संचालित कर रहे हैं। ऐतिहासिक रूप से कांग्रेस पर कम्युनिस्टों का वैचारिक प्रभाव रहा है लेकिन जब से कम्युनिस्ट पार्टियों का भारत में पतन हुआ है, कांग्रेस नवोदित कामरेडों की शरणस्थली बन गयी है। अब न सिर्फ कैडर के रूप में आईसा और एसएफआई के वर्कर कांग्रेस में पहुंच रहे हैं बल्कि वैचारिक रूप से कांग्रेस पार्टी अब कम्युनिस्ट पार्टी में ही परिवर्तित हो गयी है। कम्युनिस्ट पार्टियां जिस विभाजनकारी राजनीति के चलते भारत में अप्रासंगिक हो गयीं, अब कांग्रेस पार्टी भी उसी विभाजनकारी राजनीति को अपना चुकी है।

बहुत कम लोग इस बात को समझ पाते हैं कि भारत में कम्युनल और कास्टिस्ट (सांप्रदायिक और जातिवादी) राजनीति की बुनियाद कम्युनिस्ट नेताओं और विचारकों ने ही डाली है। समकालीन भारत में हम जितनी भी राजनीतिक समस्याएं देखते हैं, उसकी बुनियाद में कहीं न कहीं, कोई न कोई कम्युनिस्ट बैठा मिलेगा। बंगाल और त्रिपुरा में राजनीतिक रूप से हैसियत खो देने के बाद अब उनकी राजनीति केरल तक सिमटी हुई है। इसलिए उनकी राजनीतिक आवाज भले न हो लेकिन बौद्धिक रूप से आज भी वो भारत की राजनीति को सबसे अधिक प्रभावित करते हैं। समाजकर्मी से लेकर रंगकर्मी, साहित्यकार, समाचार जगत, न्यायालय हर ओर उनका दबदबा है। सामाजिक बहस पैदा करने या राजनीतिक एजंडा खड़ा करने में वो आज भी संघ परिवार से बहुत ताकतवर हैं। उनके पास कमी है तो सिर्फ उस मुखौटे की जो उनके एजंडे को राजनीतिक रूप से आवाज दे सके। बिहार में तेजस्वी यादव हों, तमिलनाडु में स्टालिन हों या केन्द्र में राहुल गांधी। ये नेता कम्युनिस्टों की उसी कम्युनल राजनीति को आवाज देते हैं जिसकी आड़ में वो आज भी भारत में वर्ग संघर्ष का स्वप्न देखते हैं।

इसे और अच्छे से समझने के लिए राहुल गांधी की दो भारत यात्राओं का भी अध्ययन करना चाहिए। अपनी दोनों ही यात्राओं के दौरान उन्होंने अल्पसंख्यवाद के नाम मुस्लिमों का बचाव किया और बहुसंख्यकवाद के नाम पर हिन्दुओं का विरोध। अगर राहुल गांधी आरएसएस

पर वैचारिक हमला बोलते हैं और कहते हैं कि वो एक विचारधारा की लड़ाई लड़ रहे हैं तो यह कांग्रेस के नेता की आवाज नहीं होती। कांग्रेस ने कभी विचारधारा की राजनीति में विश्वास ही नहीं किया। यही उन्हीं कम्युनिस्टों की आवाज है जो आरएसएस को देश के एक दुश्मन के तौर पर प्रस्तुत करके समूचे हिन्दुओं पर निशाना साधना चाहते हैं। कम्युनिस्टों का आरएसएस की विचारधारा से टकराव है जिससे पर वो निरंतर हमला करते रहते हैं। फिर चाहे वह सावरकर का माफीनामा हो या नाथूराम गोडसे द्वारा गांधी की हत्या। कम्युनिस्ट बुद्धिजीवी और नेता इन घटनाओं को आरएसएस से जोड़कर उस पर निशाना साधते हैं। यह कांग्रेस के एजंडे में कभी शामिल नहीं रहा लेकिन जब से राहुल गांधी कम्युनिस्टों का मुखौटा बनकर घूमने लगे हैं वो ऐसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाने लगे हैं।

यह राहुल गांधी की राजनीतिक समझ की कमी है या फिर वो ऐसा सोच समझकर करते हैं यह तो वो ही जाने लेकिन राहुल गांधी के बयान, बर्ताव और व्यवहार का नुकसान आखिरकार कांग्रेस को ही होता है। यह कम्युनिस्ट विचारधारा के लोगों की जीत भले ही कही जाए लेकिन असल में इससे कांग्रेस ही कमजोर होती है। इसका एक नमूना कांग्रेस द्वारा जारी पंच न्याय का सिद्धांत भी है जिसे राहुल गांधी की यात्रा के बाद जारी किया गया है। कांग्रेस से पंच न्याय सिद्धांत को देखें तो ऐसा लगता है इसे कांग्रेस के नेताओं ने नहीं बल्कि कम्युनिस्ट बुद्धिजीवियों ने तैयार किया है। इसमें हसिया हथौड़ा यानी किसान मजदूर के साथ ओबीसी एससी एसटी को भी न्याय दिलाने की बात कही गयी है। एक ओर अगर आप समाज को किसान, मजदूर और आदिवासी में बांट देते हैं तो फिर एससी/एसटी/ओबीसी के लिए अलग से जगह कहां बचती है? लेकिन यह विरोधाभाष कांग्रेस द्वारा जारी पंच न्याय सिद्धांत में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है।

सांप्रदायिकता की राजनीति और जातिवादी विभाजन हमेशा से कम्युनिस्ट बुद्धिजीवियों के प्रिय सब्जेक्ट रहे हैं। एक ओर वो वर्गविहीन समाज की बात करते हैं तो दूसरी ओर वर्ग संघर्ष को बढानेवाले उपाय भी करते हैं। राहुल गांधी को कम्युनिस्ट विचारधारा की यह महीन कमी नहीं समझ में आ रही है तो उनके लिए यह विचारधारा उसी तरह से संकट बन जाएगी जैसे खुद कम्युनिस्ट पार्टियों के लिए बन गयी। बहुसंख्यक का विरोध करके या उन्हें विभाजित करने की कोशिश करके कोई भी राजनीतिक दल अब वर्चस्व स्थापित नहीं कर सकता। चीन जैसे साम्यवादी देश में भी हान समुदाय को विशिष्ट महत्व इसलिए मिलता है कि वो चीन में बहुसंख्यक हैं। कोई भी राजनीतिक विचारधारा वर्ग विभाजन की मानसिकता से लंबे समय तक अस्तित्व में नहीं रह सकती। फिर चाहे वह जातिवादी बंटवारा हो या फिर धार्मिक बंटवारा। राहुल गांधी को झारखंड हाईकोर्ट से बड़ी राहत, अमित शाह के खिलाफ दिया था आपत्तिजनक बयान, जानें क्या है मामलाराहुल गांधी को झारखंड हाईकोर्ट से बड़ी राहत, अमित शाह के खिलाफ दिया था आपत्तिजनक बयान, जानें क्या है मामला

कांग्रेस आज अगर इतनी कमजोर स्थिति में है तो इसका कारण वही बंटवारा वाली मानसिकता ही है जिसने मुस्लिम तुष्टीकरण को मजबूत करने के लिए हिन्दुओं को जातियों, समूहों में बांटकर रखने का प्रयास किया। उनका वह प्रयोग असफल रहा जबकि उसके जवाब में आरएसएस ने जिस सामूहिकता को बढावा दिया आज वह देश में अजेय अवस्था पर पहुंच गया है। अच्छा हो कि समय रहते राहुल गांधी किसी विचारधारा का मुखौटा बनने की बजाय कांग्रेस के उस परंपरागत विचार पर लौट जाएं जो समन्वयवादी थी। वास्तविक रूप से जो सबका साथ और सबका विश्वास पाने का प्रयास करती थी। अभी राहुल गांधी जिस विचारधारा वाले रास्ते पर चल रहे हैं उससे वो और उनकी पार्टी माइनारिटी पार्टी ही रह जाएगी, मेजोरिटी की पार्टी कभी नहीं बन पायेगी।

जमीनी हकीकत से जुड़े हुए होने चाहिए चुनावी मुद्दे

विश्वनाथ सचदेव

चुनाव आयोग द्वारा आम-चुनाव की घोषणा के साथ ही चुनावी दंगल शुरू हो चुका है. जुलूस, नारे, नेताओं के बयान, रोड शो आदि का शोर जोरों से सुनाई देने लगा है। इस सबको चुनाव की विधिवत शुरुआत भले ही कह लें, पर हकीकत यह है कि अब हमारे देश में चुनाव शुरू नहीं होते, चलते रहते हैं। एक अनवरत प्रक्रिया बन गए हैं चुनाव। देखा जाए तो यह स्थिति अपने आप में कुछ गलत भी नहीं है, आखिर चुनाव जनतंत्र का उत्सव होते हैं, और ईमानदारी से लड़ी गई चुनावी लड़ाई जनतंत्र की सफलता और सार्थकता को ही प्रमाणित करती है। पर हमारी हकीकत यह भी है कि चुनाव में सब कुछ कहने-करने

को स्वीकार्य मान लिया गया है। सिद्धांतहीन राजनीतिक समझौते और आधारहीन दावे और खोखले वादे दुर्भाग्य से हमारे जनतंत्र की पहचान बनते जा रहे हैं। इसलिए जरूरी है कि जनता इन दावों-वादों की पड़ताल करती रहे। ऐसा ही एक दावा विकास का है। इसमें कोई संदेह नहीं कि विकास के मोर्चे पर हमने कई सफलताएं अर्जित की हैं। लेकिन विकास की सार्थकता तभी बनती है जब यह बेहतर जिंदगी में परिवर्तित हो. बेहतर जिंदगी का मतलब है हर क्षेत्र में आज बीते हुए कल से बेहतर दिखाई दे और आने वाले कल के लिए उम्मीदें जगाने वाला हो। यह सही है कि हमारी जीडीपी एक सम्मानजनक स्तर पर है। पर सवाल वही है-विकास की यह गति बेहतर जिंदगी में परिवर्तित हो रही है या नहीं? जनवरी 2024 में हमारी बेरोजगारी दर 6.8% थी। फरवरी में यह प्रतिशत बढ़कर आठ हो गई। महंगाई के आंकड़े भी कुछ ऐसा ही चित्र प्रस्तुत करते हैं। महंगाई और बेरोजगारी का यह मुद्दा आम-चुनाव का बड़ा मुद्दा बनना चाहिए था। पर अभी तक विपक्ष इसे बड़ा मुद्दा बनाने में सफल नहीं हो पाया है। होना तो यह चाहिए कि चुनाव में सत्तारूढ़ पक्ष अपनी उपलब्धियों का लेखा-जोखा मतदाता के समक्ष रखे और विपक्ष सत्तारूढ़ पक्ष की कमियों-असफलताओं को उजागर करके बेहतर नीतियों के आधार पर वोट मांगे, लेकिन हो यह रहा है कि आकर्षक वादों और आधारहीन दावों के बल पर चुनाव लड़ा-लड़ाया जा रहा है। ऐसे में मतदाता का दायित्व बनता है कि वह सत्ता के लिए लड़ने वाले नेताओं और राजनीतिक दलों से उनके दावों- वादों के आधार के बारे में पूछे। आज देश के मतदाता को सत्तारूढ़ पक्ष और विपक्ष दोनों से पूछना है कि उसकी बेहतरी के लिए उनके पास क्या योजना है? विकास का वास्तविक अर्थ है मानव-जीवन की गुणवत्ता में सुधार। सही मायनों में विकास तब होता है जब जीवन के हर स्तर में बेहतरी दिखे, जनता का आत्म-विश्वास बढ़े, स्वतंत्रता अपनी संपूर्णता में जीवन को संवारती दिखे। क्या ऐसा हो रहा है, यह सवाल मतदाता को खुद से पूछना होगा। इस प्रश्न का सम्यक उत्तर ही उसे सही के पक्ष में खड़े होने का अवसर देगा।

क्या मध्य प्रदेश में कांग्रेस का खेल खराब करेगी बसपा?

सिद्धार्थ शंकर गौतम

चुनावों से महीनों पूर्व प्रत्याशियों की घोषणा करने वाली बसपा में इस समय सन्नाटा छाया हुआ है। कांग्रेस के प्रयासों के चलते इंडिया गठबंधन में शामिल होने की बची-खुची संभावनाओं के बीच मायावती की ओर से उत्तर प्रदेश में प्रत्याशी चयन को लेकर खामोशी यह इंगित करती है कि बसपा में अभी कुछ भी ठीक नहीं है। जिस राज्य में मायावती 4 बार मुख्यमंत्री रही हों और लोकसभा चुनाव में पार्टी के सांसद भी जीतते रहे हों, वहां 80 लोकसभा सीटों में से अब तक मात्र 13 प्रत्याशियों की घोषणा करना कहीं न कहीं राज्य में बसपा के राजनीतिक पतन की कहानी कह रहा है।

हालांकि मध्य प्रदेश के परिपेक्ष्य में ऐसा कहना अभी जल्दबाजी होगा क्योंकि भाजपा और कांग्रेस अपने जिन नेताओं को पार्टी अधिकृत प्रत्याशी नहीं बनाती है, वे सपा-बसपा के टिकट पर अपनी राजनीतिक पारी को आगे बढ़ाते हैं। कई बार इस कवायद में उन्हें सफलता मिलती है तो अधिकांश चुनावों में ये प्रत्याशी किसी न किसी की जीत का गणित बिगाड़ देते हैं। मध्य प्रदेश में बसपा ने ऐसा कई बार किया है और इस बार भी ऐसे संकेत मिल रहे हैं क्योंकि कई लोकसभा सीटों पर आयातित नेताओं ने हाथी के सहारे अपनी चाल चलने की तैयारी कर ली है। सपा, कांग्रेस और भाजपा में रह चुके तथा अलग विंध्य प्रदेश की मांग का नेतृत्व करने वाले पूर्व विधायक नारायण त्रिपाठी ने बसपा का दामन थाम लिया और पार्टी ने भी बिना देर किए उन्हें सतना लोकसभा सीट से अपना प्रत्याशी घोषित कर दिया है।

इसके अलावा खजुराहो से कमलेश पटेल, सीधी से पूजनराम साकेत, मंडला से इंदर सिंह उईके, छिंदवाड़ा से उमाकांत बंदेवार, मंदसौर से कन्हैयालाल मालवीय और बैतूल से अशोक भलावी को बसपा ने अपना प्रत्याशी बनाया है। हालांकि पहली सूची के अनुसार, इन सभी में नारायण त्रिपाठी ही किला लड़ाने की क्षमता रखते हैं क्योंकि भाजपा-कांग्रेस ने पिछड़े वर्ग के प्रत्याशी उतारकर सतना में ब्राह्मण और क्षत्रियों को एकजुट होने का अवसर दे दिया है। दलबदलू छवि के बाद भी नारायण त्रिपाठी लड़ाकू नेता माने जाते हैं और अलग विंध्य प्रदेश की मांग के आंदोलन ने उन्हें बड़ी प्रसिद्धि दी है। यदि वे सतना में

चमत्कार कर दें तो बसपा के लिए वर्तमान परिदृश्य में बड़ी बात होगी।

एक समय समाजवादियों का गढ़ रहा विंध्य क्षेत्र बसपा की दलित राजनीति की पहली प्रयोगशाला बना था। रीवा संसदीय सीट पहली ऐसी सीट थी जिसने देश में बसपा का पहला सांसद दिया था। 1991 के लोकसभा चुनाव में रीवा लोकसभा सीट से बसपा प्रत्याशी भीम सिंह पटेल ने विंध्य के सफेद शेर कहे जाने वाले दिग्गज कांग्रेसी नेता श्रीनिवास तिवारी को हराया था। 1996 में बुद्धसेन पटेल और 2009 में देवराज पटेल भी रीवा से बसपा सांसद बनने में सफल रहे थे। इसके बाद बसपा का ग्राफ इस क्षेत्र में अप्रत्याशित रूप से गिरा जिसका सीधा लाभ भाजपा को हुआ। वर्तमान में बसपा यहां दूसरे या तीसरे नंबर की पार्टी है और इसके प्रत्याशी किसी भी राजनीतिक दल का गणित बिगाड़ने की क्षमता रखते हैं। रीवा से ही लगी सतना लोकसभा सीट पर भी बसपा अपना परचम लहराने में सफल रही है। 1996 के लोकसभा चुनाव में बसपा के सुखलाल कुशवाहा ने भाजपा के पूर्व मुख्यमंत्री वीरेंद्र कुमार सकलेचा और कांग्रेस से टूट कर बनी तिवारी कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़े पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह को हराकर देशवासियों को अचंभित कर दिया था।

हालांकि बसपा इस जीत को कायम नहीं रख सकी और उसका जनाधार सतना लोकसभा में सिकुड़ता चला गया। यह भी कम दिलचस्प नहीं है कि जिन सुखलाल कुशवाहा ने सतना में बसपा का खाता खोला था, इस बार उनका पुत्र सिद्धार्थ कुशवाहा कांग्रेस प्रत्याशी के तौर पर भाजपा के गणेश सिंह से मुकाबला करते दिखेगा। विंध्य क्षेत्र की ही सीधी और शहडोल लोकसभा सीट पर भी बसपा प्रत्याशी कई बार कांग्रेस के लिए परेशानी का सबब बने हैं जिसका लाभ सीधे तौर पर भाजपा को मिलता है। हालांकि इन दोनों लोकसभा सीटों पर बसपा का खाता अभी तक नहीं खुला है। इसी प्रकार उत्तर प्रदेश की सीमा से लगे चंबल क्षेत्र में भी बसपा ने कई बार भाजपा-कांग्रेस का सियासी गणित बिगाड़ा है। 2014 के लोकसभा चुनाव में मुरैना लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के भांजे अनूप मिश्रा के सामने कांग्रेस के कद्दावर नेता डॉ. गोविंद सिंह लड़ रहे थे। इस लोकसभा सीट पर जातिवाद हावी है अत: ब्राह्मण और क्षत्रिय दो खेमों में बंट गए थे। ऐसे में बसपा ने क्षत्रिय समाज के ही वृन्दावन सिकरवार को उतारकर डॉ. गोविंद सिंह की हार सुनिश्चित कर दी। कांग्रेस के डॉ. गोविंद सिंह तीसरे स्थान पर रहे।

इस बार अभी तक बसपा ने इस सीट के लिए अपने प्रत्याशी का एलान नहीं किया है किंतु कांग्रेस की सांसें इस सीट पर अटकी हुई हैं। यही कारण है कि कांग्रेस बसपा के प्रत्याशी की घोषणा के बाद ही अपना प्रत्याशी उतारेगी। अनुसूचित जाति वर्ग के लिए आरक्षित भिंड सीट पर मामला और रोमांचक है। मध्य प्रदेश में बसपा के हाथी को पहचान दिलाने वाले पूर्व बसपा प्रदेश अध्यक्ष फूल सिंह बरैया अब कांग्रेस के साथ हैं और भिंड से भाजपा की संध्या राय के सामने मजबूती से खड़े हो गए हैं। यानी 2019 का लोकसभा चुनाव जो संध्या राय के लिए आसान था, वह अब मुश्किल हो गया है क्योंकि फूल सिंह बरैया को कांग्रेस के साथ ही बसपा के कोर वोटर का भी समर्थन मिलता दिख रहा है। यहां अभी बसपा ने अपने पत्ते नहीं खोले हैं और संभवत: फूल सिंह बरैया से मायावती के संबंधों के चलते भाजपा-कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला हो। यहां गौर करने वाली बात है कि उत्तर प्रदेश से ही सटे मप्र के बुंदेलखंड वाले हिस्से में आने वाली लोकसभा सीटों पर साइकिल ने हमेशा ही हाथी की चाल को पस्त किया है। सागर, टीकमगढ़, खजुराहो, दमोह लोकसभा सीटों पर बसपा मात्र प्रतीकात्मक रूप से ही अपने प्रत्याशी उतारती है जबकि उसके हाथ कुछ नहीं लगता। राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो प्रदेश में कांग्रेस प्रत्याशियों की घोषणा में देरी का कारण भी कहीं न कहीं बसपा फैक्टर है क्योंकि दोनों ही दल जाति-वर्ग आधारित राजनीति करते हैं और दोनों का कोर वोटर भी लगभग एक सा है। हां, नरेंद्र मोदी ने बसपा के बड़े वोट बैंक को अपनी ओर मोड़ा है किंतु अभी भी उसका कोर उससे छिटका नहीं है।

चुनाव में दांव पर विपक्ष की साख भी है

उमेश चतुर्वेदी

विश्व ने सबसे अच्छी शासन प्रणाली के तौर पर जिस लोकतांत्रिक व्यवस्था को अख्तियार किया है, उसके हर चुनाव में सत्ता और विपक्ष की भूमिकाएं तकरीबन समान रही हैं। जनता की अदालत में विपक्ष हमेशा सत्ता को साखहीन और कमजोर साबित करने की कोशिश करता रहा है, जबकि सत्ता पक्ष अपनी उपलब्धियों के आधार पर समर्थन की अपील करता रहा है। इन संदर्भों में देखें, तो मौजूदा आम चुनाव कुछ अलग नजर आ रहा है। परंपरा के मुताबिक, सत्ता पक्ष अपनी उपलब्धियों को गिना तो रहा है, लगे हाथ विपक्ष को साखहीन साबित करने की कोशिश भी कर रहा है। केंद्रीय राजनीति में नरेंद्र मोदी के उभार के बाद भाजपा ने जहां ज्यादातर चुनाव जीता है, वहीं प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस की ज्यादातर चुनावों में पराजय हुई है।

भाजपा को इससे एक अवधारणा स्थापित करने में मदद मिली है कि कांग्रेस की साख घट चुकी है। कांग्रेस मुक्त भारत का भाजपा का नारा एक तरह से उसी स्थापना को विस्तार देने की कोशिश रही है। बीच-बीच में जनता कर्नाटक, हिमाचल या ऐसे ही कुछ नतीजे कांग्रेस के पक्ष में दे देती है, जिससे कांग्रेस की कुछ साख बची रह जाती है। इस नाते कह सकते हैं कि मौजूदा चुनाव में सत्ता पक्ष की उपलब्धियों के साथ अगर कुछ दांव पर लगा है, तो वह विपक्ष की साख भी है।

सरकार के विपक्ष में कांग्रेस के साथ कई दल हैं। ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस, अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी, तेजस्वी यादव का राष्ट्रीय जनता दल, एमके स्टालिन का डीएमके और वाममोर्चा मोदी विरोधी विपक्ष के प्रमुख चेहरे हैं। लेकिन गौर करने की बात यह है कि भाजपा या प्रधानमंत्री मोदी की चुनावी सभाओं में निशाने पर कांग्रेस ही ज्यादा रहती है। वैसे मोदी जब किसी ताकतवर स्थानीय क्षत्रप, मसलन, ममता, स्टालिन या अखिलेश के इलाके में जाते हैं, तो निश्चित तौर पर अपने स्थानीय वोटरों के लिहाज से उन पर भी हमले करते हैं, लेकिन हमले की तासीर कांग्रेस

पर उठाये जाने वाले सवालों जैसी नहीं होती।

हर आम चुनाव में सत्ता पक्ष पर सवाल सबसे ज्यादा उठते रहे हैं। इंदिरा गांधी की हत्या की छाया में हुए 1984 के चुनाव इसके अपवाद हैं। तब जिसने भी तत्कालीन सत्ताधारी कांग्रेस पर सवाल उठाया, चुनावी मैदान से वह साफ हो गया। जनता पार्टी के तत्कालीन अध्यक्ष चंद्रशेखर ने इंदिरा गांधी की हत्या से कुछ माह पहले स्वर्ण मंदिर में हुए सैनिक ऑपरेशन की आलोचना की थी, इसकी सफाई चुनाव में वे देते रहे, लेकिन जनता की नजर में वे पाक-साफ नहीं हो सके। बेशक कुछ पार्टियां सरकार में वापसी करती रहीं, लेकिन ऐसा अमूमन नहीं हुआ कि विपक्ष की साख पर सवाल उठे। पर इस बार खेल पलटा हुआ नजर आ रहा है। विपक्ष को अपनी साख बचाने की लड़ाई लड़नी पड़ रही है।

विपक्ष की साख गिराने में निश्चित तौर पर विपक्षी नेताओं की उल-जलूल बयानबाजी की भूमिका भी रही है। जब कांग्रेस की आज की तुलना में ज्यादा ताकतवर बहुमत की सरकारें होती थीं, तब डॉ राम मनोहर लोहिया, मधु लिमये, पीलू मोदी आदि जैसे कुछ विपक्षी सांसदों के चलते सरकारें अक्सर सवालों के घेरे में आ जाती थीं। जार्ज फर्नांडिस की तकरीरें हों या अटल बिहारी वाजपेयी के चुटीले भाषण, तत्कालीन सत्ता को अपना बचाव करना मुश्किल होता था। लेकिन इस बार ऐसा नहीं दिख रहा है। सबसे प्रमुख विपक्षी दल होने के नाते साख को बचाने की जिम्मेदारी कांग्रेस की है, लेकिन आलाकमान ध्यान नहीं दे रहा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भाषा का स्तर लगातार कमजोर हुआ है। कांग्रेस से जब भी कोई नेता भाजपा में जाता है, तो कांग्रेसी आलाकमान उसे हल्के में लेने में गुरेज नहीं करता।

वह इडी और सीबीआइ के दबाव का बहाना भी बना देता है। ऐसा कर वह अपनी भूमिका की इतिश्री भले कर ले, लेकिन एक सवाल तो जरूर उठता है कि आखिर उसके नेता ही सीबीआइ और इडी के दबाव में क्यों आते हैं। विपक्ष में ही वाममोर्चा है, उसके नेता क्यों नहीं ऐसे दबाव में आते, क्यों वे भाजपा में शामिल नहीं होते? ऐसे आरोप लगाकर एक तरह से विपक्ष अपनी कमजोरी को ही उजागर करता है। हल्की बयानबाजी में कभी अखिलेश भी आगे रहे हैं। वैसे अब भी वे तैश में आ जाते हैं और हल्की भाषा और लहजे का इस्तेमाल कर लेते हैं। वैसे राहुल गांधी तो तकरीबन हर भाषण में हल्के लहजे का इस्तेमाल कर रहे हैं। इन अर्थों में तेजस्वी यादव में परिपक्वता आयी है। वे हल्की भाषा और स्तरहीन लहजे का प्रयोग नहीं करते। विधानसभा में नीतीश सरकार के विश्वासमत पर उन्होंने जो शालीन भाषण दिया, उसकी आलोचना के लिए तर्क खोजना उनके कट्टर आलोचकों तक के लिए मुश्किल हो गया था।

ममता बनर्जी की ख्याति फायरब्रांड नेता की है। लेकिन हाल के दिनों में उन्होंने अपने कुख्यात नेताओं के बचाव के तरीके जैसे इस्तेमाल किये हैं, उससे राष्ट्रीय स्तर पर उनकी छवि को चोट ही पहुंची है। संदेशखाली के आरोपी के बचाव में पश्चिम बंगाल प्रशासन की कार्रवाई के बाद भी उनकी साख पर चोट पहुंची है। एमके स्टालिन खुद कभी विवादास्पद बयान नहीं देते, लेकिन उनके बेटे उदयनिधि जिस तरह हिंदू धर्म पर निशाना साध रहे हैं, उसकी वजह से स्टालिन की भी पार्टी भी सवालों के घेरे में है। ऐसी धारणा बनी है कि स्टालिन सिर्फ हिंदू धर्म का विरोध करते हैं और दूसरे धर्मों को प्रश्रय देते हैं। यह आज विपक्ष की साख पर सवाल की एक और वजह बना है। मतदाताओं का एक बड़ा वर्ग मानने लगा है कि विपक्ष के ज्यादातर नेताओं का अपना निजी हित है। इसलिए अगर उन्हें सत्ता मिली भी, तो वे अपने ही हित की बात करेंगे।

केजरीवाल की गिरफ्तारी का चुनाव पर कितना पड़ेगा असर

अंकित सिंह

जब देश लोकसभा के चुनाव की दहलीज पर खड़ा है। ऐसे में दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी ने राजनीति को और भी गर्म कर दिया है। अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद सत्ता पक्ष और विपक्ष पूरी तरीके से आमने-सामने है। इंडिया गठबंधन के नेता केंद्र की मोदी सरकार और भाजपा पर जबरदस्त तरीके से निशाना साध रहे हैं और इसे लोकतंत्र की हत्या बता रहे हैं। दूसरी ओर भाजपा का साफ तौर पर कहना है कि केजरीवाल को 9 बार समन जारी किया जा चुका था। वह कभी भी पूछताछ के लिए हाजिर नहीं हुए। उनकी ओर से कोर्ट जाया गया। कोर्ट ने जब गिरफ्तारी पर रोक लगाने से इनकार कर दिया तब केजरीवाल के खिलाफ एक्शन हुआ है। हालांकि ऐसे में बड़ा सवाल यही है कि केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर लोकसभा चुनाव पर कितना असर पड़ सकता है? अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी आम आदमी पार्टी के लिए बड़ा झटका है। आम आदमी पार्टी देश की 23 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ रही है। पंजाब, दिल्ली, हरियाणा, गुजरात और असम में उसने अपने उम्मीदवार उतारे हैं। ऐसे में पार्टी के समक्ष बड़ा राजनीतिक संकट खड़ा हो गया है। आम आदमी पार्टी इंडिया ब्लॉक में महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है। केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद आम आदमी पार्टी के पूरे चुनावी कैंपेन पर ग्रहण भी लग सकता है। इंडिया गठबंधन के प्रचार पर भी असर पड़ेगा क्योंकि केजरीवाल बड़े नेता माने जाते हैं। उन्हें लोगों को अपने पक्ष में करना आता है। हालांकि, अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी से आम आदमी पार्टी सिंपैथी गेन करने की कोशिश कर रही है। इसलिए वह पूरी तरीके से भाजपा पर हमलावर है। साफ तौर पर आम आदमी पार्टी की ओर से कहा जा रहा है कि नरेंद्र मोदी सिर्फ और सिर्फ केजरीवाल से डरते हैं इसलिए उन्हें गिरफ्तार किया गया है। केजरीवाल की गिरफ्तारी पर उनकी पार्टी रणनीति बनाने में जुटी है ताकि सहानुभूति लहर का लाभ बताने की कोशिश किया जा सके। आम आदमी पार्टी की दिल्ली और पंजाब में सरकार है। यही कारण है कि भाजपा तुरंत पलटवार कर रही है। अगर विपक्ष और आम आदमी पार्टी यह मैसेज डिलीवर करने में कामयाब हुए कि केंद्र की मोदी सरकार विपक्षी दलों के नेताओं को ही निशाना बना रही है तो ऐसे में भाजपा के लिए नुकसान हो सकता है। यही कारण है कि भाजपा पूरी तरीके से यह बताने की कोशिश कर रही है कि केजरीवाल को कोर्ट से पहले झटका लगा, फिर उनकी गिरफ्तारी हुई है। केजरीवाल को नौ बार समान जारी किया गया था। वह पूछताछ के लिए शामिल नहीं हुई इसलिए उनकी गिरफ्तारी हुई है। बीजेपी केजरीवाल की नाकामयाबियों को गिनवाने की कोशिश कर रही है। भाजपा का कहना है कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी के दफ्तर के बाहर हंगामा और ड्रामा चल रहा है। आम आदमी पार्टी के तमाम नेतागण बाहर आकर बयानबाजी कर रहे हैं और झूठ का पुलिंदा देश के सामने रख रहे हैं। भाजपा का सवाल है कि अगर नई शराब नीति सही थी तो जांच के आदेश होते ही केजरीवाल ने इसे वापस क्यों ले लिया? कोर्ट ने अब तक सिसोदिया और संजय सिंह को जमानत क्यों नहीं दी? अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर पूरा विपक्ष और इंडिया गठबंधन केंद्र की मोदी सरकार पर हमलावर हो गया है। इसके साथ ही आम आदमी पार्टी ने साफ तौर पर कहा है कि अरविंद केजरीवाल मुख्यमंत्री थे, हैं और आगे भी रहेंगे। वहीं राहुल गांधी ने साफ तौर पर कहा है कि इंडिया गठबंधन इसका मुंहतोड़ जवाब देगा। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि यह गिरफ्तारी नई क्रांति को जन्म देगा। भाजपा जानती है कि वो फिर दुबारा सत्ता में नहीं आनेवाली, इसी डर से वो चुनाव के समय, विपक्ष के नेताओं को किसी भी तरह से जनता से दूर करना चाहती है, गिरफ़्तारी तो बस बहाना है। ये गिरफ़्तारी एक नयी जन-क्रांति को जन्म देगी।

प्रेग्नेंसी के दौरान एक्ने बना रहे चेहरे को भद्दा, तो इन तरीकों से करें देखभाल

प्रेग्नेंसी के शुरुआती 3 महीने काफी तकलीफदेह होते हैं। इस वक्त पर हार्मोंस के उतार-चढ़ाव की वजह से मूड पर तो कंट्रोल रहता नही है। साथ ही फिजिकली हो रहे बदलाव भी असर डालते है। वहीं बहुत सारी महिलाओं के स्किन पर हार्मोंस का असर होता है। हार्मोंस एंड्रोजेंस की वजह से स्किन पर सीबम का प्रोडक्शन बढ़ जाता है और पोर्स बंद हो जाते हैं। जिसकी वजह से एक्ने और पिंपल निकलना शुरू कर देते हैं। खासतौर पर जिन महिलाओं की स्किन ऑयली और सेंसेटिव है उन्हें एक्ने की समस्या ज्यादा होती है। प्रेग्नेंसी में एक्ने की समस्या से निपटने के लिए

ये होममेड फेस मास्क काफी मदद करता है और स्किन के पोर्स को बंद होने से रोकता है।

प्रेग्नेंसी में हो रहे एक्ने के लिए बनाएं ये फेसपैक

सेंसेटिव स्किन की महिलाओं को प्रेग्नेंसी के दौरान चेहरे पर एक्ने की समस्या से निपटना है तो ओट्स के फैस पैक पर भरोसा करें।

ओट्स का फेस पैक बनाने की सामग्री

1 खीरा
ओटमील एक चम्मच
शहद आथा छोटा चम्मच
गुलाब जल-आधा चम्मच
खीरा, ओट्स और शहद का फेसपैक बनाने का तरीका

- सबसे पहले खीरे के ऊपर के कड़वे वाले हिस्से को काटकर हटा दें।
- फिर इस खीरे का जूस निकाल लें।
- इस फ्रेश खीरे के जूस में एक चम्मच ओटमील मिलाएं और कुछ देर के लिए छोड़ दें।
- करीब 5 मिनट बाद जब ओट्स खीरे का जूस सोख लें।
- तब इसमे शहद मिला दें।
- आप चाहे तो कुछ बूंदे गुलाबजल की भी डाल सकती हैं। बस तैयार है ओटमील फेस पैक।
- इसे लगाने के लिए चेहरे को क्लीन कर लें। फिर ओटमील फेस पैक को अप्लाई करें और सूखने दें।
- हल्का सा सूख जाने पर फेस पर स्क्रब करते हुए इसे हटा दें।
- सप्ताह में दो से तीन बर इस फेस पैक को चेहरे पर लगाएं। ये प्रेग्नेंसी में होने वाले एक्ने से छुटकारा दिलाने में मदद करेगा।

खूबसूरत बाल पाने के लिए इस आसान तरीके से घर पर करें हेयर स्पा, मिलेगी बेहतरीन शाइन

अगर आप भी घर पर हेयर स्पा करना चाहते हैं, तो बता दें कि आप कम खर्चे में आसानी से घर पर भी हेयर स्पा कर सकते हैं। हम आपको घर पर हेयर स्पा करने का तरीका बता रहे हैं। इससे आप स्मूथ और शाइनी हेयर पा सकते हैं।

हर मौसम में अपने बालों का ख्यास ख्याल रखना पड़ता है। बालों का ख्याल रखने के लिए हम सभी ना जाने कितने हेयर प्रोडक्ट और हेयर ट्रीटमेंट का इस्तेमाल करते हैं। वहीं अगर बात बालों की देखभाल की हो, तो इसके लिए हमें मार्केट में कई तरह की टेक्नोलॉजी मिल जाती है। लेकिन इनके अपने कुछ नुकसान भी होते हैं। ऐसे में अगर आप भी चाहते हैं कि आप बिना किसी नुकसान के बालों की देखभाल करना चाहते हैं, तो आप कम खर्चे में आसानी से घर पर भी हेयर स्पा कर सकते हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक हेयर स्पा हमारे बालों को कई तरह से फायदा पहुंचाता है। वहीं ऑलिव ऑयल बालों को कई तरह से फायदा पहुंचाता है। ऐसे में अगर आप भी हर पर हेयर स्पा लेना चाहते हैं। तो यह आर्टिकल आपके लिए है, आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको घर पर हेयर स्पा करने का तरीका बता रहे हैं। इससे आप स्मूथ और शाइनी हेयर पा सकते हैं।

आवश्यक सामग्री

ऑलिव ऑयल- 2 से 3 चम्मच केले- 2 से 3

ऑलिव ऑयल के फायदे

आपको बता दें कि ऑलिव ऑयल में एंटी-फंगल तत्व पाए जाते है, जो आपके बालों को डैंड्रफ से बचाने में सहायक होता है।

वहीं ऑलिव ऑयल आपके बालों को अल्ट्रावायलेट किरणों से बचाने के साथ ही बालों को मॉइश्चराइज देने का काम करता है।

ऑलिव ऑयल के रोजाना इस्तेमाल से बाल शाइनी और स्मूथ होते हैं।

बालों में केला अप्लाई करने के फायदे

बता दें कि बालों में केला अप्लाई करने से आपके बाल स्मूथ और शाइनी बनते हैं। क्योंकि केले में विटामिन सी पाया जाता है।

इससे बालों की फ्रिजीनेस कम होती है।

केले में मौजूद एंटीमाइक्रोबियल गुण आपके बालों को डैमेज होने से बचाता है।

इसमें मौजूद एंटी-फंगल प्रॉपर्टी खुजली को कम करने में मदद करता है।

इस तरह से केला और ऑलिव ऑयल बालों को अच्छे से पोषण देने में मदद करता है।

कैसे करें हेयर स्पा

घर पर हेयर स्पा करने के लिए सबसे पहले 2-3 केले को एक बाउल में मैश कर लें।

फिर मैश किए हुए केले में 3 चम्मच ऑलिव ऑयल मिक्स कर लें।

इसके बाद इसको अपने बालों की लेंथ में अप्लाई करें।

फिर इसे बालों में 15-20 मिनट तक लगा रहने दें।

इसके बाद 10 मिनट बालों को स्टीम करें और फिर तौलिए की मदद से बालों को कवर कर लें।

अब 10 मिनट तक तौलिए से कवर करने के बाद पानी की मदद से बालों को धो लें।

बालों को धोने के दौरान शैंपू और कंडीशनर जरूर करें, जिससे बाल अच्छे से साफ हो जाएं।

इस दौरान आप एक बात का ध्यान रखें कि अगर आपकी स्किन सेंसिटिव है, तो आपको पहले एक्सपर्ट्स की सलाह जरूर लेनी चाहिए। उसके बाद ही आपको कोई नुस्खा आजमाना चाहिए।

स्ट्राबेरी की मदद से करें स्किन की केयर, त्वचा रहेगी जवां

अगर आप अपनी स्किन को अधिक नरिशिंग बनाना चाहते हैं तो इस पैक को बनाएं। इसके लिए आप कुछ स्ट्रॉबेरी लें और उसे कांटे से तब तक मैश करें जब तक कि इसका स्मूद पेस्ट न बदल जाए। अब इसमें एक बड़ा चम्मच शहद डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। स्ट्राबेरी का स्वाद अधिकतर लोगों को अच्छा लगता है। अक्सर लोग स्ट्राबेरी से मिलने वाले हेल्थ बेनिफिट्स के बारे में बाते करते हैं, लेकिन उसके स्किन बेनिफिट्स भी कम नहीं हैं। स्ट्रॉबेरी में एंटी-ऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं। साथ ही, इसमें विटामिन सी भी होते हैं। यह आपकी स्किन को अधिक यंगर बनाता है और एक्ने को दूर करता है। इसके अलावा, यह आपकी स्किन को टोन करने, स्किन टेक्सचर में बेहतर बनाने और पिगमेंटेशन आदि में मददगार है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको स्ट्राबेरी को स्किन पर अप्लाई करने के तरीकों के बारे में बता रहे हैं- अगर आप अपनी स्किन को अधिक नरिशिंग बनाना चाहते हैं तो इस पैक को बनाएं। इसके लिए आप कुछ स्ट्रॉबेरी लें और उसे कांटे से तब तक मैश करें जब तक कि इसका स्मूद पेस्ट न बदल जाए। अब इसमें एक बड़ा चम्मच शहद डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। अब आप अपने फेस को क्लीन करके इस मास्क को लगाएं। करीबन 15 मिनट के बाद पानी की मदद से फेस क्लीन करें।

स्ट्रॉबेरी और चॉकलेट से बनाएं फेस मास्क

अगर आप अपनी स्किन को अधिक स्मूद बनाना चाहती हैं तो ऐसे में आप इस फेस पैक को बनाएं। इसके लिए आप पहले स्ट्रॉबेरी को अच्छी तरह मैश कर लें। अब एक चम्मच कोको पाउडर और शहद डालकर उसे अच्छी तरह मैश करें। अपने चेहरे को क्लीन करके करीबन 15 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। अंत में, पानी की मदद से चेहरा वॉश कर लें।

स्ट्रॉबेरी और मलाई से बनाएं फेस पैक

यह एक बेहद ही नरिशिंग फेस पैक है, जो आपकी स्किन को अधिक नमी प्रदान करता है। खासतौर से, विंटर में यह पैक काफी लाभदायक है। इसके लिए आप स्ट्रॉबेरी को मैश करके उसकी प्यूरी बना लें। अब इसमें थोड़ा शहद व मलाई डालकर मिक्स करें। अब आप अपने फेस को क्लीन करके इस मास्क को अपने चेहरे पर लगाएं। करीबन 10-12 मिनट बाद आप ठंडे पानी से चेहरे को धो लें। अगर आप अपनी डेड स्किन सेल्स को रिमूव करके इवन टोन स्किन व अधिक ब्यूटीफुल बनाना चाहती हैं तो ऐसे में आप इस फेस स्क्रब को बनाएं। इसके लिए, आप स्ट्रॉबेरी को ब्लेंड करके उसकी प्यूरी बना लें।

अब आप इसमें दही, विटामिन ई कैप्सूल व चावल का आटा मिक्स करें। अब अप इसे अपनी स्किन पर लगाएं और हल्के हाथों से स्किन को स्क्रब करें। इसे करीबन 5 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। अंत में पानी की मदद से स्किन को साफ करें।

- मिताली जैन

मोटी नाक को पतला करने के लिए रोजाना करें ये 3 एक्सरसाइज, खूबसूरती में लग जाएंगे चार चांद

आपके चेहरे की खूबसूरती को बढ़ाने में आपकी शार्प नोज का अहम रोल होता है। आपके नाक की शेप आपकी सुंदरता को बढ़ाने के साथ कम भी कर सकती है। यही वजह है कि कई बार लोग अपनी नाक की शेप ठीक करवाने के लिए प्लास्टिक सर्जरी जैसे महंगे विकल्प अपनाने से भी पीछे नहीं रहते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं आप घर बैठे भी बिना पैसे खर्च किए अपनी नोज की शेप को सिर्फ 3 एक्सरसाइज करके ठीक कर सकते हैं। आइए जानते हैं कैसे।

नोज स्लिमर एक्सरसाइज

नोज स्लिमर एक्सरसाइज आपकी नाक के किनारों की मांसपेशियों पर काम करके उसे पतला बना सकती है। इसे करने के लिए आपको सबसे पहले सीधे बैठकर अपने कंधों को सीधा रखते हुए अपने दोनों हाथों की तर्जनी उंगलियों से नाक के दोनों किनारों को कुछ सेकंड के लिए दबाना है। ऐसा करीब 15 बार दोहराएं। इस एक्सरसाइज के नियमित अभ्यास से आप अपनी नाक की शेप को ठीक कर सकते हैं।

नाक को ऊपर व नीचे करना

आपने अक्सर घर के बड़े बुजुर्गों को छोटे बच्चों की नाक की शेप ठीक करने के लिए मालिश करते समय उंगली की मदद से नाक को ऊपर की ओर खींचते हुए देखा होगा। बता दें, उम्र और समय के साथ-साथ नाक की हड्डियों और मांसपेशियां की संरचना में बदलाव होता रहता है। इस एक्सरसाइज को करने के लिए आंखों के किनारे में अंगूठों की मदद से हल्की मसाज करते हुए स्किन को ऊपर की ओर ले जाएं। इस प्रक्रिया को 10 से 12 बार कर सकते हैं। ऐसा करते समय नाक पर ज्यादा प्रेशर न डालें। ऐसा करने से नाक की स्किन छिल सकती है।

नाक को सीधा और छोटा दिखाने के लिए

नाक को सीधा और छोटा दिखाने के लिए सबसे पहले नाक को आगे की तरफ सीधे हाथ की एक उंगली से बीच में दबाते हुए दूसरे हाथ के अंगूठे और पहली उंगली से पकड़कर नाक को ऊपर की तरफ खींचें। ऐसा लगभग 100 बार करें।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

अरविंद केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट से वापस ली अपनी अर्जी

नईदिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रवर्तन निदेशालय द्वारा गिरफ्तारी के खिलाफ अपनी याचिका सुप्रीम कोर्ट से वापस ले ली। अरविंद केजरीवाल की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि केजरीवाल सुप्रीम कोर्ट में याचिका वापस ले रहे हैं क्योंकि इसमें रिमांड से टकराव हो रहा है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट दिल्ली शराब नीति मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा गिरफ्तारी के खिलाफ अरविंद केजरीवाल की याचिका पर तत्काल सुनवाई के लिए सहमत हो गया था। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति बेला द्विवेदी की एक विशेष पीठ गिरफ्तार दिल्ली के मुख्यमंत्री की याचिका पर सुनवाई करने वाली थी। केजरीवाल गिरफ्तार होने वाले पहले मौजूदा मुख्यमंत्री हैं। सूत्रों के मुताबिक, ईडी की हिरासत में वह रात को सो नहीं सके और उन्हें कंबल और दवाइयां मुहैया कराई गईं जो उनके परिवार ने उन्हें घर से दी थीं।

केजरीवाल की गिरफ्तारी उनके कर्मों की वजह से हुई: अन्ना हजारे

नईदिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के नेता अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद सियासत गरमा गई है। अरविंद केजरीवाल अन्ना आंदोलन के बाद चर्चा में आए थे। यही वजह है कि लोग मामले पर आंदोलनकारी अन्ना के रिएक्शन का वेट कर रहे थे। अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने कहा है कि उनकी गिरफ्तारी उनके अपने कर्मों की वजह से हुई है। मीडिया में जो खबर चल रही है उसके अनुसार, अन्ना हजारे ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इस बात से मैं बहुत परेशान हूं कि जो अरविंद केजरीवाल मेरे साथ आंदोलन करते थेज्शराब के खिलाफ आवाज उठाते नजर आते थे, वे अब शराब नीतियां तैयार कर रहे हैं। आगे उन्होंने कहा कि केजरीवाल की गिरफ्तारी उनके अपने कर्मों के कारण हुई है, लेकिन वह क्या करेंगे? सत्ता के सामने किसी की चलती नहीं है। उन्हें गिरफ्तार किया जा चुका है। अब कानून अपना काम करेगा।

संबित पात्रा का वार, टूट गया केजरीवाल का गुरूर

नईदिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि अरविंद केजरीवाल के आवास के बाहर हाई वोल्टेज ड्रामा चल रहा है। उनका दावा है कि यह अरविंद केजरीवाल का अहंकार था जिसके कारण यह गिरफ्तारी हुई। उन्होंने सवाल किया कि दिल्ली और देश की जनता को तय करना है कि जांच ज्यादा जरूरी है या ड्रामा? उन्होंने कहा कि गुरुवार रात से दिल्ली में आम आदमी पार्टी के दफ्तर के बाहर हंगामा और ड्रामा चल रहा है। पात्रा ने कहा कि 2013 में अरविंद केजरीवाल ने कुछ नामों की एक लंबी फेहरिस्त जारी की थी कि ये लोग जो भ्रष्टाचार में आकंठ डूबे हुए है, आखिर ये जेल क्यों नहीं जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के 10 वर्ष के कार्यकाल में इस देश ने एक बहुत बड़ा परिवर्तन देखा है। पहले बड़े-बड़े राजनेता सोचते थे कि हम करोड़ों-अरबों का घोटाला करेंगे, लेकिन हम जेल नहीं जाएंगे। परंतु अब ये नहीं होने वाला, अब अगर कोई भ्रष्ट है, तो उसे जेल जाना ही पड़ेगा।

2जी घोटाला मामले में ए राजा व अन्य को हाई कोर्ट से झटका

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने 2जी स्पेक्ट्रम आवंटन घोटाला मामले में पूर्व दूरसंचार मंत्री ए राजा, कंपनियों और अन्य को बरी करने के फैसले को चुनौती देने वाली सीबीआई की अपील शुक्रवार को स्वीकार कर ली। न्यायमूर्ति दिनेश कुमार शर्मा ने कहा कि रिकॉर्ड में लाई गई सामग्री और पक्षकारों के वकीलों की दलीलों के आधार पर सीबीआई की ओर से दृष्टया मामला बनता है। इसके लिए गहन जांच की आवश्यकता है और अपील पर विस्तार से सुनवाई की आवश्यकता है। पीठ ने इसके साथ ही अपील की अनुमति दी और इस मामले को मई में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया। सीबीआई ने निचली अदालत के फैसले पर गुण-दोष के आधार पर विचार करने के लिए 2018 में अपील दायर की थी। इस मामले में जज ने बीते 14 मार्च को अपना फैसला सुरक्षित कर लिया था। विशेष अदालत ने 21 दिसंबर, 2017 को राजा, द्रमुक सांसद कनिमोझी व अन्य को 2जी घोटाले से जुड़े सीबीआई और ईडी के मामलों में बरी कर दिया था।

ईडी का बंगाल के मंत्री चंद्रनाथ सिन्हा के ठिकानों पर छापा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के बोलपुर स्थित राज्य के लघु एवं कुटीर उद्योग मंत्री चंद्र नाथ सिन्हा के आवास पर शुक्रवार सुबह केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी अधिकारियों की एक टीम ने छापा मारा । इस अभियान से इलाके में हड़कंप मच गया ।इस दौरान केंद्रीय बल के जवानो ने मंत्री के घर को चारों ओर से घेरा लिया। ईडी के अधिकारी घर के भीतर तलासी चला रहे है। बताया जाता है की लोकसभा चुनाव की तिथि की घोषणा के बाद पहली बार मंत्री चंद्र नाथ सिन्हा के घर पर ईडी की टीम पहुंची है। इस खबर के फैलते ही इलाके के तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं में खलबली मच गई है। गौरतलब है की बोलपुर के निवासी जिला तृणमूल कांग्रेस के पार्टी अध्यक्ष अनुब्रत मंडल को ईडी ने गौ तस्करी मामले में गिरफ्तार कर तिहाड़ जेल भेज दिया था। करीब दो वर्ष होने को है अनुब्रत मंडल तिहाड़ जेल में कैद है। अनुब्रत मंडल की बेटी सुकन्या मंडल भी तिहाड़ जेल में ही है।

दिल्ली के मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी को लेकर केंद्र पर बरसीं ममता बनर्जी

केजरीवाल की गिरफ्तारी लोकतंत्र पर हमला : ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की सत्ताधारी पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने शुक्रवार को दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर केंद्र पर हमला बोला। टीएमसी ने आरोप लगाया कि लोकसभा चुनाव से पहले सुनियोजित तरीके से विपक्ष के नेताओं को निशाना बनाया जा रहा है। टीएमसी ने आरोप लगाया कि अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन है। वहीं टीएमसी के आरोपों पर भाजपा ने भी पलटवार किया है और कहा है कि जो दिल्ली में हुआ, वो बंगाल में भी हो सकता है।

ईडी ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को दिल्ली शराब घोटाला मामले में गुरुवार की रात गिरफ्तार कर लिया। केजरीवाल की गिरफ्तारी पर पश्चिम बंगाल की सीएम और टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी ने इसे लोकतंत्र पर हमला बताया। ममता बनर्जी ने कहा कि विपक्षी गठबंधन के नेताओं को गिरफ्तार किया जा रहा है। गठबंधन के नेता चुनाव आयोग से मिलकर अपनी आपत्ति दर्ज कराएंगे। ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया पर साझा पोस्ट में अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी की निंदा की और आरोप लगाया कि जनता द्वारा चुने गए मुख्यमंत्रियों को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। वहीं जो लोग भाजपा के साथ हैं, उन्हें बेशर्मी के साथ पूरी छूट दी जा रही है।

ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि यह लोकतंत्र पर हमला है। आज हमारे विपक्षी गठबंधन के नेता चुनाव आयोग से मिलेंगे और विपक्षी नेताओं को जानबूझकर निशाना बनाए जाने पर अपनी कड़ी आपत्ति दर्ज कराएंगे। टीएमसी की तरफ से चुनाव आयोग की बैठक में डेरेक ओ ब्रायन और मोहम्मद नदीमुल हक पार्टी का प्रतिनिधित्व करेंगे। टीएमसी के वरिष्ठ नेता शांतनु सेन ने भी केजरीवाल की गिरफ्तारी को आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन बताया और कहा कि भाजपा अभी भी ईडी, सीबीआई का इस्तेमाल कर रही है।

टीएमसी के आरोपों पर भाजपा ने पलटवार किया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने कहा कि भाजपा की भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति है और राज्य में भी ऐसे हालात देखने को मिल सकते हैं, जैसे राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में दिख रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीते महीने

झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन गिरफ्तार हुए। अब दिल्ली के सीएम केजरीवाल को गिरफ्तार किया गया है। इससे पता चलता है कि सीएम होने के मतलब ये नहीं है कि इससे आपको छूट नहीं मिलेगी। ऐसे ही आरोप कुछ वर्षों से बंगाल में भी लग रहे हैं, इसलिए बंगाल में भी दिल्ली जैसा कुछ हो सकता है।

विपक्षी नेताओं को परेशान करने के लिए ईडी का इस्तेमाल किया जा रहा है : वृंदा करात

मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) की नेता वृंदा करात ने शुक्रवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी की निंदा की और आरोप लगाया कि भाजपा सरकार विपक्षी नेताओं को परेशान करने के लिए प्रवर्तन निदेशालय का इस्तेमाल कर रही है। ईडी ने केजरीवाल को आबकारी नीति से जुड़े धन शोधन मामले में बृहस्पतिवार रात को गिरफ्तार किया था।

करात ने कहा, ''हम दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी की कड़ी निंदा करते हैं। यह एक अराजकतापूर्ण कार्रवाई है। यह पूरी तरह से आगामी चुनावों की राजनीति से प्रेरित है और सत्तारूढ़ दल स्पष्ट रूप से विपक्ष को परेशान करने के लिए ईडी को एक उपकरण की तरह इस्तेमाल कर रहा है ताकि उसके नेताओं को गिरफ्तार करके विपक्ष को कमजोर किया जा सके।'' माकपा नेता ने कहा, ''चुनावों की घोषणा हो चुकी है और आप मुख्यमंत्रियों को गिरफ्तार कर रहे हैं। यह पूरी तरह अस्वीकार्य है। हमारी पार्टी भी इसका विरोध कर रही है। हम आम आदमी पार्टी के विरोध में शामिल हैं और मांग करते हैं कि गिरफ्तारी को तत्काल वापस लिया जाना चाहिए।''

इस आरोप पर कि केजरीवाल के परिवार को किसी से मिलने की अनुमति नहीं दी जा रही है, करात ने इसे ''बेतुका और अवैध'' बताया। उन्होंने कहा, ''अगर यह सच है तो यह बिल्कुल बेतुका और गैरकानूनी है। और अगर वे (परिवार के सदस्य) कह रहे हैं कि उन्हें किसी से मिलने की अनुमति नहीं दी जा रही है तो जाहिर तौर पर यह सच है।'' चुनावी बॉण्ड को लेकर माकपा नेता ने कहा कि भारतीय स्टेट बैंक पहले विवरण जारी कर सकता था। उन्होंने ''अब तक की सबसे भ्रष्ट प्रणाली'' लागू करने के लिए भाजपा की आलोचना भी की।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान का भाजपा पर निशाना

आम आदमी पार्टी के संयोदक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद पार्टी हमलावर हो गई है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि देश में सबसे ज्यादा हेट स्पीच भाजपा देती है। उन्होंने आप के मोहल्ला क्लीनिकों के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन का फंड रोक दिया। वे चाहते हैं कि कोई भी विपक्षी नेता आगामी चुनावों के लिए प्रचार ना कर पाए। वे व्लादिमीर पुतिन के नक्शेकदम पर चल रहे हैं। ये तानाशाही है। वहीं आप कार्यकर्ताओं ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पानी की बौछारों का इस्तेमाल किया। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को कहा कि उनका जीवन देश के लिए समर्पित है, चाहे वह जेल में हों या बाहर। राउज़ एवेन्यू कोर्ट में लाए जाने के दौरान केजरीवाल ने कहा कि मेरा जीवन देश के लिए समर्पित है, चाहे वह जेल के अंदर हो या बाहर। उत्पाद शुल्क नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गुरुवार रात प्रवर्तन निदेशालय द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद अरविंद केजरीवाल की यह पहली प्रतिक्रिया थी।

मोदी भूटान के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ऑर्डर ऑफ द ड्रुक ग्यालपो' से सम्मानित

थिम्पू। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को शुक्रवार को भूटान के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार 'ऑर्डर ऑफ द ड्रुक ग्यालपो' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान पाने वाले वह किसी विदेशी सरकार के पहले प्रमुख हैं। प्रधानमंत्री मोदी को यह पुरस्कार ''भारत-भूटान संबंधों के विकास में उनके उत्कृष्ट योगदान और भूटानी राष्ट्र तथा इसके लोगों के वास्ते उनकी विशिष्ट सेवा'' के लिए प्रदान किया गया है।

पुरस्कार मिलने के बाद मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''भूटान द्वारा 'ऑर्डर ऑफ द ड्रुक ग्यालपो' पुरस्कार दिए जाने पर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मैं इसे 140 करोड़ भारतीयों को समर्पित करता हूं।''

भूटान के राजा जिग्मे खेसर नांग्याल वांगचुक ने प्रधानमंत्री मोदी को 'ऑर्डर ऑफ द ड्रुक ग्यालपो' से सम्मानित किया। सम्मान की घोषणा भूटान के राजा ने 17 दिसंबर, 2021 को 114वें राष्ट्रीय दिवस समारोह के दौरान की थी। शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी दो दिवसीय भूटान यात्रा के दौरान इसे प्राप्त किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का भव्य स्वागत हुआ

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'पड़ोस प्रथम' की नीति के तहत भूटान के साथ भारत के अनूठे संबंधों को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर शुक्रवार को यहां पहुंचे। मोदी का पारो हवाई अड्डे पर पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। हवाई अड्डे पर भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग टोबगे ने उनकी अगवानी की। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''भूटान में गर्मजोशी से स्वागत के लिए आपका शुक्रिया प्रधानमंत्री शेरिंग टोबगे। भारत-भूटान मित्रता नयी ऊंचाइयां छूती रहे।''

पारो अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से थिम्पू तक के 45 किलोमीटर लंबे मार्ग को भारत और भूटान के झंडों से सजाया गया था और मार्ग के दोनों ओर खड़े

भूटानी लोगों ने प्रधानमंत्री मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि यह यात्रा भारत और भूटान के बीच नियमित रूप से होने वाली उच्चस्तरीय आदान-प्रदान की परंपरा और सरकार की 'पड़ोस प्रथम की नीति' पर जोर देने की कवायद के अनुरूप है। भूटान के प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर हिंदी में लिखा, ''भूटान में आपका स्वागत है मेरे बड़े भाई।''

इससे पहले मोदी ने भूटान की अपनी यात्रा के बारे में 'एक्स' पर एक पोस्ट किया था। उन्होंने कहा था, भूटान के रास्ते में हूं, जहां मैं भारत-भूटान साझेदारी को और मजबूत करने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लूंगा। मैं भूटान नरेश, भूटान के चौथे नरेश और प्रधानमंत्री शेरिंग टोबगे से मुलाकात करने के लिए उत्साहित हूं।'' यह यात्रा 21 से 22 मार्च को होनी थी लेकिन भूटान में खराब मौसम के कारण इसे टाल दिया गया था। इस यात्रा के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी भूटान के नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक और भूटान के चौथे नरेश जिग्मे सिंग्ये वांगचुक से मुलाकात करेंगे। वह भूटान के अपने समकक्ष शेरिंग टोबगे के साथ भी बातचीत करेंगे।

विदेश मंत्रालय ने इस सप्ताह की शुरुआत में एक बयान में कहा गया था कि भारत और भूटान के बीच आपसी विश्वास, समझ एवं सद्भावना पर आधारित एक अनूठी व स्थायी साझेदारी है।

खेल
प्रमुख समाचार

दिल्ली कैपिटल्स का पंजाब किंग्स से मुकाबला आज

नईदिल्ली। पिछले सत्र के खराब प्रदर्शन को भुलाकर दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स इंडियन प्रीमियर लीग के नये सत्र में शनिवार को जब आमने सामने होंगे तो सभी की नजरें महीनों बाद मैदान पर लौट रहे दिल्ली के कप्तान ऋषभ पंत पर टिकी होंगी। दिसंबर 2022 में भयावह कार दुर्घटना में बाल बाल बचे पंत ने क्रिकेट के लिये अपने जुनून के दम पर समय से पहले रिकवरी कर ली है। उन्हें बतौर बल्लेबाज विकेटकीपर खेलने की अनुमति मिल गई है और वह कप्तानी का दारोमदार भी संभालेंगे। मैच दोपहर 3.30 बजे से शुरू हो जाएगा।

उन्होंने डेविड वॉर्नर से कमान संभाली है जिनकी कप्तानी में दिल्ली पिछले साल 10 टीमों में नौवे स्थान पर रही थी। दिल्ली के कोच रिकी पोंटिंग ने मैच से पूर्व कहा ,'पंत ने इस बार आईपीएल से पहले जितना बल्लेबाजी अभ्यास किया है, उतना शायद कभी नहीं किया होगा । वह अपने शरीर को फिर पहले सी लय में देखना चाहता है।'

टीमें-

दिल्ली कैपिटल्स- ऋषभ पंत (कप्तान), डेविड वॉर्नर, पृथ्वी साव, स्वस्तिक चिकारा, यश ढुल, एनरिच नॉर्किया, ईशांत शर्मा, झाय रिचर्डसन, खलील अहमद, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार, प्रवीण दुबे, रसिक डार, विकी ओस्तवाल, अक्षर पटेल, जैक फ्रेजर गुर्क, ललित यादव, मिचेल मार्श, सुमित कुमार, अभिषेक पोरेल, कुमार कुशाग्र, रिकी भुई, शाइ होप, ट्रिस्टन स्टब्स।

पंजाब किंग्स- शिखर धवन (कप्तान), जितेश शर्मा, जॉनी बेयरस्टो, प्रभसिमरन सिंह, लियाम लिविंगस्टोन, हरप्रीत भाटिया, रिली रोसोयू, शशांक सिंह, क्रिस वोक्स, विश्वनाथ प्रताप सिंह, आशुतोष शर्मा, तनय त्यागराजन, अथर्व तायडे, ऋषि धवन, सैम कुरेन, सिकंदर रजा, शिवम सिंह, प्रिंस चौधरी, हरप्रीत बरार, अर्शदीप सिंह, कैगिसो रबाडा, नाथन एलिस, राहुत चहार, विद्वत कावेरप्पा, हर्षल पटेल।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 191 अंक चढ़ा निफ्टी 22 हजार के ऊपर

नईदिल्ली। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को शुरुआती कमजोरी को दूर करते हुए, शेयर बाजारों ने वापसी की और पूरे दिन बढ़त बनाए रखी। इस बीच ग्लोबल मार्केट में पॉजिटिव रुझान देखे गए। आज के कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 191 अंक मजबूत हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 85 अंक की बढ़त दर्ज की गई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 200 अंक से ज्यादा गिर गया था। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 190.75 अंक यानी 0.26 फीसदी की बढ़त के साथ 72,831.94 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में आज 72,172.09 और 73,115.62 के रेंज में कारोबार हुआ। वहीं, दूसरी तरफ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में भी 84.80 अंक यानी 0.39 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। निफ्टी दिन के अंत में 22,096.75 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी में आज 21,883.30 और 22,180.70 के रेंज में कारोबार हुआ।

जेनसोल इंजीनियरिंग को महाराष्ट्र में 520 करोड़ रुपये की सौर परियोजना मिली

नईदिल्ली। जेनसोल इंजीनियरिंग को महाराष्ट्र में सौर ऊर्जा परियोजना स्थापित करने के लिए 520 करोड़ रुपये का ऑर्डर मिला है। जेनसोल ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि यह ऑर्डर राज्य की एक अग्रणी बिजली उत्पादन इकाई से प्राप्त किया गया है। इसमें कहा गया, इस परियोजना में महाराष्ट्र में 500 एकड़ में 100 मेगावाट एसी/135 मेगावाटपी ग्राउंड-माउंट सौर पीवी बिजली परियोजना का विकास शामिल है, जिसका कुल ऑर्डर मूल्य 520 करोड़ रुपये है। जेनसोल ने कहा कि इसके तहत सिविल और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग कार्य, जरूरी मंजूरियां हासिल करना, संयंत्र की स्थापना और शुरुआत, और संयंत्र के स्विचयार्ड और ट्रांसमिशन बुनियादी ढांचे के रखरखाव सहित तीन साल का परिचालन प्रबंधन शामिल है।

इसरो ने रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल 'पुष्पक' का किया सफल परीक्षण

नईदिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शुक्रवार को कहा कि उसने 'आरएलवी एलईएक्स-02' लैंडिंग प्रयोग के माध्यम से पुन: प्रयोज्य प्रक्षेपण यान प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। यह परीक्षण कर्नाटक के चित्रदुर्ग में वैमानिकी परीक्षण रेंज में सुबह सात बजकर 10 मिनट पर किया गया और यह इस शृंखला का दूसरा परीक्षण है। अंतरिक्ष एजेंसी ने एक बयान में बताया कि पिछले साल किए गए आरएलवी-एलईएक्स-01 मिशन के बाद आरएलवी-एलईएक्स-02 ने हेलीकॉप्टर से छोड़े जाने के बाद पुन: प्रयोज्य प्रक्षेपण यान (आरएलवी) की स्वायत्त लैंडिंग क्षमता का प्रदर्शन किया। इसमें कहा गया है, ''आरएलवी को फैलाव के साथ अधिक कठिन करतब करने, 'क्रॉस-रेंज' एवं 'डाउनरेंज' दोनों को सही करने और पूरी तरह से स्वायत्त मोड में रनवे पर उतरने के लिए बनाया गया था।''

केपी ग्रीन इंजीनियरिंग के आईपीओ की बाजार में एंट्री

नईदिल्ली। स्टील प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनी केपी ग्रीन इंजीनियरिंग लिमिटेड के आईपीओ ने आज यानी शुक्रवार (22 मार्च) को शेयर बाजार में एंट्री कर ली है। केपी ग्रीन इंजीनियरिंग ने एसएमई बीएसई पर मजबूत शुरुआत की है। कंपनी के शेयरों को 200 रुपये प्रति शेयर के 38 प्रतिशत प्रीमियम पर लिस्ट किया गया। बता दें कि इसका इश्यू प्राइस 144 रुपये प्रति शेयर था। आईपीओ लिस्टिंग के कुछ देर बाद ही शेयर में 5 फीसदी की तेजी देखने को मिली जिसके बाद 210 रुपये पर अपर सर्किट लग गया। केपी ग्रीन इंजीनियरिंग का मार्केट कैप 1,050 करोड़ रुपये है। केपी ग्रीन इंजीनियरिंग आईपीओ 15 मार्च से लेकर 19 मार्च तक सब्सक्रिप्शन के लिए खुला रहा था। इस इश्यू को 29.50 गुना सब्सक्रिप्शन मिला था।

जलवायु परिवर्तन की तीन बड़ी चुनौतियां

अजय शाह/अक्षय जेटली

अकार्बनीकरण की राह बिजली क्षेत्र से होकर जाती है। आज यह क्षेत्र देश के कार्बन डाईऑक्साइड उत्सर्जन के एक तिहाई के लिए जिम्मेदार है। वृद्धि के लिए अधिक बिजली की जरूरत है और अर्थव्यवस्था के अन्य हिस्से जीवाश्म ईंधन से बिजली की ओर जा रहे हैं। भारत में कार्बन मुक्त बिजली क्षेत्र की तस्वीर कैसी होगी?

अकार्बनीकरण एक कठिन समस्या है। जीवाश्म ईंधन ऊर्जा उद्योग और उसके उपयोगकर्ताओं के पास लाखों करोड़ रुपये की परिसंपत्ति है और कई लाख श्रमिक। इस सारी पूंजी और श्रम ने जीवन जीने के तरीके को इतना सामान्य बना दिया है जो जलवायु परिवर्तन को प्रेरित करने वाला है। इस व्यवस्था से अलग हटकर एक नई विश्व व्यवस्था कायम करने के लिए अकल्पनीय धन और कच्चे माल की आवश्यकता है।

सरकार ने इसे लेकर कई तरह की आकांक्षाएं जताई हैं और सहमति भी प्रदान की है। हमें 2070 तक विशुद्ध शून्य उत्सर्जन का लक्ष्य भी हासिल करना है। हमें 2005 से 2030 तक उत्सर्जन को सकल घरेलू उत्पाद के 45 फीसदी तक कम करना है। बिजली में आधी स्थापित क्षमता के गैर जीवाश्म ईंधन आधारित हो जाने की उम्मीद है। इन आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए अथवा विशुद्ध शून्य की तारीख को समय पूर्व हासिल करने के लिए एक रणनीति की आवश्यकता है।

पहली चुनौती- केंद्र और राज्य- बिजली क्षेत्र में गहरी अंतर्संबद्धता है जहां प्रमुख जिम्मेदारी राज्यों की होती है और अनुषंगी लेकिन अहम भूमिका केंद्र सरकार की भी होती है। दोनों के लिए बेहतर तरीका क्या हो सकता है, दोनों में से प्रत्येक अपनी भूमिका

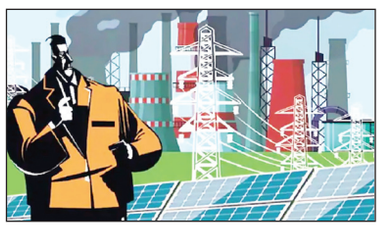

कैसे निभाएगा, इनमें से हर एक दूसरे के क्षेत्र में कैसे प्रवेश कर सकता है?

लोक सभा चुनाव बिजली के मुद्दे पर नहीं लड़े और जीते जाते हैं लेकिन कई राज्यों में ऐसा होता है। कई राज्यों में निःशुल्क और सब्सिडी वाली बिजली दी जाती है जिसकी कीमत वाणिज्यिक उपयोगकर्ताओं को अतिरिक्त शुल्क देकर चुकानी पड़ती है। अब निजी कंपनियों समेत एक दर्जन से अधिक वितरण कंपनियां हैं लेकिन अभी भी अधिकांश वितरण राज्य सरकारों के हाथ में है। बिजली क्षेत्र राज्यों की अर्थव्यवस्था पर गैर किफायती बोझ डालता है इसमें कुछ लोगों के लिए महंगी बिजली और बाकी के लिए सब्सिडी वाली रियायती बिजली होती है। ऐसे मामलों में सरकारी उपक्रमों को घाटा होता है और राज्य सरकारों को बजट से इतर नकदी कंपनियों को देनी होती है। कुछ राज्यों में बिजली से जुड़ी राजकोषीय दिक्कतें मध्यम अवधि की राजकोषीय नीति का विषय हैं।

दूसरी चुनौती- भारत और विश्व- जलवायु संबंधी मुद्दे को लेकर अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर असर होगा। भारत का विशुद्ध शून्य की ओर बदलाव को अपना पाना जलवायु परिवर्तन के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में बहुत अहम है। दुनिया भर के लोग जलवायु परिवर्तन को रोक पाने को लेकर बहुत आशान्वित नहीं हैं।

यह भारत के लिए दिक्कत की बात है क्योंकि हम यूरोपीय संघ की जगह दुनिया में तीसरे सबसे बड़े कार्बन उत्सर्जन वाले देश बन चुके हैं। हम जलवायु फाइनैंसिंग के क्षेत्र में ठोस और अपनाए जाने लायक उपाय सुझाकर इस क्षेत्र में नेतृत्व हासिल कर सकते हैं। इसमें पेरिस समझौते के तहत उपलब्ध फ्रेमवर्क का लाभ उठाना और द्विपक्षीय व्यवस्था को अपनाना शामिल है।

तीसरी चुनौती-राज्य और बाजार- जलवायु परिवर्तन की समस्या राज्य द्वारा हल सुझाने और लोगों को आदेश देने से नहीं हल होगी। इसके लिए लोगों को अपने स्तर पर पहल करनी होगी और राज्य को इस क्षेत्र में बुनियादी बाजार विफलताओं को दूर करना होगा। इस पहेली का हल सही संतुलन कायम करने में निहित है। इस क्षेत्र में बाजार की नाकामी राज्य की दंडात्मक शक्ति के न्यूनतम इस्तेमाल के लिए दलील तैयार करती है। एक बार ऐसा हो जाने के बाद अपने हित में विचार करने वाले लाखों लोग यह पता कर सकेंगे कि उनके हित में क्या है।

पूर्व मुख्यमंत्री बघेल अपने ही कार्यकर्ताओं को स्लीपर सेल कह रहे है स्लीपर सेल आतंकवादी संगठन में होते है

क्या कांग्रेस आतंकवादी संगठन है- कश्यप

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश सरकार में वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा है कि चुनाव में कांग्रेस की खस्ता हालत और संगठन में हो रहे अपने विरोध से पूर्व मुख्यमंत्री इतने विचलित हो चले हैं कि अब वे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को स्लीपर सेल बताकर खुलेआम अपमानित कर रहे हैं। केदार कश्यप ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री बघेल ने जो कुछ भी अपने कार्यकर्ताओं के बारे में कहा है, वह कांग्रेस के राजनीतिक चरित्र और कार्यकर्ताओं के प्रति कांग्रेस नेताओं के आचरण का परिचायक है।

प्रदेश के वन मंत्री कश्यप ने कहा कि स्लीपर सेल शब्द का प्रयोग आतंकवादी संस्थाओं से जुड़े लोगों के लिए किया जाता है। अब बघेल को यह स्पष्ट करना चाहिए कि वह क्या कांग्रेस को आतंकी संगठन मानते हैं? कश्यप ने कहा कि अफजल गुरु को जी कहकर संबोधित करने वाले, आतंकवादियों का साथ खड़े दिखाई देने वाले कांग्रेस के नेता अब अपने कार्यकर्ताओं को भी उसी प्रकार स्लीपर सेल की संज्ञा दे रहे हैं, यह बड़ा दुर्भाग्य है। दरअसल पूर्व मुख्यमंत्री बघेल ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को स्लीपर सेल बताकर अपनी उस खीझ को जगजाहिर किया है, जो राजनांदगाँव के कार्यकर्ता सम्मेलन में पूर्व जिला पंचायत सदस्य सुरेंद्र दाऊ वैष्णव से खरी-खोटी सुनने और प्रदेश कांग्रेस के पूर्व महामंत्री अरुण सिसौदिया द्वारा कांग्रेस कोषाध्यक्ष रामगोपाल वर्मा पर प्रदेश कांग्रेस के फंड में 5.89 करोड़ रुपए के घपले का आरोप लगाने से उपजी है, जिसमें कांग्रेस संगठन के भीतर चल रही आर्थिक अनियमितताओं के छींटे बघेल पर भी पड़ते नजर आ रहे हैं। कश्यप ने कहा कि सरकार में रहते कार्यकर्ताओं की घोर उपेक्षा करके भ्रष्टाचार में मशगूल रहे पूर्व मुख्यमंत्री बघेल पार्टी में भी चल रहे घपलों से वाकिफ थे और अब जबकि सारा सच सामने आ रहा है तो बौखलाए पूर्व मुख्यमंत्री बघेल अपने ही कार्यकर्ताओं को स्लीपर सेल बताकर अपमानित कर रहे हैं। श्री कश्यप ने कहा कि यह कांग्रेस पार्टी में ही संभव भी हो सकता है। कहीं-न-कहीं से आतंकवादियों के साथ उनका संबंध हो सकता है और उन संबंधों के आधार पर अपने रिश्ते को निभाते हुए वह अपने ही कार्यकर्ताओं को भी स्लीपर सेल की संज्ञा दे रहे हैं।

प्रदेश के वन मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री बघेल की राजनीतिक हस्ती अब गर्दिश में जा चुकी है और इसका ताजा प्रमाण यह है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका वाड्रा ने केजरीवाल के बचाव में बयान दिया, लेकिन कभी %खानदान की आँखों के तारे% रहे भूपेश बघेल पर महादेव एप मामले में अपराध दर्ज होने पर किनारा कर लिया। स्पष्ट है, बघेल को कांग्रेस नेतृत्व दोषी मान बैठा है। हालत तो यह है कि कांग्रेस प्रत्याशी तक उन्हें अपने क्षेत्र में चुनावी सभाओं के लिए बुलाने से भी कतरा रहे हैं। बघेल की विचलित मनोदशा की वजह यही है कि एक तरफ कांग्रेस कार्यकर्ता मुँह फेर रहे हैं तो दूसरी तरफ शीर्ष नेतृत्व कन्नी काट रहा है। सवाल अब यह है कि क्या भूपेश पर इतना ही भरोसा था? कश्यप ने कहा कि बेमेतरा में बंगाल के रोहिंग्याओं को किसान बताकर किसान सम्मान निधि का पैसा दिलवाकर बघेल ने फर्जीवाड़ा किया और करीब करोड़ों रु. इन खातों मे भेजा।

छत्तीसगढ़ की जनता ने कांग्रेस को पहले ही नकार दिया हैं

सचिन पायलट को राजस्थान जाकर मेहनत करनी चाहिएः बृजमोहन

रायपुर। शिक्षा, धर्मस्व पर्यटन मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के रायपुर लोकसभा क्षेत्र के प्रत्याशी बृजमोहन अग्रवाल ने कांग्रेस के छत्तीसगढ़ प्रभारी सचिन पायलट के छत्तीसगढ़ दौरे पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जो खुद अपनी उड़ान उड़ा नहीं पाएं वो छत्तीसगढ़ को उड़ानें आ रहें हैं। जो खुद लोकसभा चुनाव लड़ने तैयार नहीं हैं वो दूसरे को लोकसभा चुनाव लड़ाने आ रहें हैं। श्री अग्रवाल ने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ की जनता ने पहले ही कांग्रेस को नकार दिया है अब इन तिल में तेल नहीं बचा है। कांग्रेस पार्टी का कोई भी नेता चुनाव नहीं लड़ना चाहता है सचिन पायलट की मेहनत यहां बेकार जाएगी। मुझे लगता हैं सचिन पायलट राजस्थान जाकर मेहनत करेंगे तो बेहतर होगा। श्री अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की स्थिति काफी दयनीय है। एक ओर भाजपा ने लोकसभा चुनाव के लिए अपने सभी प्रत्याशी घोषित कर दिए हैं वहीं दूसरी ओर कांग्रेस ने अभी तक मात्र छह प्रत्याशी घोषित किए हैं। उसमें से भी कई प्रत्याशियों ने चुनाव नहीं लड़ने आनिच्छा जाहिर कर दी थी। पर वो मजबूरी में चुनाव लड़ रहे हैं। सचिन उस विमान के पायलट बनकर उड़ान भरने आ रहे हैं जिसमें कोई सवार ही नहीं होना चाह रहा हैं। और खुद प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट लोकसभा चुनाव लड़ने से इंकार कर चुके हैं क्योंकि वो यह बात अच्छी तरह से जानते हैं कि कांग्रेस इस बार दहाई का आंकड़ा छू ले तो भी बहुत बड़ी बात होगी...? ऐसा लगता हैं हार की जिम्मेदारी लेने ?से सारे कांग्रेसी नेता डर गये हैं इसलिए तो सचिन को पायलट बनाकर छत्तीसगढ़ में ऐसे विमान को उड़ानें भेजा गया है जिसमें कोई भी सवार नहीं है जो संभावित क्रैश होने के डर से अपनी - अपनी जान बचाने इधर उधर भाग रहे हैं। पांच साल छत्तीसगढ़ में सत्ता सुख भोगते हुए कांग्रेसी घोटाले और भ्रष्टाचार करके मस्त रहें जनता ने इनको कुर्सी से उतार दिया। थके - हारे सचिन पायलट कांग्रेसियों में जोश भरने छत्तीसगढ़ के दौरे पर आ रहे हैं। अभी तक कांग्रेस ने अपने 6 ही प्रत्याशियों की घोषणा की हैं बाकी बची पांच सीटों पर कांग्रेस को चुनाव लड़ने प्रत्याशी भी नहीं मिल रहे हैं क्योंकि सभी को छत्तीसगढ़ ही नहीं देश भर में भी हार दिख गई हैं कुछ नेताओं ने तो कांग्रेस पार्टी को अलविदा कह दिया है तो कुछ क़तार में है और जो बच गए हैं उन्होंने अपना बोरिया बिस्तर बांध लिया है और घर बैठ गये है। लोकसभा चुनाव में छत्तीसगढ़ में कांग्रेस का सुपड़ा विधानसभा की तरह साफ होना तय है और हार का ठिकरा पायलट पर ही फूटेगा। क्योंकि छत्तीसगढ़ की जनता ने लोकसभा की 11 सीटें भारतीय जनता पार्टी को जीताने का अपना मन बना लिया हैं अबकि बार 400 पार का नारा सच होगा। नरेन्द्र मोदी जी तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बनेंगे।

डीजे व मुखौटे पर रहेगा पूर्ण प्रतिबंध, तेज रफ्तार वाहन चलाने पर होगी कार्यवाही

शांति समिति की बैठक ■ होलिका दहन मूहुर्त अनुसार रात 12.30 बजे तक करने के दिए निर्देश

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में आज जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन ने कलेक्ट्रेट स्थित रेडक्रास सभाकक्ष में शांति समिति की बैठक ली। इस बैठक में सभी समाज के प्रमुख नागरिक शामिल हुए और उन्हें होली व अन्य त्यौहारों के मद्देनजर शांतिपूर्ण तरीके से मनाने के निर्देश दिए गए। इस दौरान समाज प्रमुखों ने भी अपने-अपने सुझाव रखें और अधिकारियों ने गंभीरता से विचार करने की बातें कहीं।

इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने कहा कि होली का त्यौहार रंगों का त्यौहार है, जो हम सबके जीवन में खुशियां बिखेरते हुए रंगमय बनाता है। सभी से आग्रह है कि सभी सौहार्द्र पूर्ण ढंग से और भाईचारे के भाव के साथ त्यौहार मनाएं। इस और होलिका दहन के लिए शहर के विभिन्न स्थानों पर मुरूम की व्यवस्था की जा रही है। इसके लिए जोन आयुक्तों को निर्देशित किया गया है।

अपर कलेक्टर देवेंद्र पटेल ने कहा कि अस्त्र-शस्त्र के उपयोग एवं प्रदर्शन पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध रहेगा। परीक्षाओं को ध्यान रखते हुए ध्वनि विस्तारक यंत्र का उपयोग धीमी स्वर में रात्रि 10 बजे तक ही किया जा सकेगा। मुखौटे पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध रहेगा। जबरदस्ती चंदा वसूलने पर कार्यवाही की जाएगी, होलिका दहन सड़क किनारे किया जाएं और होलिका दहन के बाद रेत डलवाने का कार्य किया जाएगा। लाखेनगर, चांदनी चैक और कुकरी पारा में जिन स्थानों में पूर्व से होलिका दहन किया जा रहा है, उनको छोड़कर नए स्थलों में बिना अनुमति के होलिका दहन नहीं किया जाएगा। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर लखन पटले ने कहा कि होलिका दहन मुहूर्त के अनुसार रात 12.30 बजे तक किया जा सकेगा। इसके बाद नागरिकों को वापस घर भेजे जाएंगे। होली त्यौहार के दौरान आईटीएमएस के जरिए तेज रफ्तार चलाने वाले वाहनों का चिंहाकन किया जाएगा और उन पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। मुखौटा लगाकर घूमने वालों पर भी सख्त कार्यवाही होगी। शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर भी कार्यवाही की जाएगी। हुडदंग करने वालों पर भी निगरानी रखी जाएगी, किसी भी तरह का अशांति फैलाने पर भी कार्यवाही होगी। इस अवसर पर जिला प्रशासन और पुलिस के अधिकारी उपस्थित थे।

मुखौटा जब्त कर रही रायपुर पुलिस, दुकानों में दी दबिश - उरला क्षेत्र के रंग गुलाल और होली सामग्री बेचने वाले दुकानों का चेकिंग कर मुखौटा जप्त किया गया। मुखौटा नहीं बेचने सख्त हिदायत भी दी गई है। बता दें कि होली और लोकसभा चुनाव को देखते हुए रायपुर रेंज आईजी अमरेश मिश्रा ने संभाग के एएसपी-सीएसपी-डीएसपी व थाना प्रभारियों की बैठक ली। कड़े निर्देश देते हुए आईजी ने कहा कि अपराधियों को किसी भी सूरत में बख्शा न जाए। होली-लोकसभा चुनाव के दौरान अपराधी अगर शांति व्यवस्था में बाधा डाले तो ऐसे लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। आईजी ने शहरी क्षेत्रों, कस्बों में अव्यवस्था एवं अपराधों पर नियंत्रण हेतु अर्बन डिसआर्डर मिटिगेशन प्लान के तहत क्षेत्रों को चिन्हांकित कर कार्रवाई करने को कहा। साथ ही डीएसपी-सीएसपी को अपने थाना क्षेत्रों में चाकूबाजी, अड्डेबाजी, नशाखोरी करने वाले व्यक्तियों की पहचान कर कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिये।

अपनी ही पार्टी में स्वीकार्यता के संकट से जूझ रहे भूपेश की हार तय- शिवरतन शर्मा

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं चुनाव प्रबंधन समिति के प्रदेश संयोजक शिवरतन शर्मा ने कहा है कि अपनी ही पार्टी में स्वीकार्यता के लिए संघर्ष कर रहे भूपेश बघेल बेहद असफल नेता साबित हो रहे हैं, उनकी राजनांदगांव लोकसभा सीट से हार तय है। इस हार के लिए भूपेश बघेल स्वयं जिम्मेदार हैं। पिछले पाँच सालों में सरकार में रहते हुए भूपेश ने जिस तरह छत्तीसगढ़ की दुर्दशा की, छत्तीसगढ़ में अराजकता फैलाई और छत्तीसगढ़ को दोनों हाथों से लूटने का काम किया, उसी का परिणाम अब सामने आ रहा है। उनकी पार्टी के कार्यकर्ता और पदाधिकारी उनकी कारगुजारियों को उजागर करने में लगे हुए हैं।

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष शिवरतन शर्मा ने कहा कि जो नेता अविभाजित मध्य प्रदेश और राज्य बनने के बाद मंत्री रहा हो, पांच साल तक अपनी पार्टी का और उसके बाद पांच वर्ष तक मुख्यमंत्री रहा हो, ऐसे नेता की प्रदेश भर में लोकप्रियता और स्वीकार्यता स्वतः ही बन जाती है। ऐसा नेता किसी क्षेत्र से चुनाव लड़ना चाहे तो पार्टी के दूसरे नेता अपनी सीट उनके लिए छोड़ने को तैयार हो जाते हैं, लेकिन भूपेश बघेल ने पिछले पांच साल में सत्ता का जिस तरह से दुरुपयोग किया है, बड़े नेता तो दूर पार्टी के एक कार्यकर्ता ने सार्वजनिक रूप से माइक पर उनके खिलाफ मोर्चा खोल दिया। प्रदेश कांग्रेस के पूर्व महासचिव ने भूपेश और मित्रों के खिलाफ पौने छह करोड़ का पार्टी का फंड गबन करने का आरोप लगा दिया, वहीं एक अन्य पदाधिकारी पत्र लिखकर उनकी टिकट रद्द करने की मांग कर रहे हैं। ऐसी स्थिति कभी किसी बडे नेता के खिलाफ नहीं देखी गई कि उनकी पार्टी के लोग आला कमान से ऐसे व्यक्ति को दिया गया टिकट रद्द करने की मांग करें।

छत्तीसगढ़/राजधानी

प्रमुख समाचार

ये कैसा महतारी वंदन जिसका पैसा दिलाने के नाम से भाजपा नेता ने रेप किया

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि यह कैसा महतारी वंदन है? जिस योजना की राशि दिलाने का बहाना कर भाजपा नेता दुष्कर्म किया। मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर जिला में हुई रेप की घटना के लिए साय सरकार जिम्मेदार हैं. महतारी वंदन योजना के लिए जिस प्रकार से साय सरकार ने नियम कायदे शर्तें बनाई है. उसे प्रदेश की माता बहने हताश और परेशान हो गई है. सारे नियम कायदे के बावजूद आज भी लगभग 70 प्रतिशत महिलाओं के खाता में महतारी वंदन योजना की पहली किस्त नहीं पहुंच पाई है. साय सरकार को जब महतारियों को पैसा देना ही नहीं था तो इतने चक्कर क्यों लगवाये हैं। भाजपा नेता के महतारी वंदन योजना की राशि दिलाने के झांसे में फंसी महिला दुष्कर्म की शिकार हो गई है। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि नरेंद्र मोदी शक्ति की बात करके बड़े-बड़े दावा करते हैं और भाजपा के नेता महिलाओं के साथ छेड़छाड़ दुष्कर्म हिंसा जैसे अपराधिक घटनाओं के आरोपी होते हैं और भाजपा उन्हें बचाती है। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि महिलाओं को भाजपा नेता के बहकावे में नहीं आना चाहिए उन्हें सावधान रहना चाहिए.

केजरीवाल की गिरफ्तारी मोदी की तानाशाही

रायपुर। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को कांग्रेस ने लोकतंत्र पर प्रहार बताया है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री तानाशाही पर उतर आये है। चुनाव के चलते दिल्ली के मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल को इस तरह टार्गेट करना एकदम गलत और असंवैधानिक है। राजनीति का स्तर इस तरह से गिराना देश के लिये घातक है। अपने आलोचकों से चुनावी रणभूमि में उतरकर लड़िये, उनका डटकर मुक़ाबला करिए, उनकी नीतियों और कार्यशैली पर बेशक हमला करिए - यही लोकतंत्र होता है। मगर इस तरह देश की सारी संस्थाओं की ताकत का अपने राजनीतिक मक़सद को पूरा करने के लिए इस्तेमाल करना, दबाव डालकर उन्हें कमज़ोर करना लोकतंत्र के हर उसूल के ख़िलफ़ है। देश के विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस के बैंक खाते फ्रीज़ कर दिये गये हैं, तमाम राजनीतिक दलों और उनके नेताओं पर ईडी, सीबीआई, आईटी का दिन रात दबाव है, एक मुख्यमंत्री जेल में डलवा दिये गये हैं, अब दूसरे मुख्यमंत्री को भी जेल ले जाने की तैयारी हो रही है। ऐसा शर्मनाक दृश्य भारत के स्वतंत्र इतिहास में पहली बार देखने को मिल रहा है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि सवाल सिर्फ एक अरविंद केजरीवाल या हेमंत सोरेन का नहीं है।

कंस्ट्रक्शन और फाइनेंस ब्रोकरों के ठिकानों से 2.5 करोड़ नगद व करोड़ों की हुंडी मिली

रायपुर। टैक्स चोरी के संदेह आयकर विभाग द्वारा गुरुवार को रायपुर व राजनांदगांव के कंस्ट्रक्शन कारोबार व फाइनेंस ब्रोकर से जुड़े कारोबारियों के ठिकानों पर दबिश दी। आयकर सूत्रों के अनुसार विभाग की यह कार्रवाई कुल सात ठिकानों पर चल रही है तथा इसमें 25 से ज्यादा आयकर अफसर शामिल है। आयकर विभाग द्वारा पहले दिन हुई इस कार्रवाई में अब तक विभाग ने कारोबारियों के ठिकानों से 2.5 करोड़ रुपये नगद व करोड़ों की हुंडी मिली है। आयकर अफसरों द्वारा कारोबारियों से नगद राशि के संबंध में कड़ी पूछताछ की जा रही है। सूत्रों के अनुसार आयकर की यह कार्रवाई कारोबारियों के ला विस्टा, कटोरा तालाब,देवेंद्रनगर, रामसागरपारा स्थित घर व आफिस के साथ ही राजनांदगांव के फाइनेंस ब्रोकर के ठिकानों पर दी गई। बताया जा रहा है कि विभाग द्वारा इन दिनों लगातार टैक्स चोरों पर निगाह बनाए हुए है और कार्रवाई कर रही है। आयकर विभाग की यह कार्रवाई देर रात तक चलती रही और आयकर अधिकारियों ने आवश्यक कागजात जब्त किए और कारोबारियों से पूछताछ कर रही है।

सीजीपीएससी ने जारी किया प्रीलिम्स परीक्षा का परिणाम

रायपुर। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग ने संघ लोक सेवा आयोग की तर्ज पर इस बार प्रारंभिक परीक्षा के परिणाम जारी किए गए हैं. मुख्य परीक्षा के लिए योग्यता प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों के अनुक्रमांक और नाम के साथ ही वर्गवार और उपवर्गवार कटऑफ नंबर भी घोषित किए गए हैं. आयोग ने जारी परिणाम में मुख्य परीक्षा के लिए कुल 3597 अभ्यर्थियों ने सफलता प्राप्त की है. छत्तीसगढ़ राज्य लोक सेवा आयोग ने 17 सेवाओं के लिए कुल 242 पद विज्ञापित की गए थे. इसके लिए 1 लाख 58 हजार 211 अभ्यर्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किये थे. चयन प्रक्रिया के पहले चरण के रूप में राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2023 का आयोजन 11 फरवरी 2024 को किया गया था. गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ राज्य के युवाओं की ओर से लंबे समय से राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा के परिणामों के साथ वर्ग और उपवर्गवार कटऑफ अंक जारी किए जाने की मांग की जाती रही है. छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा युवा प्रतिभागियों की मांग के अनुरूप इस बार प्रारंभिक परीक्षा के परिणाम साथ कट-ऑफ अंक भी जारी किए गए हैं. प्रारंभिक परीक्षा के परिणाम और वर्गवार तथा उपवर्गवार कटऑफ नंबर आदि की जानकारी के लिए छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की वेबसाईट https://www.psc.cg.gov.in/ पर लॉगिन किया जा सकता है.

बस्तर में टिकट किसी को भी मिले कांग्रेस की जीत तयः लखमा

रायपुर। लोकसभा चुनाव की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। सभी पार्टियां 2024 में जीत के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। प्रदेश में तीन चरणों में मतदान होने हैं। एक तरफ जहां बीजेपी ने अपने सभी उम्मीदवारों को मैदान पर उतार दिया है तो वहीं कांग्रेस अभी भी कई सीटों पर प्रत्याशी घोषित नहीं कर पाई है। इसी बीच छत्तीसगढ़ के पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा ने बस्तर चुनाव लड़ने पर बड़ा बयान दिया है। पूर्व मंत्री कवासी लखमा ने चुनाव लड़ने की चर्चाओं पर कहा, कि दीपक बैज भी मेरे बेटे जैसा है। जिसे भी टिकट मिले, मिलकर चुनाव लड़ेंगे। मैंने और मेरे बेटे हरीश लखमा ने आवेदन किया है। हम तीनों एक ही परिवार के सदस्य हैं। कवासी लखमा ने आगे कहा, कि तीनों मिलकर चुनाव लड़ेंगे। बस्तर में कांग्रेस की जीत तय है। आपको बता दें कि कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष दीपक बैज बस्तर से मौजूदा सांसद हैं। चर्चा है कि इस बार बैज की टिकट कट सकती है और कवासी लखमा या उनके बेटे हरीश लखमा को टिकट मिल सकते है। गौरतलब है कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की आठ मार्च को जारी पहली सूची में ही प्रदेश की छह सीटों पर नाम तय हो गए थे। इसमें राजनांदगांव से भूपेश बघेल, महासमुंद से ताम्रध्वज साहू, जांजगीर-चांपा से डा. शिवकुमार डहरिया, कोरबा से ज्योत्सना महंत, दुर्ग से राजेंद्र साहू और रायपुर से विकास उपाध्याय के नाम शामिल हैं।

मंत्री केदार कश्यप का भूपेश बघेल से बड़ा सवाल

सचिन पायलट की मौजूदगी में हुई बैठक में बड़ा फैसला रूठों को मनाने घर-घर जाएंगे सीनियर नेता

रायपुर। दो दिन के दौरे पर आए प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट ने शुक्रवार को राजीव भवन में चुनावी दृष्टि से कुछ महत्वपूर्ण बैठक ली। सभी विभाग प्रमुखों,रायपुर लोकसभा के नेताओं, प्रभारियों और कार्यकर्ताओं के साथ तैयारियों का फीड बैक लेकर रणनीति बनाई। उन्होंने विभाग प्रमुखों से वन टू वन चर्चा की। कांग्रेस में फूटते लेटर बम और सार्वजनिक आरोप-प्रत्यारोप के बीच रूठों को मनाने की कवायद शुरू हो गई है. रूठों को मनाने कांग्रेस के सीनियर नेता उनके घर-घर जाएंगे. इसके लिए प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट ने बैठक में सख्त निर्देश दिए हैं. बैठक में बड़ा फैसला भी लिया गया. महतारी वंदन योजना की तर्ज पर कांग्रेस नारी न्याय योजना को लेकर फॉर्म भराएगी. पायलट ने कहा, नारी न्याय योजना के तहत कांग्रेस बीपीएल महिलाओं को 1 लाख रुपए सालाना देगी. इसके लिए प्रदेशभर में अभियान चलाकर फॉर्म भराया जाएगा. लोकसभा समन्वयकों की बैठक में पायलट ने पूछा कि आपका पसंदीदा प्रचारक कौन है? आपकी पसंद का प्रचारक देंगे. प्रचार में कोई कमी हो तो तुरंत बताएं, जरूरत होगी तो और प्रचारकों को तैनात करेंगे. पायलट ने रुठों को मनाने की जिम्मेदारी सीनियर नेताओं को दी. साथ ही अपने-अपने क्षेत्र में सक्रिय रहने के निर्देश दिए.

उनके साथ नेता प्रतिपक्ष डॉ चरण दास महंत, पीसीसी चीफ दीपक बैज,संयुक्त सचिव विजय जांगिड़, धनेंद्र साहू, संतराम नेताम, भी मौजूद रहे। बैठक में दो प्रभारी सचिव चंदन यादव, सप्तगिरी उल्का नहीं आए। पायलट भी आज शाम लौट गए। कांग्रेस पार्टी छग में पूरी तैयारी से चुनाव लड़ेगी। वहीं उन्होंने बिलासपुर में पत्रकारों से चर्चा में कहा कि छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट ने कहा कि प्रदेश में लोकसभा के शेष पांच नाम जल्द घोषित किए जाएंगे, कांग्रेस पार्टी छग में पूरी तैयारी से चुनाव लड़ेगी। साथ ही पायलट ने कहा कि विधानसभा में हम सरकार नहीं बना पाए लेकिन कांग्रेस सरकार ने बेहतर काम किया था और हमारी योजनाएं बेहतर थीं। उन्होंने कहा कि 11 सीटों के छग में अप्रत्याशित परिणाम आएंगे। अब तक जो सफलता नहीं मिली है वो अब मिलेगी। सचिन पायलट ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि राज्य सरकार दिल्ली से चल रही है और भाजपा घमंड में 400 पार का नारा दे रही है। अब भाजपा के गिरावट का समय आ चुका है, इसलिए अलग-अलग पार्टियों के नेताओं को टारगेट किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के तमाम खातों को सीज करना अलोकतांत्रिक व असंवैधानिक है। निर्वाचन आयोग को इन सब का संज्ञान लेना पड़ेगा। यहां इलेक्शन कमिशन खुद संदेह के घेरे में है।

कांग्रेस के दिग्गज नेताओं ने केजरीवाल को भ्रष्ट बताया था तो अब विलाप क्यों- भाजपा

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी सचिन पायलट का मुख्यमंत्रियों की गिरफ्तारी को लेकर केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग के आरोप को निराधार और मनगढ़ंत बताया है। उन्होंने कहा कि यह वही कांग्रेस पार्टी है जो अरविंद केजरीवाल के शराब नीति का विरोध करने के लिए बड़ी-बड़ी प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रही थी। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं कांग्रेस के पूर्व केंद्रीय मंत्री अजय माकन ने बड़े-बड़े बयान दिए थे। जब मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी हुई थी तब भी कहा था कि यह भ्रष्टाचार का मामला है मनीष सिसोदिया से किसी को सिंपैथी रखने की जरूरत नहीं है। तो अब क्या हुआ कांग्रेस का स्टैंड क्यों बदल गया? क्या इनके बीच कोई सौदा हुआ है? या फिर कोई कोई लेनदेन हुआ है कि जिस बात के लिए जो विरोध करते थे अब उसके समर्थन में राहुल गांधी पोस्ट कर रहे हैं सचिन पायलट को इस चीज का जवाब देना चाहिए। श्री देव ने कहा कि कांग्रेस के तो डीएनए में भ्रष्टाचार रचा-बसा है। आपदा को भी अपने भ्रष्टाचार के लिए अवसर बनाने में कांग्रेस कितनी माहिर है.

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.